जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 272 प्रभात बीकानेर, सोमवार 27 अप्रैल, 2026 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

वाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में गोली चली

वॉशिंगटन के हिल्टन होटल में आयोजित वार्षिक मीडिया कार्यक्रम में राष्ट्रपति ट्रंप व उनकी पत्नी मौजूद थे

- **कार्यक्रम के फुटेज में नज़र आ रहा है कि गोलियां की आवाज़ सुनने के बाद ट्रंप और वहाँ मौजूद लोग अपनी मेजों के पीछे छुप गए। सीक्रेट सर्विस के एजेन्ट्स ट्रंप को तेजी से घटना स्थल से दूर ले गए।**
- **गोलीबारी में एक एजेन्ट घायल हुआ। ट्रंप ने 30 दिन में इस डिनर का पुनः आयोजन की बात कही।**

वाशिंगटन, 26 अप्रैल। वाशिंगटन डीसी में शनिवार शाम अभेद्य किलेबंदी के बीच चल रहे वाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान, कार्यक्रम स्थल के बाहर गोलीबारी होने से हड़कंप मच गया। सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स कार्यक्रम स्थल से राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को निकाल कर ले गए। ट्रंप पूरी तरह सुरक्षित हैं। इस गोलीबारी में एक एजेंट घायल हो गया। डिनर का आयोजन वाशिंगटन हिल्टन होटल के बॉलरूम में किया गया था।

सीबीएस न्यूज और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, गोलीबारी होते ही ट्रंप को वहां से तुरंत बाहर निकाला गया। इस वार्षिक मीडिया कार्यक्रम के शुरू होने से पहले ही राष्ट्रपति और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप बॉलरूम पहुंच चुके थे। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पोस्ट में कहा कि वे जल्द ही वाइट हाउस से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। ट्रंप ने लिखा, वे, प्रथम महिला, उपराष्ट्रपति और कैबिनेट के सभी सदस्य पूरी तरह से सुरक्षित हैं। मैंने इस कार्यक्रम के प्रभारी सभी प्रतिनिधियों से बात कर ली है। डिनर का आयोजन 30 दिनों के अंदर दोबारा किया जाएगा।

ट्रंप ने सीक्रेट सर्विस के एजेंट और कानून प्रवर्तन एजेंसियों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, ये सब बहादुर हैं। उन्होंने कहा, हमलावर को पकड़ लिया गया है। मौके से हासिल फुटेज में नजर आ रहा है कि गोलियों की आवाज सुनने के बाद ट्रंप और वहां मौजूद लोग अपनी मेजों के पीछे छुप गए। इस दौरान लोग चिल्ला रहे थे, नीचे झुक जाओ। इसके बाद सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स ट्रंप को तेजी से घटनास्थल से दूर ले गए। फिर एजेंट्स ने कार्यक्रम स्थल को चारों ओर से घेर लिया।

डिनर में आमंत्रित अल जजीरा के पत्रकार क्रिस शेरिडन ने बताया कि उन्होंने बॉलरूम के बाहर गोलियों की पांच आवाजें सुनीं।

हम तुरंत ज़मीन पर लेट गए। गोलीबारी ठीक मेरे पीछे हुई। गोली बॉलरूम के प्रवेश द्वार के दरवाजों के पीछे हुई। इस बीच अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है। यह घटना रात लगभग 8:30 बजे हुई। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप इस समय वाइट हाउस में हैं।

राष्ट्रपति ने ट्रुथ सोशल पर लिखा है कि वे प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने पुष्टि की कि ट्रंप कॉन्फ्रेंस का ब्रीफिंग रूम से ही संबोधित करेंगे। सूत्रों ने बताया कि संदिग्ध ने कुल मिलाकर पांच से आठ गोलियां चलाई गईं। संदिग्ध बंदूकधारी तको अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर की अध्यक्ष और सीबीएस न्यूज की पत्रकार वेइजिया जियांग ने कहा है कि राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पूरी तरह ठीक हैं। वे प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि भगवान का शुक्र है कि हम सब सुरक्षित हैं। आज रात एक साथ आने के लिए आप सबका धन्यवाद। हम फिर मिलेंगे।

हमलावर का निशाना राष्ट्रपति ट्रंप भी थे- अटॉर्नी जनरल

वॉशिंगटन, 26 अप्रैल। अमेरिका में वाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान हुई फायरिंग को लेकर अब बड़ा खुलासा सामने आया है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, हमलावर का निशाना सिर्फ आम लोग नहीं थे, बल्कि सीधे तौर पर सरकार के बड़े अधिकारी, यहां तक कि राष्ट्रपति भी हो सकते थे।

अमेरिका के कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने कहा है कि शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपी ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों को टारगेट करने आया था,

- **अटॉर्नी जनरल ने कहा कि अभी तक ईरान से किसी तरह के कनैक्शन के ठोस सबूत नहीं मिले हैं।**

जिनमें राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप भी शामिल हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि हमलावर ने लंबा सफर तय किया, वह कैलिफोर्निया से ट्रेन के जरिए पहले शिकागो और फिर वॉशिंगटन डीसी पहुंचा, जहां उसने उसी होटल में कमरा लिया, जहां यह हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम हो रहा था।

31 साल का आरोपी कोल टॉमस एलन हिरासत में है और उस पर कई गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। वह जांच में सहयोग नहीं कर रहा है। एजेंसियां उसके मोबाइल, लैपटॉप और लिखी गई बातों (नोट्स) की जांच कर रही हैं,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या 20 साल बाद पांचना बांध से पानी छोड़ा जाएगा नहरों में?

हाई कोर्ट ने जलदाय विभाग को 2022 में दिए गए आदेश की पालना करते हुए तुरन्त पानी छोड़ने का आदेश दिया है

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 26 अप्रैल। करौली डिस्ट्रिक्ट में स्थित पांचना बांध में पिछले 20 वर्ष (यानी 2006) से पानी नहीं छोड़े जाने के संबंध में दायर याचिका पर हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। इस मामले में वर्ष 2022 में ही 8 जुलाई को अदालत की खंड पीठ में बांध से पानी छोड़े जाने के आदेश पारित किए गए थे, परंतु इस आदेश की पालना आज तक नहीं की गई है। अदालतीय आदेश की अवमानना को गंभीरता से लेते हुए कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस पी शर्मा और न्यायधीश शुभा मेहता की खंड पीठ ने जलदाय विभाग को आदेश दिए हैं कि वह जल्द से जल्द पांचना बांध से जुड़ी हुई 20 साल से सूखी हुई नहरों की मरहमत करवाए और तुरंत प्रभाव से पानी छोड़े।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि राज्य सरकार इस प्रोजेक्ट को तत्परता से ले और इस बांध से जुड़े अतिरिक्त निर्माण कार्यों को भी शीघ्रता से पूरा करे। अंत में अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अगर उसके आदेश की पालना नहीं की गई तो अगली सुनवाई पर जलदाय विभाग के सचिव व चीफ इंजीनियर मौजूद रहें। इसके साथ ही, अदालत ने इस मामले की अगली तारीख 1 मई तय की है। सुनवाई के दौरान, जलदाय विभाग के सुप्रीटेंडेंट इंजीनियर की ओर से प्रस्तुत रिपोर्ट में बताया गया है कि विरोधप्रदर्शन कर रहे

- **इस मामले की 5 मार्च को हुई सुनवाई के दौरान अदालत में अतिरिक्त महाधिवक्ता ने बयान दिए थे कि राज्य सरकार ग्रामीणों के बीच सामंजस्य नहीं बना पा रही है, जिनका कहना है कि बांध से छोड़े गए पानी से केवल एक गुट के लोगों का ही फायदा होगा। हालांकि महाधिवक्ता ने यह भी कहा था कि अलग-अलग राज्य सरकार पिछले 20 वर्षों से अपने राजनैतिक हितों और लाभों को देखते हुए बांध के विरोध की आड़ में पांचना इरिगेशन प्रोजेक्ट क्रियान्वित नहीं होने दे रही थीं।**
- **उन्होंने यह भी बताया कि जलदाय विभाग ने ग्रामीणों में सामंजस्य बिठाने के लिए एक अतिरिक्त लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट के निर्माण का प्रस्ताव भी दिया था, जिसे गहलोत सरकार ने वर्ष 2023 में खारिज कर दिया था। अदालत के समक्ष प्रस्तुत रिपोर्ट में जलदाय विभाग ने अतिरिक्त लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट के प्रस्ताव को राज्य सरकार ने अब स्वीकार कर लिया है और 50 करोड़ रूपए आवंटित भी कर दिए हैं।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बलोचिस्तान में पाकिस्तान के सैन्य काफिले पर हमला, दो अधिकारी मारे गये

बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट लगातार पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठानों, पुलिस स्टेशनों व राजमार्गों पर हमले कर रहा है

- **बीएलएफ प्रवक्ता के अनुसार, विद्रोही लड़ाकों ने शिविर बदल रहे सैन्य अधिकारियों के काफिले पर आईईडी से विस्फोट किया। इसमें सैन्य वाहन पूर्णतया नष्ट हो गए।**

इस्लामाबाद, 26 अप्रैल। देश के बलोचिस्तान प्रांत में आजादी समर्थक विद्रोही संगठन बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) के हमले में पाकिस्तान के दो सैन्य अधिकारियों की जान चली गई। इन अधिकारियों का काफिला पूरी तरह नष्ट हो गया। बीएलएफ के प्रवक्ता मेजर घोरम बलोच ने मीडिया को जारी बयान में यह जानकारी दी। हालांकि सेना ने इस पर अभी कोई टिप्पणी नहीं की है।

"द बलोचिस्तान पोस्ट" की रिपोर्ट के अनुसार, बीएलएफ प्रवक्ता घोरम बलोच ने कहा कि 25 अप्रैल को खुजदार के जावाह इलाके में विद्रोही लड़ाकों ने शिविर बदल रहे सैन्य अधिकारियों काफिले पर रिमोट कंट्रोल बम (आईईडी) से विस्फोट कर दिया। इससे सैन्य वाहन पूरी तरह से नष्ट हो गया। इस हमले में वाहन में सवार दो अधिकारियों की मौके पर ही मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए।

उन्होंने बताया कि एक अन्य अभियान में, लड़ाकों ने 24 अप्रैल को नुश्की के मिल इलाके में स्थित पुलिस स्टेशन पर हमलाकर उस पर कब्जा कर लिया और वहां के संचार उपकरणों को निष्क्रिय कर दिया। प्रतिरोध करने वाला एक पुलिस अधिकारी घायल हो गया। इसके अलावा, 24 अप्रैल को ही खारान शहर में सेना के मुख्यालय पर ग्रेनेड लॉन्चरों से हमला किया।

इससे एक दिन पहले 23 अप्रैल को बीएलएफ के लड़ाकों ने खुजदार क्षेत्र के जावाह में क्वेटा-कराची मुख्य राजमार्ग को पूरी तरह से अवरुद्ध कर दिया। तीन घंटे तक राजमार्ग पर सभी प्रकार के वाहनों और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी गई।

पचपदरा रिफाइनरी मई में शुरु होने की संभावना

बालोतरा, 26 अप्रैल (निसं)। एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआरआरएल) ने 20 अप्रैल 2026 को क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (सीडीयू) में हुई अग्नि दुर्घटना को लेकर आधिकारिक अपडेट जारी किया है।

- **रिफाइनरी प्रबंधन के अनुसार, 3-4 सप्ताह में पुनर्स्थापना कार्य पूरा होने की आशा है।**

कंपनी के अनुसार, विस्तृत जांच के बाद प्रारंभिक आकलन में सामने आया है कि आग हीट एक्सचेंजर स्टैक तक सीमित रही, जिससे केवल 6 एक्सचेंजर्स और उनसे जुड़े सहायक उपकरण प्रभावित हुए हैं। कंपनी ने बताया कि परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

देश के बैंकिंग सिस्टम में शांत विश्वास दिख रहा, जो पहले कभी नहीं था

ग्रोथ के मजबूत आधार, नियंत्रित महंगाई तथा साफ सुथरी बेलैंस शीट के कारण भारी उतार-चढ़ाव से "फ्री", एक "स्टेबिलिटी" (शांत स्थिरता) का अहसास हो रहा है, देश के "बैंकिंग सिस्टम" में

- **पर साथ ही, बैंकिंग सिस्टम में बदलाव के बादल भी घुमड़ रहे हैं, मूलतः आर्टिफिशल इंटैलिजैंस (ए.आई.) और बैंकिंग कारोबार में भारी "डिजिलाइटेशन" होने से।**
- **उदाहरण के लिए, "सायबर सिक्युरिटी" एक भारी खतरा व आशंका बन गई है।**
- **एक बड़ा बदलाव यह भी है कि परंपरागत सोच के अनुसार, बड़े उद्योगों को ऋण देना, जाना-माना व सेफ तरीका माना जाता था, ग्रोथ के लिए, पर अब ग्रोथ का श्रेय रिटेल लैंडिंग, सर्विसेज़ सैक्टर व एस.एम.ई. सैक्टर को दिया जा रहा है।**

- सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो।

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। आज भारत की बैंकिंग प्रणाली एक शांत आत्मविश्वास दिखा रही है, जो कुछ साल पहले असंभव लगता था। मजबूत ग्रोथ, कम महंगाई और साफ सुथरी सुथरी बैलेंस शीट ने मिलकर स्थिरता का एक दुर्लभ पल बनाया है। आश्वस्त करने वाली इस सतह के नीचे, गहरे स्ट्रक्चरल बदलाव हो रहे हैं, जो बैंकों को न केवल यह पुनर्विचार करने पर मजबूर कर रहे हैं कि वे कैसे ऋण देते हैं, बल्कि यह भी कि वे कैसे अस्तित्व में हैं।

हालिया फिक्की-बी.ए. (भारतीय बैंक संघ) सर्वेक्षण इस दोहरी वास्तविकता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। एक ओर, क्रेडिट वृद्धि की संभावनाएं मजबूत बनी हुई हैं। दूसरी ओर, यह क्षेत्र तकनीक, स्थिरता और नए प्रतिस्पर्धी दबावों से प्रेरित परिवर्तन के लिए तैयार हो रहा है।

जहाँ साइबर सुरक्षा सबसे बड़ी चिंता के रूप में उभरी है वहीं, यह याद दिलाती है कि जैसे-जैसे बैंकिंग प्रणाली ज्यादा डिजिटल होती जा रही है, यह उतनी ही अधिक संवेदनशील भी होती जा रही है। हालांकि, तात्कालिक तस्वीर उत्साहजनक है। अधिकांश बैंकों को उम्मीद है कि नॉन फूड क्रेडिट 11-13 प्रतिशत की रेंज में बढ़ेगा, कुछ बैंक इससे भी अधिक वृद्धि की संभावना देख रहे हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, बेहतर एसैट क्वालिटी और मजबूत कैपिटल बफर के कारण, इस आशावाद में आगे हैं। निजी बैंक, हालांकि समान रूप से ग्रोथ ओरिएन्टेड हैं, ज्यादा सावधानी से चल रहे हैं, जो जोखिम के प्रति संतुलित दृष्टिकोण को दिखाता है। विदेशी बैंक, वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण, चयनात्मक रूप से ही शामिल हैं।

हालांकि, जो बात चौंकाने वाली है, वह यह है कि यह वृद्धि कहां से आ रही है। परंपरागत रूप से बड़े औद्योगिक ऋण पर निर्भरता अब अधिक डायवर्सिफाइड क्रैडिट लैंडस्केप में बदल रही है। सेवाएं, खुदरा और लघु-मध्यम उद्यम (एस.एम.ई.) विस्तार के मुख्य इंजन बनकर उभरे हैं। खासकर रिटेल लैंडिंग में यह उल्लेखनीय वृद्धि जारी है, जिसे कंज़प्शन डिमाण्ड और बढ़ते फायनैंशियल एक्सेस का समर्थन मिला है। एसएमई क्रेडिट भी गति पकड़ रहा है, जो नीतिगत समर्थन और भारत की विशाल अनौपचारिक अर्थव्यवस्था के धीरे-धीरे हो रहे फॉर्मलाइज़ेशन को दर्शाता है।

इसके विपरीत, उद्योग की कहानी अधिक संयमित है। यहां क्रेडिट ग्रोथ शानदार होने के बजाय स्थिर रहने की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

वसंत अपने आप नहीं आता, उसे लाना पड़ता है। सहज आने वाला तो पतझड़ होता है, वसंत नहीं। –हरिशंकर परसाई

चुनावी लोकतंत्र या स्थायी चुनावी मोड़?

भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहा जाता है। अब यह वाक्य कुछ वैसा ही हो गया है जैसे शादी-ब्याह के कार्ड में "भेज रहे हैं स्नेह निमंत्रण तुम्हें बुलाने को/ हे मानस के राजहंस, भूल न जाना आने को" –छपवाना जरूरी है, भले ही निमंत्रण पाने वाला राजहंस तो क्या कौआ भी न हो ! ऐसा ही कुछ हाल लोकतंत्र का भी है। पहले लोकतंत्र का मतलब शासन, नीति और जवाबदेही होता था। अब उसका अर्थ बदल गया है। अब इसका एक ही अभिप्राय है–अगला चुनाव कब है?

2024 के आम चुनावों के बाद देश को थांड़ी राहत मिलनी चाहिए थी–जैसे शादी की लम्बी भागदौड के बाद घर वाले चैन की सांस लेते हैं। अपने यहां तो ब्याह संपन्न करवा लेने के बाद गंगा जी नहाने तक की परंपरा रही है। लेकिन जहां तक भारत में लोकतंत्र के वर्तमान स्वरूप की बात है, यहाँ तो बारात विदा होते ही अगली बारात की तैयारी शुरू होने लगी है। मुझे अनायास रमेश बख़्शी की एक कहानी याद आ रही है। कहानी का शीर्षक है – अगले मुहर्रम की तैयारी। तलाश करके इस कहानी को पढ़ें। देश में लोकतंत्र का हाल भी कुछ ऐसा ही हो गया है। एक चुनाव ख़त्म हुआ नहीं कि दूसरे चुनाव की तैयारी शुरू हो जाती है। चुनाव, चाहे वह कोई–सा भी हो। लोकसभा का, राज्य सभा का, विधान सभा का, पंचायत का, यहां तक कि वार्ड का भी। चुनाव नहीं तो उप चुनाव ही सही। और चुनाव नहीं तो दूसरे दलों में तोड़ फोड़ का कार्यक्रम भी चलेगा। आखिर वह भी चुनाव का ही हिस्सा है। देश एक स्थायी चुनावी मेले में तब्दील हो गया है, जहाँ मंच कभी खाली नहीं रहता, सिर्फ पोस्टर बदलते रहते हैं। जैसे सिनेमाघर कभी खाली नहीं रहता, बस फ़िल्म के पोस्टर बदलते हैं। जैसे कुछ दुकानों पर स्थायी सेल चलती रहती है और कुछ मैदानों में स्थायी रूप से मेले लगते रहते हैं, वैसे ही हमारे देश में बारहों महीने चुनाव चलते रहते हैं। पहले विद्यार्थियों को पढ़ाया जाता था–भारत एक कृषि प्रधान देश है। अब पढ़ाया जाना चाहिए– भारत एक चुनाव प्रधान देश है। हमारे नेताओं की तारीफ की जानी चाहिए, कि और सारे आलतू–फालतू कामों को स्थगित रख कर वे पूरी ईमानदारी से चुनाव में जुटे रहते हैं। इसके लिए उन्हें अठारह–अठारह घण्टे काम करना पड़े तो भी वे अपने कर्तव्य पथ से हटते नहीं हैं।

ऐसा नहीं है कि हमारे नेता और कोई काम नहीं करते। करते हैं। वे सोचने का काम करते हैं। वे अहर्निश यह सोचते रहते हैं कि अगले चुनाव के लिए कौन–सा नया वादा ठीक रहेगा। यह भी कि चुनाव हो जाने के बाद उस वादे को विस्मृत किस कौशल से करना है, या उसके पूरा न होने की क्या सफाई देनी है। वैसे तो इस मामले में जनता भी उनकी पूरी मदद करती है। वह ख़ुद ही उनसे नहीं पूछती कि हुज़ूर, आपके पिछले वादे का क्या हुआ? मान लीजिए कि आजकल हर घोषणा के पीछे एक अदृश्य नोट लिखा होता है–शर्तें लागू: यह योजना अगले चुनाव तक वैध है। बजट अब आर्थिक दस्तावेज कम, चुनावी पैकेज अधिक लगते हैं। घोषणाएँ इस अंदाज़ में होती हैं जैसे सरकार नहीं, कोई ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म फेस्टिव सेल चला रहा हो–अभी लें, वोट के साथ कैशबैक पाएं। नेतागण ये वादे अत्यधिक उदारता के साथ करते हैं। तुम्हारे यहां चुनाव हो रहा है। ठीक। हमारी सरकार बन गई तो हरेक को इतनी रकम या यह वस्तु या यह सुविधा मुफ्त में देंगे। दो बातें हैं। एक तो यह कि जो भी देने का वादा कर रहे हैं वह कौन अपनी जेब से पूरा करना है ! मियां की जूती मियां के सर वाला मामला होना है। लेकिन इसकी भी कोई ज़रूरत नहीं है। एक पुराना गाना है ना – कस्मे वादे प्यार वफा, सब बातें हैं बातों का क्या ! किसी भी वादे को जुमला कह देने में कौन ज़ोर पड़ता है?

असल में मीडिया ने इस पूरे परिदृश्य को एक नया आयाम दे दिया है। खबर अब सूचना नहीं, कंटेंट है-और कंटेंट वही अच्छा है, जो ज्यादा बिके। एंकर अब प्रश्न पूछने के बजाय निर्णय सुनाने लगे हैं, और पैनलिस्ट विचार रखने के बजाय अभिनय करने लगे हैं। बहस का स्तर ऐसा हो गया है कि कभी-कभी लगता है, अगर आवाज़ बंद कर दी जाए तो लगेगा कि यह किसी मछली बाज़ार का दृश्य है। सोशल मीडिया ने इस स्थायी चुनावी मोड को घर-घर पहुँचा दिया है।

वादे करने का यह खेल जिस उत्साह से सत्तारूढ़ दल खेलता है उतने ही उत्साह सेइस खेल को विपक्षी भी खेलते हैं। उनका तो कहना ही क्या, जिनको जीतने की कोई उम्मीद नहीं होती है। वे तो भर–भर के वादे करते हैं। फिर एक कथा याद आती है। एक मुहल्ले में किसी ने देशी घी की दुकान खोली और उस पर भाव लिखा सात सौ रुपये किलो। अगले दिन सामने खुली प्रतिस्पर्धी की दुकान पर भाव लिखा नज़र आया छह सौ रुपये किलो। इसने साढ़े पांच सौ रुपये का भाव लिख दिया। यह खेल चलता रहा। दोनों भाव घटाते रहे। आखिर एक दिन किसी जिज्ञासु ने प्रतिस्पर्धी से पूछ लिया कि तुम इतना सस्ता घी कहां से लाकर बेचोगे? उसने कहा कि मुझे तो घी बेचना ही नहीं है ! उन्हें तो केवल वादों का मार्केट खराब करना है। वादों के बाज़ार में भसड़ मचानी है, सो वे बखूबी मचाते रहते हैं। और बात केवल वादों तक ही सीमित नहीं रहती है। यही खेल सरकार बनाने की घोषणाओं के मामले में भी चलता रहता है। एक पक्ष अगर सरकार बनाने की पक्की घोषणा करता है तो दूसरा पक्ष सरकार को गिराने की उतनी ही मज़बूत घोषणा करता पाया जाता है। और ये सब मिलकर मीडिया को उसकी रोज़ की खुराक़ प्रदान करते हैं। हर घटना एक ब्रेकिंग न्यूज़ है, हर निर्णय एक षड्यंत्र, और हर बयान एक ऐतिहासिक भूल। संसद और विधानसभाएँ अब कमोबेश टीवी स्टूडियो का विस्तार लगने लगी हैं–जहाँ बहस कम, बैकग्राउंड म्यूजिक ज्यादा सुनाई देता है। यह कहना भी कठिन हो गया है कि विधायिका और मीडिया रूम में से कौन किसका अनुकरण करता है !

असल में मीडिया ने इस पूरे परिदृश्य को एक नया आयाम दे दिया है। खबर अब सूचना नहीं, कंटेंट है–और कंटेंट वही अच्छा है, जो ज्यादा बिके। एंकर अब प्रश्न पूछने के बजाय निर्णय सुनाने लगे हैं, और पैनलिस्ट विचार रखने के बजाय अभिनय करने लगे हैं। बहस का स्तर ऐसा हो गया है कि कभी–कभी लगता है, अगर आवाज़ बंद कर दी जाए तो लगेगा कि यह किसी मछली बाज़ार का दृश्य है। सोशल मीडिया ने इस स्थायी चुनावी मोड को घर–घर पहुँचा दिया है। अब हर नागरिक के हाथ में एक छोटा–सा चुनावी मंच है, जहाँ वह दिन में तीन बार सरकार बनाता और पांच बार गिराता है। आईटी सेल और ट्रोलआर्मी ने इस प्रक्रिया को इतना व्यवस्थित कर दिया है कि अब राय भी ऑर्गनाइज़्ड सेक्टर में आ गई है।

इसका असर प्रशासन पर भी कम दिलचस्प और दारुण नहीं है। अधिकारी अब फाइलों के साथ–साथ फीडबैक भी पढ़ते हैं–यह निर्णय जनता को कितना पसंद आएगा, और उससे भी अधिक, यह सोशल मीडिया पर कितना ट्रेंड करेगा। कठिन निर्णयों का हाल वही है जो कड़वी दवा का होता है–सब जानते हैं कि जरूरी है, लेकिन कोई लेना नहीं चाहता। 2025–26 के दौरान जिस तरह घोषणाओं की बाढ़ आई है–मुफ्त सेवाएँ, भत्ते, नई योजनाएँ–उसे देखकर लगता है कि सरकारें अब शासन नहीं, सब्सक्रिप्शन मॉडल पर चल रही हैं। हर योजना के साथ एक अनकहा संदेश जुड़ा होता है–हमारी सेवा जारी रखने के लिए अगली किश्त वोट के रूप में जमा करें।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस निरंतर चुनावी उत्सव का अंत कहाँ है। क्या हम उस दौर में प्रवेश कर चुके हैं, जहाँ लोकतंत्र का मतलब सिर्फ चुनाव रह जाएगा, और शासन एक साइड एक्टिविटी बनकर रह जाएगा? क्या हम नागरिक कम और स्थायी मतदाता अधिक हो गए हैं? लोकतंत्र की असली परीक्षा चुनाव के दिन नहीं होती–वह उन दिनों में होती है, जब कोई चुनाव नहीं होता। लेकिन भारत में अब ऐसे दिन ढूँढना वैसा ही है जैसे पुराने ज़माने का शांतिपूर्ण समाचार–कागज़ों में पढ़ा जाता है, ज़मीन पर कम दिखता है।

शायद हमें अब अपने लोकतंत्र की परिभाषा बदलनी पड़ेगी। क्योंकि अगर यही चलता रहा, तो आने वाले समय में इतिहास की किताबों में लिखा जाएगा–भारत एक ऐसा लोकतंत्र था, जहाँ चुनाव कभी खत्म नहीं होते थे।।। और शासन कभी शुरू नहीं होता था।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

राजस्थान के दैनिक हिन्दी अखबारों में हम खबरें कहाँ ढूंढें ?

प्रो. वीर बहादुर सिंह

पिछले लगभग दो ढाई दशकों से दैनिक अखवारों में प्रात: खबरें पढ़ने की पाठकों की मनोवृति को लगातार विकर्षित कर कुंठित किया जा रहा है। दैनिक अखबार महत्वपूर्ण खबरों के लिए सदैव से ही आमजन पाठकों के लिए एक सुलभ प्राप्त स्त्रोत रहा है। और अखबार का सञ्चालन एक नोबल प्रोफेशन। आज़ादी के संघर्ष में देश के कतिपय नेता अखबारों से सम्बन्ध रहे हैं। कश्मीर का विख्यात कुंजरू परिवार संभवत: कोरोनेशन प्रेस आगरा से अखबार निकालता था, पंडित नेहरू ने भी एक अखबार की नीव डाली थी। अटल जी भी एक अखबार में एडिटिंग का काम करते थे और यहाँ तक कि देश की जनता के प्रेजिडेंट डॉ. कलाम साहब का तो घरेलू पेशा ही था वे खुद अखबार बेचते थे। इस प्रकार कुल मिलाकर अखबार निकालना और बेचना एक महत्वपूर्ण और उच्च कुलीन पेशा रहा है। अखबार का पाठक अनेक कठिनाइयाँ होते हुए भी प्रात: सबसे पहले अखबार की खोज करता है कि अखबार आया अथवा नहीं। लम्बे समय से दैनिक समाचार पत्र भारतीय जनता की दिनचर्या का अभिन्न अंग बन चुका है। मुझे याद है जब मैं अपने गाँव के घर पर डाक से आया अखबार 'देशदूत' देखा करता था, पढ़ना तो तब आता नहीं था परन्तु मेरे दो बडे भाई शिक्षित थे और अंग्रेजी भी पढ़–लिख लेते थे। देशदूत अखबार यह तो पता नहीं दैनिक था अथवा पाक्षिक, और यह भी अब याद नहीं कि भाषा उसकी हिंदी होती या अंग्रेजी? इतना याद है कि अखबार सीपिया रंग में छपा होता और उसमें चित्र भी सीपिया रंग के ही होते। चित्रों में उड़ते हुए और आसमान से गिरते हवाई जहाज और यूनिफार्म पहने फौजी दिखाई पडड़ो। संभवत: यह समय दूसरे विश्व युद्ध और तत्काल उसके बाद का रहा होगा। मेरे भाई अखबार पढ़कर पिता जी को ख़बरें मौखिक बता देते।

मेरा तात्पर्य इस प्रकरण को यहाँ देने का यही है कि उस काल में देश के दूरदराज के क्षेत्रों में ख़बरों के लिए एक अखवार ही सबकुछ था। रेडियो, टेलीविज़न, मोबाइल फ़ोन, इंटरनेट, टेलीफोन आदि कोई संचार व्यवस्था शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में नहीं थी। हां ! जिले के कतिपय प्रधान डाकघरों में आपात स्तिथिओं में टेलीग्राम सुविधा तो सुलभ हो जाती थी ।

हाँ, कभी कभार कहीं से एक पन्नें का अखवार कोई छाप देता और कम संख्या में उसे कतिपय के पास पहुंचा भी दिया जाता । आजकल की युवा पीढ़ी क्या ऐसे दृश्य की कल्पना कर सकती है? जब चौबीस घंटे मोबाइल साथ ही रहता हो। तात्पर्य यह है कि जानकारी प्राप्त करने की प्रवर्ति आज़ादी के बाद शिक्षा की उन्नति से सबल हुई और इसमें दैनिक अथवा पाक्षिक अखबार की भूमिका सर्वोपर रही।

अपने कॉलेज शिक्षा के काल का एक वृतांत भी यादगार बन गया। मैं छात्रावास में रहता था उसकी एक विंग में एक वार्डन भी रहते थे। हर सुबह जागने पर वे खाट पर से ही बिना आखें खोले फर्श पर हाथ घुमाकर अखवार टटोलते। ऐसा वे नित्य करते। उनकी इस आदत से यह निष्कर्ष निकलता है कि जागते ही व्यक्ति विगत बीते चौबीस घंटे में क्या क्या घटित हुआ और कहाँ? इसकी जानकारी के लिए उत्सुक रहता। इस तरह की तीव्र उत्कंठा के होते आज यदि हमें 20–30 पन्नें के अखबार में ख़बरें ढूढनी पड़ें तो आप क्या कहेंगे ?

वर्तमान में राजस्थान में अच्छी संख्या में हिंदी दैनिक अखवार छपते हैं। इनमें पन्नों की संख्या भी काफी संतोषजनक है फिर भी मुख्य दैनिक ख़बरों का अभाव अथवा सारांशित रूप में ही मिलती हैं और अनेक महत्वपूर्ण ख़बरें नदारद मिलेंगी। वहीँ विकर्षित विज्ञापनों की भरमार, और वे भी पूरे दो पन्नों से लेकर एक पन्ना, आधा पन्ना और चौथाई पन्ना। मैंने एक तारीख को दैनिक अखवार से ऐसे लगभग बीस अति बड़े विज्ञापनों की लिस्ट बनाई तो मालूम हुआ साठ प्रतिशत से भी अधिक अखवारी स्थान विज्ञापनों ने ले रखा है। मैं विज्ञापनों का विरोधी नहीं .लेकिन विचार शक्ति का सही उपयोग करते हुए उनका स्थान और क्षेत्र नियत हो तो अति उत्तम। मैं उस अखबार और विज्ञापन संस्था /संस्थानों का नाम भी नहीं लिखना चाहता क्योंकि कमोवेश सभी हिंदी दैनिक अखबारों की स्तिथि समान ही है। परन्तु यह जरूर सलाह देता हूँ कि विज्ञापन अपेक्षाकृत छोटे बनें और सन्देश देने में सफल हों। कुछ अखबार वालों से मेरी जानपहचान भी है। एक बार मैंनें एक से पूंछा कि इतने विशाल विज्ञापन देने का क्या महत्व है? कुछ नहीं बता सके, इतना जरूर कहा कि ऊपर का एक पन्नें का विज्ञापन अखबार की शीथ होता है। मैं अभी तक उस शीथ का अर्थ नहीं समझ पाया। हाँ, कुछेक ने कहा– इस शीथ का उपयोग वे कार के शीशे साफ़ करने में करते हैं। एक अन्य ने कहा प्रात: काम पर जाते समय अखवार के ऐसे विज्ञापनों से अटे पन्नों से जूते साफ़ करते हैं। पाठकों को मेरा यह कथन अजूबा नहीं लगना चाहिए। बुद्धिजीवी पाठक प्रदेश के हिंदी दैनिक अखवारों के बारे में ऐसी ही राय रखते हैं भले ही वे इसे किसी से सीधे न कहें।

सम्बंधित अखबारों के मालिक यदि उचित समझें तो इस बावत एक छोटा सर्वेक्षण भी करा सकते हैं।

काफी समय पहले सिनेमा घरों पर ऐसे विशाल विज्ञापनों के बोर्ड लगते थे आज वो भी नदारद हो चुके हैं। उन्होंने अपने को क्यों बदला विज्ञापन से उन्हें क्या हानि होने लगी थी? अब केवल बहुत ही संक्षिप्त में प्रिंट मीडिया में विभिन्न सिनेमा घरों में चल रही फिल्म की सूचना यदाकदा दिख जाती है। फिर विशालकाय और भीमकाय विज्ञापन देने वाले संसथान समय और तकनिकी के साथ मेल क्यों नहीं बिठाते ?

वर्तमान में विशाल अखबारी विज्ञापन मुख्यत: शिक्षण संस्थानों, मोटर बाइक, स्कूटर, कारों फिर शिक्षा और शिक्षण पक्षों, फिर आभूषणों और फिर खेल आदि पर होते हैं शेष विज्ञापन, विवाह, प्रॉपर्टी, हाउस लोन और रेंट व् अन्य दीगर मसलों पर होते हैं। विज्ञापनों को गिनना/गिनाना मेरा कोई उद्देश्य नहीं। क्या विज्ञापन के लिए अलग से कोई अखवार, मैगज़ीन प्रशिष्ट छापी जा सकती है? और क्या विभिन्न आयामों/विषयों पर पाठकों से विचार आमंत्रित कर उन्हें यथा स्थान अखबार में छापा जा सकता है ?

इस लेख के पाठक यह नहीं समझें कि लेख बिना अनुभव बटोरे केवल शौक के लिए लिख दिया,ऐसा नहीं सोचें यदि कोई अखबारी संस्थान मेरे से इस विषय पर संवाद का इच्छुक हो तो उनका स्वागत कर उचित मशविरा ही दूँगा जो एक अध्यापक तुल्य मेरा कर्तव्य रहा है।

मैं यह मानता हूँ आज के युग में अखवार चलाना दुष्कर है फिर भी संतोष यह है कि अभी भी प्रदेश में हिंदी अखवारों का सर्कुलेशन दस लाख अथवा उससे ऊपर बना हुआ है। ये रहना चाहिए क्योंकि दैनिक अखबार प्रत्येक की जिंदगी का हिस्सा बन चुके हैं, तो क्यों नहीं हम पाठकगण, चिंतक और अखवारों के मालिक मिलकर दैनिक पत्रों को कहीं अधिक उपयोगी बनाने और विकर्षण विरोधी अनुभूति युक्त करने का प्रयास करें। मैं नहीं चाहता रेडियो, ट्रांजिस्टर, सिनेमा की भाँती अब अखवार भी उस स्थिति को प्राप्त हों।

–प्रो. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय, उदयपुर, राजस्थान

लोकतंत्र की कड़वी हकीकत: शिक्षा और शिक्षक की उपेक्षा

प्रो. अशोक कुमार

भारत, जिसने सदियों तक विश्व गुरु के रूप में अपनी पहचान बनाई, जहाँ तक्षिशला और नालंदा जैसे केंद्र ज्ञान का प्रकाश फैलाते थे, आज उसी भूमि पर शिक्षा चुनावी रैलियों के शोर में कहीं खो गई है। लोकतंत्र में सत्ता का केंद्र जनता होती है, लेकिन यदि जनता की नींव (शिक्षा) ही राजनीति के हाशिये पर हो, तो उस लोकतंत्र की मज़बूती पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है।

1. तात्कालिक लाभ बनाम दूरगामी निवेश

राजनीति अब रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट के सिद्धांत पर चलती है। आधुनिक लोकतंत्र चुनावी चक्र (5 वर्ष) में कैद हो गया है।

सड़कों का जाल और मुफ्त उपहार: जब एक नेता सड़क बनवाता है या बिजली–पानी मुफ्त देता है, तो उसका प्रभाव भौतिक रूप से तुरंत दिखता है। मतदाता को लगता है कि 'काम हुआ है'।

शिक्षा का धैर्य: शिक्षा में आज किया गया सुधार 25 साल बाद एक सभ्य और कुशल नागरिक के रूप में सामने आता है। कोई भी राजनैतिक दल उस फल की प्रतीक्षा नहीं करना चाहता जिसे काटने का अवसर शायद उनकी अगली पीढ़ी को मिले या विपक्षी दल को। यही कारण है कि शिक्षा पॉलिसी का हिस्सा तो है, लेकिन पॉलिटिक्स का नहीं।

2. संगठित वोट बैंक का अभाव

लोकतंत्र में संख्या बल ही सबसे बड़ी शक्ति है। किसान, धार्मिक समूह और जातिगत संगठन अपनी मांगों को मनवाने के लिए सरकारों को घुटनों पर ला देते हैं क्योंकि वे एक वोट बैंक हैं।

बिखरा हुआ शिक्षक वर्ग: शिक्षक समाज के सबसे प्रबुद्ध वर्ग से आते हैं, लेकिन वे वैचारिक रूप से इतने विभाजित हैं कि कभी एक दबाव समूह नहीं बन पाए।

राजनैतिक उदासीनता: राजनेताओं को पता है कि स्कूल की जर्जर दीवारें या शिक्षकों की कमी उन्हें चुनाव नहीं हरवा सकती, क्योंकि आम जनता इन मुद्दों पर वोट नहीं देती। जब तक शिक्षा चुनावी हार–जीत का पैमाना नहीं बनेगी, तब तक यह नेताओं के एजेंडे में अंतिम स्थान पर ही रहेगी।

3. शिक्षा का व्यवसायीकरण: एक अंतर्विरोध

शिक्षा के क्षेत्र में निजीकरण ने एक अजीब स्थिति पैदा कर दी है।

हितों का टकराव: देश के कई बड़े निजी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के तार सीधे तौर पर सत्ताधारियों से जुड़े हैं। यदि सरकारी स्कूल और कॉलेज विश्वस्तरीय बन जाएं, तो इन महंगे निजी संस्थानों की दुकानें बंद हो जाएंगी।

दोहरी व्यवस्था: आज एक ऐसी खाई पैदा हो गई है जहाँ अमीरों के लिए महंगी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा है और गरीबों के लिए कामचलाऊ सरकारी व्यवस्था। यह असमानता लोकतंत्र के मूल विचार समान अवसर की हत्या कर रही है।

4. सामाजिक चेतना की कमी

एक समाज के रूप में हम भी उतने ही दोषी हैं।

जनता की प्राथमिकताएं: चुनाव के समय हम जाति, धर्म, मंदिर–मस्जिद या मुफ्त मिलने वाली सुविधाओं पर चर्चा करते हैं। क्या कभी किसी मोहल्ले ने यह कहकर चुनाव का बहिष्कार किया कि उनके यहाँ के स्कूल में लाइब्रेरी नहीं है या प्रयोगशाला में उपकरण नहीं हैं?

मौन मतदाता: जब समाज ही शिक्षा को एक बुनियादी चुनावी मांग नहीं मानता, तो राजनेता उसे प्राथमिकता क्यों देंगे? नेताओं का व्यवहार समाज की मांग का ही प्रतिबिंब होता है।

5. शिक्षक की गरिमा और गैर–शैक्षणिक कार्य

शिक्षक, जिसे समाज का मार्गदर्शक होना चाहिए था, उसे आज एक बहुउद्देशीय सरकारी कर्मचारी बना दिया गया है।

प्रशासनिक बोझ: जनगणना से लेकर पशु गणना और चुनावी ड्यूटी तक, शिक्षकों को हर उस काम में लगा दिया जाता है जिसका शिक्षण से कोई संबंध नहीं है।

मानसिकता का पतन: जब सरकार खुद शिक्षक का उपयोग क्लर्क की तरह करती है, तो समाज की नज़रों में उनकी गुरु वाली छवि धूमिल हो जाती है। शिक्षक अब राष्ट्र निर्माता नहीं, बल्कि एक डेटा एंट्री ऑपरेटर बनकर रह गए हैं। उनकी गरिमा का ह्रास ही शिक्षा व्यवस्था के पतन का सबसे बड़ा कारण है।

निष्कर्ष और समाधान का मार्ग

शिक्षा के प्रति उदासीनता संसाधनों की कमी से ज़्यादा दृष्टिकोण की कमी का परिणाम है। हमें शिक्षा को खर्च समझना बंद करना होगा। यह राष्ट्र की मानव पूंजी में किया गया सबसे बड़ा निवेश है। शिक्षा का राजनीतिकरण नहीं, राजनीति का शिक्षाकरण: समय आ गया है कि शिक्षा को संविधान की गरिमा के साथ जोड़कर इसे राजनीति से ऊपर रखा जाए।शिक्षक की स्वायत्तता: शिक्षकों को प्रशासनिक कार्यों से मुक्त कर केवल शिक्षण और शोध तक सीमित रखना अनिवार्य है।जब तक आम नागरिक अपने बच्चों के भविष्य के लिए स्कूलों और शिक्षा की गुणवत्ता पर सवाल नहीं पूछेगा, तब तक लोकतंत्र की यह कड़वी हकीकत नहीं बदलेगी।

अंतत:, यदि भारत को पुन: विश्व गुरु के आसन पर विराजमान होना है, तो हमें अपने गुरुओं को राजनीति के हाशिये से उठाकर राष्ट्र के केंद्र में स्थापित करना ही होगा। शिक्षा का सशक्तिकरण ही वास्तविक लोकतंत्र की विजय है।

–प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय

दिनभर हिरणकश्यप करेगा नगर भ्रमण

भीलवाड़ा। श्री लक्ष्मी नारायण मन्दिर भोपालगंज में पिछले लगभग 100 वर्षों से श्री नृसिंह जयंती बड़े पैमाने पर धूमधाम से मनाई जाती है। मंदिर के ट्रस्टी ओमप्रकाश अठावाल ने बताया कि मन्दिर में इस बार भी 30 अप्रैल शुक्रवार को श्री नृसिंह जयंती का शुभारंभ सुबह भगवान के पंचामृत अभिषेक से होगा। इसके बाद विशेष रूप से तैयार करवाई गई पोशाक से भगवान का नृसिंह रूप में भव्य श्रृंगार होगा। दिनभर हिरणकश्यप रूप में कलाकार राम रतन वैष्णव नगर भ्रमण करेंगे, भक्त प्रहलाद का किरदार बाल कलाकार प्रकाश पारीक निभायेंगे। शाम को मंत्रोच्चार से नृसिंह भगवान का स्वरूप पुजारी विष्णुप्रकाश धारण करेंगे।

राष्ट्रव्यापी गौ सम्मान आव्हान अभियान के तहत आज सौपेंगे प्रार्थना पत्र

■ पद संकीर्तन यात्रा भी मुख्य मार्गो से निकाली जायेगी

भीलवाड़ा। प्रधान संरक्षक वेद लक्षणा गौ माता एवं अध्यक्ष नंदी बाबा की प्रेरणा से गौ माता के संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर चल रहे राष्ट्रव्यापी गौ सम्मान आव्हान अभियान के अंतर्गत भीलवाड़ा तहसील में सोमवार 27अप्रैल को एक भव्य पैदल संकीर्तन रैली का आयोजन किया जाएगा। रैली के माध्यम से जिला प्रशासन को प्रार्थना पत्र सौंपकर गौ संरक्षण हेतु ठोस कदम उठाने की मांग की जाएगी।

यह संकीर्तन रैली सोमवार प्रात: 9:15 बजे राजेन्द्र मार्ग विद्यालय परिसर से प्रारंभ होने से पूर्व महामंडलेश्वर हंसराम उदासीन महाराज, महामंडलेश्वर बाबू गिरी महाराज व संतों महंतो एवं विचार परिवार के सदस्यों द्वारा आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन के बाद पैदल रैली प्रारंभ होगी जो निर्धारित मार्ग से होते हुए राजेन्द्र मार्ग रोड, आइनॉक्स, महावीर पार्क . राजीव गांधी मार्केट, सूचना केन्द्र बजरंगी चौराहा , गोल प्याऊ चौराहा, सदर बाजार, अम्बेडकर सर्किल एवं मशीनरी मार्केट से होकर जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचेगी, जहां प्रतिनिधिमंडल द्वारा उपखंड अधिकारी को महामहिम राष्ट्रपति , प्रधानमंत्री, महामहिम राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम प्रार्थना पत्र सौंपे जाएंगे। पैदल रैली का मुख्य उद्देश्य "गौ माता को राष्ट्र माता" का दर्जा दिया जाए। एवं देश भर में गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लागू किया जाए।

वहीं प्रचारक संत लालजी महाराज (कोटड़ी) के सानिध्य में रैली का आयोजन संपन्न होगा। भीलवाड़ा शहर विधायक अशोक कुमार कोठारी ने इस पैदल रैली में शहरवासियों एवं गौ भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर रैली को सफल बनाने एवं गौ सेवा के इस अभियान में सहभागिता निभाने की अपील की है।

भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की पहल

अजमेर,(निसं)। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर ने भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए शैक्षिणक एवं गैर–शैक्षिणक पदों के लिए तैयार रोस्टर रजिस्टर को सार्वजनिक कर दिया है। कुलगुरु सुरेश कुमार अग्रवाल के निर्देश पर विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर रोस्टर रजिस्टर अपलोड किया गया है, जिससे अभ्यर्थियों और संबंधित पक्षों को पारदर्शिता के साथ जानकारी मिल सके। कुलसचिव कैलाश चंद्र शर्मा ने बताया कि यदि किसी अभ्यर्थी या कर्मचारी को रोस्टर रजिस्टर में कोई आपत्ति है तो वह तीन दिनों के भीतर लिखित रूप में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

राशिफल

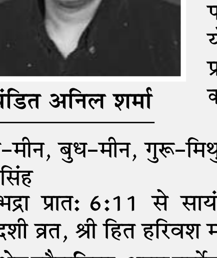

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 27 अप्रैल, 2026

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2083, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 9:19 तक, ध्रुव योग रात्रि 9:36 तक, वणिज करण प्रात: 6:11 तक, चन्द्रमा रात्रि 3:36 से कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मेष, चन्द्रमा–सिंह, मंगल–मीन, बुध–मीन, गुरू–मिथुन, शुक्र–वृष, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

भद्रा प्रात: 6:11 से सायं 6:16 तक रहेगी। आज मोहिनी एकादशी व्रत, श्री हित हरिवंश महाप्रभु जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:33 तक, शुभ 9:10 से 10:47 तक, चर 2:02 से 3:39 तक, लाभ–अमृत 3:39 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:56, सूर्यास्त 6:53

मेष
परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच–विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

वृष
घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। घर–परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

कर्क
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

कन्या
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च होगा। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

तुला
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आज विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा, उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। सुख–शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

सार-समाचार

पक्षियों के लिए पालसियें लगवाये

बीकानेर(निसं)। महावीर इंटरनेशनल गंगाशहर द्वारा अपने नियमित सेवा प्रकल्प के तहत भयंकर गर्मी को देखते हुवे बेजुबान पक्षियों के लिए हीरालाल सौभागमल रामपुरिया विद्यानिकेतन सीनियर सेकेण्डरी विद्यालय मे बने बगीचे मे 25 पानी हेतु पालसिये व दाने हेतु 10 बर्ड फीडर लगवाये। शाला प्रिंसिपल अनुराधा जैन व विद्यार्थीयो ने नियमित पानी व दाना भरने की जिम्मेदारी ली और पूर्ण आस्वस्त किया। कार्यक्रम मे केन्द्र अध्यक्ष वीर त्रिलोक चंद बाफ़ना, सचिव वीर चन्द्र कुमार राखेचा, जीव दया प्रभारी वीर कल्याण चंद चोपड़ा, मेडिकल प्रभारी वीर बच्छराज रांका, वीर टोडर मल चोपड़ा, शाला प्रिंसिपल श्रीमति अनुराधा जैन,प्रीति जैन,मुकेश जैन,विक्रम राठौड़ उपस्थित रहे।

कुलदेवी डेहरू माता मंदिर के पाटोत्स्व का फलेक्स एवं टेम्पलेट का विमोचन

बीकानेर(निसं)। डेरु माता मंदिर में संकल्प मानस भवन के 12वें सुंदरकांड की शुरुआत केला मानस प्रचार समिति माणक जोशीए नारायण पुरोहितए संतोष पुरोहितए सीए महेंद्र चूरा एवं गोवर्धन व्यास के द्वारा संपन्न हुआ। 17 जून को कुलदेवी डेहरू माता मंदिर के तीसरे पाटोत्स्व को महोत्सवष् के रूप में मनाने के लिए पाटोत्स्व संयोजन समिति का सर्वसम्मति से जेठाराम पुरोहित को संयोजक मनोनीत किया गया। सह-संयोजक दुर्गा प्रसाद पुरोहित बीठनोक व सुरेंद्र ओझालव ओझा को मनोनीत किया गया।डेहरु माता सेवा समिति के अध्यक्ष एडवोकेट पवन पुरोहित ने बताया कि इस आयोजन समिति में समस्त कार्यकारिणी एवं ट्रस्टीगण सदस्य होंगे।कार्यक्रम समन्वयक भंवर पुरोहित ने बताया कि संपूर्ण हिंदुस्तान में जहां भी पुरोहितएलव ओझाए गिलडा माहेश्वरी निवास करते हैं उनके परिजनों को घर-घर आमंत्रण दिया जाएगा। इस अवसर पर संयोजक जेठाराम पुरोहित ने शहरी क्षेत्र के सभी डेहरू माता भक्त जनों को आमंत्रित करने हेतु मातृशक्ति ष्महिला आयोजन समिति का भी गठन किया गया जो की बीकानेर शहर में पाटोत्सव को महोत्सव के रूप में आयोजित करने के लिए घर-घर संपर्क करेंगी। महिला समिति में जय भादाणी को संयोजक एवं चंद्रकला भादाणी; आचार्यद्धको संरक्षक मनोनीत किया गया। इस आयोजन मिडिया समिति सचिव डॉ राजशेखर पुरोहित व सह.सचिव नवनीत पुरोहित ने बताया कि आज के इस आयोजन में निम्न लिखित भक्तजनों सतीश पुरोहित रामेश्वर पुरोहित नागू भाद्धए पवन मास्टरए कपिल ओझाए सुनील पुरोहितआसाराम पुरोहित एडवोकेट कमल नारायण पुरोहित गोपाल पुरोहितए एडवोकेट रमेश पुरोहित अनिल पुरोहितए एडवोकेट त्रिलोक नारायण पुरोहित रामस्वरूप हर्ष श्याम भा व्यास कैलाश सारस्वत पुजारी अनिल पुरोहित सत्यनारायण पुरोहितजगदीश सेवक सुभाष पुरोहित रामबाबू पुरोहित जितेन्द्र सुथार आदि की गरिमामय उपस्थिति रही ।

'राजरानी गोयल स्मृति' राजस्थानी कथा साहित्य पुरस्कार समारोह 2 मई को

बीकानेर (निसं)। मुक्ति संस्था, बीकानेर के तत्वावधान में पाचवें पोकरमल- राजरानी गोयल स्मृति राजस्थानी कथा साहित्य पुरस्कार समारोह 2 मई को शाम 06.15 बजे रेलवे-स्टेशन के सामने होटल राजमहल में आयोजित होगा। मुक्ति संस्था के सचिव कवि- कथाकार राजेन्द्र जोशी एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. नरेश गोयल ने बताया कि पांचवे वर्ष का राजस्थानी महिला लेखन के लिए जोधपुर की वरिष्ठ कथाकार सरोज चौधरी को उनके राजस्थानी कहानी संग्रह 'काया री कळझळ' पर एवं बीकानेर के वरिष्ठ राजस्थानी कथाकार भंवरलाल भ्रमर को उनके कहानी संग्रह ',उपरलो पासो को वर्ष 2026 का पोकरमल राजरानी गोयल स्मृति राजस्थानी कथा साहित्य पुरस्कार समारोह में 02 मई को शाम 6:15 बजे स्थानीय होटल राज महल स्टेशन रोड के सामने एक भव्य समारोह में दोनों चयनित राजस्थानी साहित्यकारों को पुरस्कार स्वरूप नगद राशि 11- 11 हजार रुपए, स्मृति चिन्ह, शाल एवं अभिनंदन पत्र अर्पित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में युवा- वरिष्ठ साहित्यकार जिन्होंने कार्य योजना बनाने एवं पांच साल तक कुशलतापूर्वक निर्णायक की भूमिका बनाने वाले बुलाकी शर्मा, मधु आचार्य आर्शीवाद ', राजाराम स्वर्णकार, डॉ. अजय जोशी, डॉ. रेणुका व्यास, डॉ. हरिशंकर आचार्य, डॉ. गौरीशंकर प्रजापत ,डॉ. नमामीशंकर आचार्य ,डॉ. उमाकांत गुप्त, डॉ. मदन सैनी, एवं जगदीश रतनू का सम्मान किया जायेगा।

महाजन में पारा 45 डिग्री पार, बाजार पर दिखा असर

महाजन, (निसं)। यहा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप जारी है। बढ़ते तापमान के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है, और दोपहर में बाजार सूने पड़े हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि दोपहर के समय तापमान 43 से 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच जाता है। इस कारण लोग घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं, जिससे गांव की गलियां और बाजार वीरान दिखाई दे रहे हैं। बाजार में मंदी का दौर चल रहा है। दुकानदार कैलाश रंगा ने बताया कि ग्राहक सुबह 11 बजे तक और शाम 5 बजे के बाद ही खरीदारी करने आते हैं । आम जनता लू से बचने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार क्षेत्र का पारा 45 डिग्री दर्ज किया गया। इसी के साथ मौसम में आंशिक बदलाव जैसे बूंदाबांदी या धूलभरी आंधी आ सकती है, लेकिन गर्मी से तत्काल राहत मिलने की संभावना कम है।

केंद्रीय कानून मंत्री ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विपक्ष पर निशाना साधा

■ केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर विपक्षी दलों पर निशाना साधा

भाजपा संभाग कार्यालय में पत्रकारवार्ता को संबोधित करते केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल

बीकानेर(निसं)। भाजपा कार्यालय में केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर विपक्षी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि महिलाओं को संसद एवं विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले इस ऐतिहासिक कानून का विरोध कर विपक्ष ने एक बार फिर अपनी महिला विरोधी मानसिकता उजागर कर दी है केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब देश की मातृशक्ति को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने का अवसर आया तो विपक्षी दलों ने बहानेबाजी, भ्रम फैलाने और प्रक्रिया को बाधित करने का काम किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने इस महत्वपूर्ण विधेयक को कमजोर करने और महिलाओं के अधिकारों को टालने का प्रयास किया, लेकिन भारतीय जनता पार्टी महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के लिए प्रतिबद्ध है। अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक बिल नहीं, बल्कि देश की करोड़ों महिलाओं के सपनों और उनकी भागीदारी का प्रतीक है।

ऐसे में विपक्ष द्वारा इस विषय पर नकारात्मक राजनीति करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने महिलाओं को उनका संवैधानिक हक दिलाने का कार्य किया है, जबकि विपक्ष वर्षों तक केवल राजनीति करता रहा। मेघवाल ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए अनेक ऐतिहासिक निणर्य लिए गए हैं और नारी शक्ति वंदन अधिनियम उसी श्रृंखला का महत्वपूर्ण अध्याय है नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 संसद के दोनों सदनों से पारित होकर कानून बना जिसे देशभर की महिलाओं ने उत्सव के रूप में स्वीकार किया उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अधिनियम को 2029 से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में लागू करने का प्रावधान किया गया है।

मेघवाल ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस सहित अन्य दलों ने गैर-जिम्मेदाराना रवैया अपनाते हुए इसका विरोध किया जो महिलाओं के अधिकारों के प्रति अन्याय है यह अधिनियम महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से लाया गया था लेकिन विपक्ष ने इसे समर्थन नहीं देकर अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल महिलाओं के अधिकारों पर केवल राजनीति करते हैं, जबकि वास्तविक सशक्तिकरण के प्रयासों का विरोध करते हैं यह बिल महिलाओं के लिए ऐतिहासिक अवसर था जिसे विपक्ष ने गंवा दिया विपक्ष का विरोध यह दर्शाता है कि वे महिलाओं को बराबरी का अधिकार देने के पक्ष में नहीं हैं जिला मीडिया संयोजक मनीष सोनी ने बताया आज की प्रेस वार्ता में जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया, सुमन छाजेड़, महामंत्री दिलीप सिंह राजपुरोहित, राजेंद्र पंवार, प्रभारी ओम सारस्वत, कमल गहलोत उपस्थित रहे।

गोशाला में बनेगा 11 हजार वर्ग फीट का टीन शेड

देशनोक,(निसं)। यहा पलाना स्थित श्री कृष्ण गौशाला संस्थान में गौ-वंश के लिए 11,000 वर्ग फीट का विशाल टीन शेड बनाने का निर्णय लिया गया है। देशनोक के प्रबुद्ध जनों और भामाशाहों की उपस्थिति में यह फैसला हुआ। इस परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 15 लाख है, जिसे आगामी नवरात्र तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।गौशाला के निरीक्षण के लिए देशनोक से कई लोग उपस्थित रहे।

जिन्होंने गौ-वंश की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान गौ-वंश के बेहतर संरक्षण के लिए एक बड़े छाया स्थल की आवश्यकता महसूस की गई।उपस्थित प्रमुख व्यक्तियों में श्री करणी गौशाला, देशनोक के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भामाशाह मूलचंद राठी, नगर पालिका देशनोक के निवृत्तमान अध्यक्ष ओम प्रकाश मूंधड़ा, विश्व हिंदू परिषद, देशनोक के अध्यक्ष भंवर गिरी, नगर पालिका देशनोक के निवृत्तमान पार्षद लक्ष्मण दान, कृष्ण गौशाला संस्थान के अध्यक्ष पनाराम सियाग और संरक्षक रामलाल सियाग शामिल थे।

गर्मी बढ़ते ही बिजली कंपनी और भाजपा में तनातनी शुरू

■ सुभाषपुरा में पहुंची बीकेईएसएल कंपनी पर नाराज हुए भाजपा नेता हाडला, 8 घंटे नहीं थी बिजली

बीकानेर,(निसं)। शहर के अमरसिंहपुरा और सुभाषपुरा क्षेत्र में बिजली व्यवस्था सुधारने पहुंची बीकेईएसएल की टीम को शनिवार को विरोध का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों की नाराजगी के बीच भाजपा नेता श्याम सिंह हाड़ला ने भी बिजली कंपनी की कार्यप्रणाली पर कड़ा असंतोष जताया। स्थिति ऐसी बनी कि कंपनी की टीम बिना काम किए वापस लौट गई।

भाजपा नेता श्याम सिंह हाड़ला का आरोप है कि पिछले कई दिनों से क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बदहाल है। एक दिन पहले ही सुभाषपुरा इलाके में करीब आठ घंटे तक बिजली कटौती रही, जिससे लोगों को भीषण गर्मी में भारी परेशानी उठानी पड़ी।

उन्होंने कहा कि लगातार शिकायतों के कारण क्षेत्रवासी उन्हें फोन कर अपनी समस्या बता रहे हैं। हाडला स्वयं अभी ऑपरेशन के बाद स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। शनिवार को वो बिजली कंपनी की टीम के पहुंचने पर नाराज हुए तब भी उनके एक हाथ में कैथेटर था। उनका कहना है कि इतना बीमार होने के बाद भी लोग उनके पास समस्या लेकर आते हैं तो फिल्ड में उतरना पड़ता है। बिजली कंपनी की कार्य शेली ठीक नहीं है।

वहीं, बीकेईएसएल का कहना है कि उसकी टीम क्षेत्र में बिजली आपूर्ति को बेहतर बनाने के लिए पहुंची थी। कंपनी के अनुसार, ढीले तार बदलने, कटी हुई सर्विस केबल की जगह नई केबल लगाने और टेम्पर्ड मीटर बदलने जैसे कार्य प्रस्तावित थे, ताकि गमिर्यों में उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली मिल सके।

कंपनी प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि स्थानीय नेता ने लोगों को उकसाने का प्रयास किया, जिसके चलते टीम काम शुरू नहीं कर सकी। अब पुलिस और स्थानीय प्रशासन की मदद से लोगों को समझाने के बाद जनहित में नेटवर्क सुधार का कार्य दोबारा शुरू किया जाएगा।

शहर के कई इलाकों में बढ़ते बिजली लोड और कम क्षमता वाले ट्रांसफार्मरों के कारण बिजली कटौती की समस्या गंभीर होती जा रही है।

कैर सांगरी के उत्पादन में कमी

अरजनसर,(निसं)। यहा का पारंपरिक व्यंजन कैर-सांगरी अब आम लोगों की पहुंच से दूर होता जा रहा है। उत्पादन में भारी कमी के चलते इसकी कीमतों में जबरदस्त उछाल आया है। यह व्यंजन मरुधरा की पहचान और राजस्थानी थाली की शान माना जाता है। बाजार में सूखी सांगरी की कीमत 1800 से 2,500 प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। वहीं, हरी यानी कच्ची सांगरी 300 से 400 प्रति किलोग्राम के भाव पर बिक रही है। कैर की कीमतों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कच्चा कैर 200 से 300 प्रति किलोग्राम मिल रहा है, जबकि सूखने के बाद इसकी कीमतें 3,000 प्रति किलोग्राम तक जा पहुंचती हैं। कैर-सांगरी को 'रेगिस्तान का सुपरफूड' भी कहा जाता है। कम उत्पादन के कारण इसकी उपलब्धता प्रभावित हुई है, जिससे कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। इस मूल्य वृद्धि के कारण, जो व्यंजन कभी आम आदमी की थाली का हिस्सा था, वह अब केवल खास मौकों पर ही उपलब्ध हो पाएगा।

आचार्य महाश्रमण का पट्टोत्सव मनाया

■ मुनि उपशम कुमार ने भी कहा कि इस जीवन मरण के अनन्त काल के भव भ्रमण का चक्र हमें मिटाने के लिए आचार्य महाश्रमण प्रतिदिन हमें प्रेरित करते रहे हैं

बीकानेर (निसं)। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा गंगाशहर के तत्वावधान में आचार्य महाश्रमण का 17वां पट्टोत्सव दिवस मुनि अमृत कुमार व साध्वी त्रिशला कुमारी के सान्निध्य में शान्ति निकेतन सेवा केन्द्र में मनाया गया। इस अवसर पर बोलते हुए मुनि अमृत कुमार ने कहा कि आचार्य महाश्रमण बड़ों के प्रति विनम्रता का भाव ओर छोटों के प्रति वात्सल्य भाव रखते हैं। मुनि ने कहा कि श्रामण्य का सार है उपशम। आचार्य महाश्रमण उपशम के उच्चतम शिखर पर आरूढ़ है। विशाल धर्मसंघ का एक छत्र नेतृत्व करते हुए भी आवेश और आवेग से कोसों दूर है। मुनि उपशम कुमार ने भी कहा कि इस जीवन मरण के अनन्त काल के भव भ्रमण का चक्र हमें मिटाने के लिए आचार्य महाश्रमण प्रतिदिन हमें प्रेरित करते रहे हैं। भगवान महावीर ने आज के दिन ही कैवल्य ज्ञान प्राप्त किया था। ओर आज के दिन ही आचार्य महाश्रमण जी ने तेरापंथ धर्मसंघ के आचार्य का दायित्व ग्रहण किया था। आचार्य भिक्षु ने भगवान महावीर की वाणी को सरल भाषा में जनता के सामने रखा। आचार्य महाश्रमण जी उस परम्परा को ओर अधिक गति प्रदान कर रहे हैं।

ट्रॉमा सेंटर का एसी खराब, पंखे मरम्मत के लिए उतारे मगर लगाए नहीं

■ ट्रॉमा के इमरजेंसी, ग्रीन और येलो एरिया से पंखे तक गायब हैं, छत पर सिर्फ खाली पाइप लटक रहे है

बीकानेर(निसं)। मरुधरा में पारा 45 डिग्री के पास पहुंच गया है, लेकिन संभाग के सबसे बड़े पीबीएम अस्पताल का प्रबंधन गहरी नींद में है। अस्पताल का ट्रॉमा सेंटर इन दिनों किसी भट्ठी से कम नहीं है। हालात यह हैं कि जिस मरीज को मरहम की जरूरत है, उसे भीषण गर्मी का टॉर्चर झेलना पड़ रहा है। ट्रॉमा के इमरजेंसी, ग्रीन और येलो एरिया से पंखे तक गायब हैं, छत पर सिर्फ खाली पाइप लटक रहे हैं।

अस्पताल की सुरक्षा और प्रबंधन पर बड़ा सवाल यह है कि पिछले दो महीनों में ए-ब्लॉक ओटी, नर्सरी और ट्रॉमा सहित विभिन्न विभागों से करीब 50 एसी के कॉपर वायर चोरी हो गए। ईएमडी शाखा ने अधीक्षक को रिपोर्ट सौंप दी, लेकिन अब तक पुलिस में एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई। हैरानी की बात यह है कि कैंपस में करीब 1500 एसी होने के बावजूद मेंटेनेंस के नाम पर ठेकेदार और श्रमिक नदारद हैं। पीबीएम में संवेदनहीनता का आलम यह है कि मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल, अधीक्षक और सभी एचओडी के कमरों में एसी फुल स्पीड पर चल रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर ऑपरेशन थिएटर में डॉक्टरों के पसीने छूट रहे हैं। पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड में एसी बंद हैं। ट्रॉमा का कूलिंग प्लांट 10 साल पुराना है। 2 साल से इसका एनुअल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट (एएमसी) ही नहीं हुआ। पहले भामाशाह इसका खर्च उठा रहे थे, लेकिन पिछले साल जब से पीबीएम ने इसे संभाला, मेंटेनेंस अटक गई।

कैजुअल्टी ब्लॉक के प्लांट को ठीक करने के लिए महज 2 लाख रुपए की जरूरत है, लेकिन प्रशासन इसके लिए भी किसी भामाशाह की राह देख रहा है। हल्दीराम मूलचंद हार्ट हॉस्पिटल की इमरजेंसी के भी एसी खराब पड़े हैं। फॉल्स सीलिंग तक उखड़ी हुई है। हृदय रोगियों को इस भीषण गर्मी में भारी परेशानी होती है। दरअसल हार्ट हॉस्पिटल में चीलिंग प्लांट लगा हुआ है, लेकिन उसकी सप्लाई इमरजेंसी में नहीं है। वहां लगे ज्यादातर एसी खराब हैं। हादसे में घायल रोहित के भाई हिमांशु टाक ने बताया कि सेंटर में इतनी गर्मी थी कि घाव पर पसीने की बूंद गिरते ही भाई तड़प उठता था।

श्री लालेश्वर महादेव मंदिर शिवबाड़ी में पुस्तकालय विस्तार भवन का लोकार्पण

■ श्री लालेश्वर महादेव मंदिर के 147 वें प्रतिष्ठा महोत्सव पर विभिन्न खेल प्रतिभाओं का भी किया सम्मान

श्री लालेश्वर महादेव मंदिर के 147 वें प्रतिष्ठा महोत्सव पर प्रतिभाओं को सम्मानित करते केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल

बीकानेर, (निसं)। केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने रविवार को शिवबाड़ी स्थित लालेश्वर महादेव मंदिर परिसर में पुस्तकालय विस्तार भवन का लोकार्पण किया। एमपी लैड से 20 लाख की लागत से इस पुस्तकालय विस्तार भवन का निर्माण करवाया गया।

साथ ही केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास ने श्री लालेश्वर महादेव मंदिर स्थापना के 147 वें वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित प्रतिष्ठा महोत्सव कार्यक्रम और संवित सोमगिरि जी महाराज के पंचम निर्वाण दिवस को लेकर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करते हुए निशानेबाजी और तीरंदाजी की प्रतिभाओं व मंदिर से जुड़े कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय कानून मंत्री मेघवाल ने कहा कि पुस्तकालय में 27 हजार पुस्तकें हैं जो बीकानेर के इतिहास, संस्कृति के लिए मील का पत्थर है। साथ ही कहा कि संवित सोमगिर्रि महाराज ने देश भर में उजियारा फैलाया। गुरु वही है जो अंधेरे में उजियारा फैलाए।

कार्यक्रम के दौरान उठी चार मांगों पर बोलते हुए मेघवाल ने घाट का विस्तार करवाने, संवित सोमगिरि संस्थान में शोधाथिर्यों के लिए चार कमरों में से दो कमरे खुद व दो कमरे राज्य सभा सदस्य के सहयोग से उपलब्ध करवाने, संवित सोमगिरि महाराज की पुस्तक ''कालजयी सनातन धर्म'' का अंग्रेजी अनुवाद करवाने व तीरंदाज खिलाडियों के लिए 4 नए धनुष की व्यवस्था एसआरएम यूनिवर्सिटी के सहयोग से करवाने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास ने कहा कि छोटी काशी के रूप में प्रसिद्ध जिले में हन सामाजिक जन जागृति से ही जुआ, सट्टा, नशा और भूमाफियाओं पर लगाम लगा सकेंगे।

यह कार्य केवल सरकार नहीं कर सकती। इसके लिए सामाजिक जन जागृतिभी बहुत जरूरी है। साथ ही कहा कि अधर्म को नाश करने में समाज सहयोग करे तभी धर्म की जय होगी, भारत माता की जय होगी। कार्यक्रम में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास ने संवित शूटिंग संस्थान के निशानेबाज खिलाड़ी तरुण मेघवाल,विनीत धवल, महक चौधरी, कनिका राठौड़, प्रमिला बिश्नोई, प्रहिल स्वामी, हर्षवर्धन विशु और कोच शैलेश तिवारी को विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में मेडल हासिल करने पर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मेघवाल व व्यास ने संवित धनुर्वेद संस्थान के तीरंदाजी खिलाडियों मनीष खटोड़, लोकेश, धर्मचंद, पलक चौधरी, मेघा चौधरी व कोच आशीष आचार्य को विभिन्न तीरंदाजी प्रतियोगिता में मेडल हासिल करने वाले खिलाडि़यों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में श्री लालेश्वर महादेव मंदिर से जुड़े लोगों 35 वर्ष से मंदिर पुजारी श्याम सुंदर पारीक, पृथ्वी सिंह राठौड़, मंदिर के सभी कार्यक्रमों को लाइव करने वाली सुश्री शालिनी जैन, पर्वत सिंह शेखावत, खेमचंद का भी केंद्रीय कानून मंत्री मेघवाल व बीकानेर पश्चिम विधायक व्यास ने सम्मानित किया।

'उष्ट्र संरक्षण हेतु एनआरसीसी व बीआरसी ने लगाई मिलकर दौड़'

■ वैश्विक स्तर पर ऊँटों की संख्या में वृद्धि दर्ज की जा रही है, किन्तु देश में इनकी निरंतर गिरती संख्या गंभीर चिंता का विषय है

उष्ट्र संरक्षण हेतु दौड़ को झण्डी दिखाकर रवाना करते डा.अनिल कुमार पुनिया।

बीकानेर, (निसं) । उष्ट्र संरक्षण के उद्देश्य से आज अलसुबह -राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र (एनआरसीसी) एवं बीकानेर रन क्लब (बीआरसी) के संयुक्त तत्वावधान में एनआरसीसी प्रवेश द्वार से कृषि वानिकी परिक्षेत्र तक 'रन फॉर कैमल (उष्ट्र सरंक्षण के लिए दौड़)' विषयक एक प्रतीकात्मक दौड़ आयोजित की गई। इसमें केन्द्र स्टाफ सहित बीआरसी के लगभग 400 युवाओं एवं गणमान्य जनों ने 'हर कदम की एक ही पुकार, ऊँट बचाओ, यही है सार' के गुंजायमान स्लोगन के साथ उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर केन्द्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार पूनिया ने कहा कि मरुस्थलीय क्षेत्रों में मानव सभ्यता के विकास में ऊँट प्रजाति का योगदान सदैव अद्वितीय रहा है। यद्यपि वैश्विक स्तर पर ऊँटों की संख्या में वृद्धि दर्ज की जा रही है, किन्तु देश में इनकी निरंतर गिरती संख्या गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि बदलते परिवेश में ऊँट की बहुआयामी उपयोगिताएँ जैसे कि ऊँटनी का औषधीय गुणों से युक्त दूध, उष्ट्र-आधारित पर्यावरणीय पर्यटन तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण से एक प्रकार की 'चलती-फिरती फार्मेसी' के रूप में इसकी विशिष्टता, इसे आज भी अत्यंत प्रासंगिक बनाती हैं। अतः आवश्यक है कि ऊँट को केवल पारंपरिक उपयोगिता की सीमित सोच से बाहर निकालकर नवाचारपूर्ण दृष्टिकोण के साथ संरक्षण एवं संवर्धन प्रदान किया जाए तथा विविध माध्यमों से समाज के प्रत्येक वर्ग को ऊँट संरक्षण अभियान से जोड़ने की सार्थक मुहिम चलाई जा रही है।

इस अवसर पर बीआरसी के संस्थापक ईशान शर्मा एवं गुरप्रीत सिंह ने कहा कि नगर के 5000 से अधिक विभिन्न आयुवर्ग के सदस्यों से युक्त बीआरसी केवल बीकानेर को फिटनेस की विशेष पहचान दिलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं एवं समाज को नशामुक्ति के प्रति जागरूक करने का अभियान चलाया जा रहा है जिसमें बीआरसी के सदस्य मृदुल कच्छावा (आईपीएस), पुलिस अधीक्षक, बीकानेर का भी महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि ऊँट बीकानेर की विशिष्ट सांस्कृतिक एवं भौगोलिक पहचान का अभिन्न प्रतीक है। साथ ही वैश्विक स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाला एनआरसीसी, इस नगर की अमूल्य धरोहर है। ऐसे में उष्ट्र संरक्षण के लिए समर्पित इस प्रतिष्ठित संस्थान के इस अभियान से जुड़ना एक सामाजिक दायित्व भी है।

इस अवसर पर केन्द्र द्वारा दौड़ में शामिल सभी धावकों के लिए ऊँटनी के दूध से बने उत्पादों- सुगन्धित दूध, लस्सी एवं छाछ का आस्वादन कराया गया। वहीं इस अवसर पर 'कैमल बटर मिल्क' को भी प्रमोट किया गया। साथ ही इस दौरान केन्द्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. राकेश रंजन, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रतन कुमार चौधरी, अन्य वैज्ञानिकगण, तकनीकी तथा प्रशासनिक अधिकारियों आदि द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की मुहिम 'मृदा स्वास्थ्य एवं संतुलित उर्वरक उपयोग' जागरूकता अभियान का संदेश भी प्रचारित-प्रसारित किया गया।

माहवारी स्वच्छता पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बीकानेर,(निसं)। महावीर इंटरनेशनल गंगाशहर केंद्र द्वारा 'झिझक छोड़ो, चुप्पी तोड़ो, खुलकर बोलो' अभियान के अंतर्गत हीरालाल सौभागमल रामपुरिया विद्यानिकेतन स्कूल मे बालिकाओं के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे शाला प्रिंसिपल श्रीमती अनुराधा जैन ने माहवारी और स्वास्थ्य के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।इस दौरान सेनेटरी पैड के सही उपयोग, उनके सुरक्षित निस्तारण (डिस्पोजल) के तरीके तथा व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने के महत्वपूर्ण पहलुओं को सरल भाषा में समझाया गया। कार्यक्रम में लगभग 100 बालिकाओ की उपस्थिति रही। शाला अध्यापिका प्रीति जैन ने केंद्र द्वारा उपलब्ध करवाये गये सेनेटरी पेड बालिकाओं को दिये ईस अवसर शाला प्रिंसिपल ने केन्द्र अध्यक्ष वीर त्रिलोक चंद बाफ़ना का विशेष आभार व्यक्त किया कार्यक्रम मे केन्द्र सचिव वीर चन्द्र कुमार राखेचा, मेडिकल हेल्थ प्रभारी वीर बच्छराज रांका, वीर कल्याण चंद चोपड़ा व शाला स्टाफ उपस्थित रहा ।

शहर से गांव-कस्बे तक सुरक्षा के लिए तैनात होंगी महिला कांस्टेबल

बीकानेर,(निसं)। महिलाओं और बालिकाओं पर बढ़ते अपराधों को रोकने और उन्हें तत्काल सहायता के लिए अब शहर से लेकर हर गांव-कस्बे तक महिला बीट कांस्टेबल तैनात की जाएंगी जो खास तौर पर 'हॉट स्पॉट' पर नजर रखेंगी। इसके लिए प्रदेश में महिला बीट अधिकारी योजना शुरू की गई है।

राजस्थान में महिलाओं और बालिकाओं के विरुद्ध बढ़ते अपराधों पर लगाम लगाने के लिए पुलिस मुख्यालय ने एक बड़ा प्रशासनिक निणर्य लिया है। प्रदेश के सभी जिलों में महिला बीट अधिकारी (एमबीओ) योजना शुरू की है। शहर से लेकर गांव-कस्बों तक क्षेत्र का निर्धारण कर महिला कांस्टेबल की तैनात की जाएंगी।

ये एमबीओ अपने-अपने क्षेत्र में महिलाओं, बालिकाओं सहित आमजन के संपर्क में रहकर अपने सोर्स बनाएंगी और किसी भी तरह की आपराधिक वारदात होने पर थाना पुलिस की मदद करेंगी। खास तौर पर 'हॉट स्पॉट' जैसे गर्ल्स कॉलेज-स्कूल, गर्ल्स हॉस्टल, राजीविका, आंगनबाड़ी केन्द्र, महिला प्रशिक्षण संस्थान, आशा सहयोगिनी, रेलवे स्टेशन ऐसे सरकारी व निजी कार्यालय जहां महिलाओं की संख्या ज्यादा हों, महिलाओं की खरीदारी वाले बाजार व प्रमुख चौराहों पर निगरानी रखेंगी।

इन स्थानों पर अपने संपर्क सूत्र के जरिये किसी भी तरह का अपराध या घटना होने पर बदमाशों को पकड़ने और पीड़ित को सहायता दिलाने में मदद करेगी। एमबीओ का चयन कालिका पेट्रोलिंग या पुलिस थानों में तैनात महिला स्टॉफ से नहीं किया जाएगा। एसपी, एएसपी, सीओ ऑफिस, पुलिस लाइन में तैनात महिला कांस्टेबल को एमबीओ बनाया जाएगा। प्रत्येक एमबीओ के साथ ही एक लिंक एमबीओ की भी नियुक्ति होगी जो अवकाश, अनुपस्थिति और ट्रांसफर की स्थिति में एमबीओ का काम करेगी। डीजीपी राजीव शर्मा ने कहा है कि सभी जिलों में इस योजना को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाएगा और इसकी गंभीरता से मॉनिटरिंग की जाए। पुलिस थानों में अलग-अलग क्षेत्रों के बीट कांस्टेबल हैं। महिला बीट अधिकारी भी इसी तर्ज पर काम करेंगी।

छात्रा से गैंगरेप का एक और आरोपी गिरफ्तार

अलवर । 11वीं क्लास की छात्रा को किडनैप कर सुनसान जगह ले जाकर उससे गैंगरेप करने के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। दोनों आरोपी चचेरे भाई हैं। मामले को लेकर रविवार को एएसपी अलवर शहर के अरावली विहार थाने में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। एएसपी प्रियंका रघुवंशी ने पीसी में बताया कि अब तक की जांच में सामने आया है कि पीड़ित छात्रा और मुख्य आरोपी पहले से एक-दूसरे को जानते थे। मामले में दो ही आरोपी पाए गए हैं, जो पुलिस गिरफ्त में हैं। प्रियंका रघुवंशी ने कहा कि मुख्य आरोपी टैक्सी ड्राइवर है, जबकि दूसरे आरोपी की मामले में संलिप्तता अभी सामने नहीं आई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पीड़ित छात्रा का मेडिकल कराया जा रहा है। वहीं अलवर एसपी ने मामले की जांच के लिए शनिवार को एसआईटी का गठन किया था, जो पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार गुरुवार सुबह करीब 8-00 बजे स्कूल जाते समय 11वीं क्लास की छात्रा का दो आरोपियों ने बोलेरो कार में किडनैप कर लिया था और उसे सुनसान जगह ले जाकर उसके साथ गैंगरेप किया। इसके बाद दोपहर करीब 1-00 बजे आरोपी जब छात्रा को वापस छोड़ने आए तो आसपास के गांव के लोग और परिजनों ने आरोपियों को घेर लिया था। भीड़ ने मुख्य आरोपी को पडक़र पुलिस के हवाले कर दिया था। जबकि एक आरोपी मौके से फरार हो गया था। घटना के तीन दिन बाद पुलिस ने दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। हालांकि पीड़िता ने रिपोर्ट में तीन आरोपियों का जिक्र किया था। पुलिस को आरोपी के मोबाइल में नाबालिग का न्यूड फोटो भी मिला है। घटना वाले दिन भीड़ ने आरोपियों की बोलेरो कार में मौके पर ही आग लगा दी थी। अब एसआईटी टीम पूरे मामले की गहन जांच में लगी है।

अवैध खनन पर कार्रवाई, 11 ट्रक पकड़े

बीकानेर । यहां अवैध खनन और खनिज परिवहन के खिलाफ खनन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 11 वाहनों को पकड़ा है। इन वाहनों से कुल 13.26 लाख रुपए से अधिक की पेनल्टी वसूली गई है। कार्रवाई के बाद अवैध खनन कारोबारियों में हड़कंप मच गया। खनिज अभियंता एम.पी. पुरोहित ने बताया कि जिला कलेक्टर निशांत जैन के निर्देश पर खनिज अभियंता कार्यालय की तकनीकी टीम ने लूणकरणसर क्षेत्र में रात्रि गश्त के दौरान सात वाहनों को पकड़ा। इनमें छह वाहन मुरम, कंकर और मेसनरी स्टोन का अवैध परिवहन कर रहे थे, जबकि एक वाहन बिना रवन्ना के सिलिका सैंड ले जा रहा था। जांच के दौरान इनमें से तीन वाहन ओवरलोड भी पाए गए।

भीलवाड़ा की सड़कों पर उतरा महिलाओं का सैलाब

महिलाओं ने विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं राहुल गांधी, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव के पुतलों की शवयात्रा निकाली। पुतलों को जूतों की माला पहनाकर कड़ा विरोध किया

सर्व महिला समाज ने महिला आरक्षण अटकाने वाले विपक्षी नेताओं के खिलाफ प्रदर्शन किया।

भीलवाड़ा । नारी शक्ति वन्दन अधिनियम को पारित न होने देने की राजनैतिक साजिश और विपक्षी दलों के महिला विरोधी चेहरे के खिलाफ भीलवाड़ा की सड़कों पर महिलाओं का सैलाब उमड़ पड़ा। सर्व महिला समाज के आव्हान पर आयोजित जन आक्रोश पदयात्रा के माध्यम से महिलाओं ने अपने सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए हुंकार भरी। आरक्षण बिल को अटकाने के विरोध में आयोजित इस ऐतिहासिक प्रदर्शन में विभिन्न महिला संगठनों, क्लबों और समाजों की सैकड़ों महिलाओं ने हिस्सा लेकर यह स्पष्ट कर दिया कि मातृशक्ति के भविष्य से खिलवाड़ अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विपक्षी नेताओं की के पुतले की शवयात्रा और जूतों की माला से जताया विरोध : आक्रोश का स्वरूप इतना तीव्र था कि महिलाओं ने विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं राहुल गांधी, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव के पुतलों की शवयात्रा निकाली। भोपाल क्लब चौराहे से प्रारंभ हुई इस पदयात्रा में महिलाओं ने पुतलों को जूतों की माला पहनाकर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। शहर के मुख्य मार्गों से गुजरी इस शवयात्रा के दौरान महिलाएं हाथों में विपक्ष विरोधी स्लोगन लिखी तख्तियां थामे हुए थीं। वातावरण नारी शक्ति के सम्मान में, शहर की महिलाएं मैदान में और ''नारी शक्ति जिंदाबाद'' जैसे गगनभेदी नारों से गूंज उठा। महिलाओं की आंखों में अपने अधिकारों के हनन को लेकर गहरा रोष व्याप्त था। मां दुर्गा के स्वरूप में किया पुतलों का संहार, कूड़ेदान में फेंके गए पुतले : पदयात्रा जब सूचना केंद्र स्थित बजरंगी चौराहे पहुंची, तो वहां प्रदर्शन के दौरान मां दुर्गा का रूप धारण किए महिला ने इन पुतलों का त्रिशूल से संहार किया, जो नारी शक्ति के क्रोध का प्रतीक बना। आक्रोश की पराकाष्ठा तब देखने को मिली जब महिलाओं ने उन पुतलों को चौराहे पर रखे कूड़ेदान में डाल दिया। महिलाओं ने दो टूक शब्दों में कहा कि महिला सम्मान और अधिकारों के प्रति सड़ी-गली मानसिकता रखने वाले नेताओं की सही जगह कूड़ेदान ही है। इस अवसर पर महिलाओं को संबोधित करते हुए भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती मधु शर्मा ने कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि परिवारवाद में डूबी कांग्रेस ने 16 अप्रैल को लोकसभा में विधेयक गिराकर अपनी नारी विरोधी सोच को प्रमाणित कर दिया है। यदि यह बिल पास होता, तो 2029 में महिलाएं 33 प्रतिशत आरक्षण की हकदार होतीं, लेकिन विपक्ष ने करोड़ों महिलाओं का भविष्य छीन लिया।

डॉ.मोहन यादव का अभिनन्दन

सीएम डॉ.मोहन यादव को कोटा की विशिष्ट पहचान व विरासर के प्रतीक स्वरूप कलात्मक पत्थर सौंपा ।

■ ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, जनप्रतिनिधियों एवं कलेक्टर पीयूष समारिया ने एयरपोर्ट पर सीएम डॉ. मोहन यादव का स्वागत किया

कोटा, (निसं)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव रविवार दोपहर कोटा एयरपोर्ट पहुंचे, जहां उनका गरिमामय स्वागत किया गया। आगमन पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया तथा साफा एवं माला पहनाकर आत्मीय अभिनंदन किया गया। राजस्थान सरकार के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, जनप्रतिनिधियों एवं जिला कलेक्टर पीयूष समारिया ने एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का स्वागत एवं अभिनंदन किया। जिला कलक्टर पीयूष समारिया द्वारा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव को कोटा की विशिष्ट पहचान एवं औद्योगिक-सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक स्वरूप कोटा स्टोन से निर्मित आकर्षक जड़ित पत्थर फ्रेम भेंट किया गया। इस अवसर पर राजस्थान के लोक कलाकारों द्वारा पारंपरिक लोक नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति भी दी गई।

इसके उपरांत मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं आमजन से आत्मीयता के साथ भेंट की तथा कार्यक्रम को लेकर संवाद किया। इसके पश्चात लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव रामगंजमंडी क्षेत्र के रीछी गांव में आयोजित अहीर समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल होने के लिए कोटा एयरपोर्ट से हेलीकॉप्टर द्वारा रवाना हुए। इस दौरान ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर भी उनके साथ रहे।

दीक्षांत शिक्षा का अंत नहीं, नवजीवन का आरंभ : राज्यपाल

सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा एवं दाण्डिक न्याय विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षांत समारोह आयोजित

जोधपुर, (कासं)। राज्यपाल और कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि दीक्षांत समारोह शिक्षा का अंत नहीं, बल्कि विद्यार्थी जीवन के नव आरंभ का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि अर्जित ज्ञान को समाज और राष्ट्र के हित में समर्पित करना ही दीक्षांत का मूल उद्देश्य है।

राज्यपाल बागडे सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा एवं दाण्डिक न्याय विश्वविद्यालय, जोधपुर के चतुर्थ दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि दीक्षांत विद्यार्थी जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव है, जहाँ प्राप्त शिक्षा को व्यवहार में उतारने का संकल्प लिया जाता है। प्राचीन गुरुकुल परंपरा के 'समावर्तन संस्कार' का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य सत्य, धर्म और विनम्रता के साथ जीवन में आगे बढ़ना है। राज्यपाल ने विद्यार्थियों का आ ान करते हुए कहा कि वे अपने ज्ञान को समाज को समर्पित करें तथा नागरिकों की सुरक्षा, कानून व्यवस्था, अपराधों की रोकथाम एवं न्याय की रक्षा के प्रहरी के रूप में अपनी भूमिका निभाएं।

प्रॉपर्टी डीलर ने खुद को गोली मार आत्महत्या की

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ तहसील के गांव ग्वालिसर निवासी प्रॉपर्टी डीलर सतवीर पूनिया ने हरियाणा के हिसार क्षेत्र आजाद नगर में जमीन विवाद के चलते तनाव में आकर अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मृतक के बेटे ने एक व्यक्ति पर अवैध कब्जा कर आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है। रविवार शाम सात बजे मिली जानकारी में हिरयाणा पुलिस के अनुसार दर्ज मामले में प्रॉपर्टी डीलर सतबीर सिंह पूनिया हाल निवासी आजाद नगर, हिसार मूल गांव ग्वालिसर तहसील राजगढ के पुत्र रवि पूनिया, जो पेशे से वकील हैं, ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि उसके पिता सतवीर पूनिया ने करीब डेढ साल पहले सादुलपुर निवासी अब्दुल गफ्फार से लोको कॉलोनी क्षेत्र में लगभग 3 बीघा 14 बिस्वा जमीन 2 करोड 80 लाख रुपये में खरीदी थी। दर्ज मामले में बताया के जमीन के भुगतान में करीब 75 लाख रुपये पहले नकद और चेक के माध्यम से दिए गए थे।

रामगंजमंडी में नलों से आ रहा मटमैला पानी

रामगंजमंडी, (निसं)। शहर के कई मौहल्लों में आए दिन नलों में गन्दा पानी आने की बराबर शिकायतें मिल रही है, जिस क्रम में शनिवार को भी पंजाबी गली में नलों से मटमैला पानी आने की शिकायत मिली, जिससे लोग परेशान हैं। शहर के अन्य क्षेत्रों में भी पानी की आपूर्ति कम होने और गंदा पानी आने की शिकायतें सामने आ रही हैं, जिससे बीमारियों के फैलने की आशंका जताई जा रही है। शनिवार सुबह वार्ड नंबर 16 पंजाबी गली के निवासियों के घरों में मटमैला पानी आने पर लोगों में रोष फैल गया। यह पानी इतना गंदा था कि इसे किसी भी उपयोग में नहीं लिया जा सकता था। वार्ड के वरिष्ठ नागरिक राधेश्याम आंचौलिया ने बताया कि शहर के वार्ड नंबर 16 में कुछ समय से नलों में मटमैला और बदबूदार पानी आ रहा है। जिसका मुख्य कारण शहीद पन्नालाल यादव चौराहा स्थित जोधपुर मिष्ठान वाले के सामने चल रहा मकान का निर्माण कार्य है। जिसके कारण नाली जाम हो रही है जिसका गंदा पानी नलों में आ रहा है। जिससे नगर पालिका व जलदाय विभाग के अधिकारियों को अवगत करवा दिया गया, परन्तु उनकी उदासीनता व लापरवाही के कारण खामियाजा जनता को ही भुगतना पड़ रहा है तथा अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ। जिसके चलते लोगों को गन्दा पानी पीने पर मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे उन्हें बीमारियों का डर सता रहा है। वहीं ऐसे में मटमैले पानी की आपूर्ति लोगों के लिए बड़ी मुसीबत बन गई है और वे पीने योग्य पानी के लिए भटकने को मजबूर हैं। पंजाबी गली के कुछ मकानों में नलों से गन्दा पानी आने की जानकारी मिली थी,जिस पर तुरंत सप्लाई मैन को भेजकर दिखावाया गया।जहां जांच करने पर सामने आया कि जोधपुर मिष्ठान के सामने चल रहा निर्माण कार्य से अवरुद्ध नाली ही इसका मुख्य कारण है। जिसके लिए सफाई शाखा प्रभारी नगर पालिका को वाट्सअप पर तो अवगत करवा दिया गया है तथा सोमवार को पत्र लिखकर भी अवरुद्ध नाली की निकासी

युवक ने आत्महत्या की

चिड़ावा (निसं)।उपखंड के सुल्ताना क्षेत्र के मेहरमपुर गांव में एक 24 वर्षीय युवक द्वारा फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त करने का दुखद मामला सामने आया है। मृतक की पहचान अरविंद के रूप में हुई है। घटना के बाद से पूरे गांव में शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार, अरविंद का शव घर से करीब 50 मीटर की दूरी पर फंदे से लटका मिला। पास ही स्थित एक घर में शादी समारोह चल रहा था, जहाँ से गुजर रहे ग्रामीणों ने जब अरविंद को फंदे पर लटका देखा तो तुरंत परिजनों और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सुल्ताना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को फंदे से नीचे उतरवाया।परिजनों ने बताया कि अरविंद की शादी करीब एक साल पहले ही हुई थी। सबसे हृदयविदारक बात यह है कि अरविंद की पत्नी गर्भवती है और कुछ ही महीनों बाद घर में बच्चे का जन्म होने वाला था। खुशियों के आने से पहले ही इस आत्मघाती कदम ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।पुलिस ने रविवार सुबह चिड़ावा उपजिला अस्पताल के।

130 किलो डोडा चूरा व 7 किलो अफीम की बरामद

केन्द्रीय नारकोटिक्स टीम ने घर पर छापामार कार्यवाही में अवैध मादक पदार्थ अफीम व अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा जब्त किया ।

कोटा, (निसं)। मादक पदार्थ विरोधी अभियान जारी रखते हुए केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) कोटा और भवानीमंडी सेल के अधिकारियों की संयुक्त टीम ने कार्यवाही करते हुए चितौड़गढ़ के तहसील-बेगूं के गांव-मडावदा में एक घर पर छापा मार कार्यवाही में 7.400 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम और 130.160 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा बरामद किया, साथ ही एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। उक्त कार्यवाही केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के निर्देशन में की गई। उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि जिला चितौड़गढ़ के तहसील बेगू के गांव मडावदा में एक व्यक्ति ने घर में भारी मात्रा में अवैध अफीम और अवैध डोडा चूरा जमा किया हुआ है और वह ड्रग ट्रैफिकिंग में शामिल है। उक्त सूचना पर सीबीएन कोटा और भवानीमंडी सेल की एक संयुक्त टीम गठ्ठित की गई और टीम को मौके के लिये रवाना किया गया। गठ्ठित टीम ने मुखबीर द्वारा बताये गये संदिग्ध घर पर छापामार कार्यवाही की तो घर में रहने वाले ने घर की छत पर बने कमरे का गेट नहीं खोला, इसलिए आयरन गेट कटर मशीन की मदद से गेट काट दिया गया। टीम ने घर की अच्छी तरह तलाशी ली तो घर में छिपाई गई 7.400 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम और 130.160 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा बरामद हुआ। टीम ने मौके पर कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बरामद अवैध मादक पदार्थ अफीम व अवैध डोडा चूरा को जब्त कर लिया और एनडीपीएस एक्ट में कार्यवाही करते हुए मडावदा निवासी मुकेश गुर्जर (33) को गिरफ्तार किया गया, प्रकरण में आगे की जांच प्रक्रिया जारी हैं।

राहुल गांधी का पुतला दहन

करौली । जन आक्रोश पदयात्रा निकालकर महिलाओं ने विरोधी पार्टियों की निंदा करते हुए राहुल गांधी का पुतला जलाया और महिलाओं के इस अपमान को महिला नहीं सहेगी

जिला संयोजक विद्या वैष्णव ने बताया कि महिला अपमान को सहन नहीं करेगी उन्होंने राहुल गांधी ने महिलाओं के खिलाफ कह गए अपमानजनक शब्दों को लेकर राहुल गांधी की घोर निंदा की । इस दौरान लोकसभा प्रत्याशी इंदु देवी,जिला उपाध्यक्ष योगेश शर्मा, ज़िला महामंत्री सुरेश शुक्ला, पूर्व महामंत्री धीरेन्द्र बैंसला, जिला उपाध्यक्ष योगेश शर्मा, ज़िला उपाध्यक्ष अजयपाल सिंह, पुष्पेंद्र बंसल ज़िला प्रवक्ता जितेन्द्र पिचानोत,जिला मंत्री आरती बैंसला जिला मंत्री प्रवेश जाटव,भाजपा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष शोभा तिवाडी, गुल्लो वैष्णव, अनुसुइया शर्मा, सुमन वैष्णव, माया,सीमा नामा, गोलो माली,बुलबुल सेन,ममता सैनी, कश्मीरा बैनीवाल, लक्ष्मी माली, अनीता माली, पूनम वैष्णव,मेघा शर्मा आदि उपस्थित रही।

45 किलो 50 ग्राम अवैध डोडा चूरा बरामद

■ बरामद मादक पदार्थ की बाजार कीमत करीब 6.75 लाख रुपये

भीलवाड़ा। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बिगोद थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने 24 घंटे के भीतर दूसरी बड़ी कार्रवाई करते हुए 45 किलो 50 ग्राम अवैध डोडा चूरा बरामद कर दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद मादक पदार्थ की बाजार कीमत करीब 6.75 लाख रुपये आंकी गई है अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन व सीओ मांडलगढ़ बाबूलाल विश्नोई के सुपरविजन में गठित विशेष टीम शनिवार (25 अप्रैल) को थाने के सामने नाकाबंदी कर रही थी। इसी दौरान मांडलगढ़ की ओर से आ रही एक सफेद मारुति सुजुकी स्विफ्ट कार (06 8431) को रुकने का इशारा किया गया। चालक ने रफ्तार धीमी की, लेकिन अचानक गाड़ी भगाकर रिको एरिया की ओर ले गया। पुलिस टीम ने पीछा किया तो तस्कर गाड़ी को एक फैक्ट्री के पास छोड़कर बनास नदी के पास जंगलों और खेतों की तरफ भागने लगे। जाप्ते ने घेराबंदी कर दोनों को धर दबोचा। पुलिस ने जब संदिग्ध कार की तलाशी ली, तो उसमें 45.050 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा मिला। पुलिस ने मादक पदार्थ सहित तस्करी में प्रयुक्त कार को जब्त कर लिया है। आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत प्रकरण संख्या 75/2026 दर्ज किया गया है। आरोपी दोलाराम (23) पुत्र शिवलाल विश्नोई, निवासी धबा मेलवा, थाना झवर (जिला जोधपुर) और महेन्द्र (29) पुत्र जावताराम विश्नोई, निवासी गोरो की ढाणी डोलीकंला, थाना कल्याणपुरा (जिला बालोतरा) को गिरफ्तार किया है। इस सफल कार्रवाई में बिगोद थाने के कांस्टेबल दिनेश।

हादसे में रिटायर्ड फौजी की मौत

चिड़ावा (निसं)। चिड़ावा-सिंघाना मुख्य मार्ग पर गाड़ाखेड़ा के समीप रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक महिला और ऑटो चालक घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और मौके पर चीख-पुकार मच गई। रविवार सुबह करीब 10 बजे एक ऑटो और कार के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हुई। इस दुर्घटना में रिटायर्ड फौजी जयसिंहसर निवासी श्रीपाल (पुत्र मुंगाराम) की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। श्रीपाल चिड़ावा दवा लेने आ रहे थे।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और पुलिस को सूचना दी। दुर्घटना में मनी देवी गंभीर रूप से घायल हुई हैं, जिन्हें उपचार के लिए चिड़ावा के उपजिला अस्पताल में भर्ती करवाया जहां से उन्हें झुंझुनूं रैफर किया गया। गनीमत यह रही कि मनी देवी के साथ मौजूद एक छोटी बच्ची इस हादसे में पूरी तरह सुरक्षित है। वहीं, ऑटो चालक को भी मामूली चोटें आई हैं।

झुंझुनूं में तेज रफ्तार कार पलटने से तीन दोस्तों की मौत

मृतक तीनों भजन संध्या से अपने घर लौट रहे थे

झुंझुनूं (निसं)। तेज रफ्तार कार पलटने से तीन दोस्तों की मौत हो गई। वहीं कार चला रहा युवक गंभीर घायल हो गया। हादसा धनूरी थाना में झुंझुनूं-मंड्रेला रोड पर शनिवार देर रात लगभग 1 बजे हुआ। चारों दोस्त भजन संध्या में शामिल होकर झुंझुनूं शहर लौट रहे थे। जहां हादसा हुआ। वह जगह झुंझुनूं शहर से 5 किलोमीटर दूर है। धनूरी थाने के एसएचओ संजय गौतम ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि सड़क पर अचानक जानवर आने के कारण ड्राइवर कार पर नियंत्रण खो बैठा। कार की स्पीड ज्यादा होने के कारण वह कई बार पलटी। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार एक्सीडेंट इतना भयावह था कि कार तीन से चार बार पलटी खाते हुए 15 फीट दूर खेत में आ गई। एक युवक का शव हादसे के करीब एक घंटे बाद खेत के दूसरे छोर पर मिला। एसएचओ संजय गौतम ने बताया कि झुंझुनूं के रानी सती मंदिर के पास रहने वाला 21 वर्षीय गौरव सैनी तथा जितेंद्र वालिया सोनासर स्थित हीरा की ढाणी के एक आश्रम में गए थे। जहां पर भजन संध्या थी। वहां पर गौरव व जितेंद्र को उनके दोस्त चौमालों का मोहल्ला निवासी 33 वर्षीय सुनिल शुक्ला तथा विजय ढ ंढ मिले। देर रात करीब साढ़े बारह बजे चारों एक साथ झुंझुनूं शहर लौट रहे थे। सड़क पर अचानक आए जानवर को बचाने के चक्कर में उनकी वरना कार अनियंत्रित हो गई। आसपास के लोगों ने जानकारी दी कि कार ने तीन से चार बार पलटी खाई और खेत में आ गई। हादसे में सुनील, गौरव और विजय की मौके पर ही मौत हो गई। इनके पीछे दो से तीन कारें और थीं। उनमें सवार लोग मौके पर रुके। शवों को अपनी गाड़ियों में डालकर झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल पहुंचे। वहीं कार चला रहा युवक जितेंद्र वालिया गंभीर घायल हो गया। उसे भी इलाज के लिए बीडीके हॉस्पिटल लेकर आए। हालत गंभीर होने पर उसे जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल रेफर किया गया। मौके पर मौजूद एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि देर रात धमाके जैसी आवाज आई तो हम दौड़कर सड़क पर आए। यहां धूल का गुबार उठा हुआ था। खेत में पड़ी एक कार के पूरी तरह परखच्चे उड़ गए थे। ऐसा लग रहा था कि कार अनियंत्रित होकर हवा में उछलकर खेत में गिरी है। क्योंकि तीन लोग दो मृतक और एक घायल कार के पास ही थे। वहीं एक युवक का शव खेत के दूसरे छोर पर एक घंटे बाद मिला। क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त गाड़ी को खेत से हटवाया। बाइक छोड कार में बैठे, दोस्त ने कहा था- रात में मोटरसाइकिल से जाना ठ्ठीक नहीं - झुंझुनूं में सड़क हादसे में 3 दोस्तों की मौत हो गई। एक दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है। परिजनों ने बताया कि चारों दोस्त घर से 13 किलोमीटर दूर भजन संध्या में गए थे। रात एक बजे कार्यक्रम समाप्त हुआ। रात अधिक होने के कारण दो दोस्तों ने बाइक वहीं खड़ी कर दी। एक दोस्त की कार से लौट रहे थे ।

दिनभर लगता है जाम

करौली । कहने को तो करौली जिला मुख्यालय है और यहां बाज़ार की यातायात व्यवस्था के लिए पर्याप्त मात्रा में यातायात पुलिस बल तैनात है। उसके उपरांत भी यातायात पुलिस प्रशासन की लचर व्यवस्था शहर की यातायात व्यवस्था बनाने में नाकाम ही साबित हो रही है। दिनभर बाज़ार में जाम की स्थिति बनी रहने से आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गौरतलब यह है कि शहर की यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन में हिंडौन दरवाजा वजीरपुर गेट गणेश गेट से दिन में बड़े वाहनों के प्रवेश पर पाबंदी लगा रखी है इसके अलावा हिंडौन दरवाजा से फूटा कोट की ओर सीधे जाने वाले ऑटो टेंपो और चौपाइयां वाहनों के लिए प्रात: 9:00 बजे से शाम 8:00 बजे तक नो एंट्री कर रखी है । इसके अलावा ट्रांसपोर्ट के चौपाइयां वाहनों के प्रवेश पर भी पाबंदी लगा रखी है जिन नियमों की पालना और शहर की यातायात व्यवस्था बनाए रखने की यातायात पुलिस के ड्यूटी पॉइंट भी निर्धारित कर रखे हैं । उसके उपरांत भी करौली के बाज़ार में कोट के भीतर सकरी गलियों में होने के कारण जाम लगता है।

अलवर में हो सकती है जहरीली शराब कांड की पुर्नावर्ती

टिटपुरी, बडोदा कान, और बिजला खखावली में चल रही है अवैध शराब की ब्रांच, ग्रामीण परेशान

■ गांव की महिलाओं को रोजाना शराबियों से दो चार होना पड़ता है।

अलवर जिले के कटूबर तहसील अंतर्गत अवैध रुप से चल रही शराब की दुकान।

अलवर । अलवर जिले के कटूबर तहसील अंतर्गत पडने वाले टिटपुरी, बडोदा कान और बिजला खखावली गांवों में शराब की अवैध ब्रांच ने ग्रामीणों के शांत जीवन में अशांति ला दी है। वही गांव की महिलाओं को रोजाना शराबियों से दो चार होना पड़ता है।

यहां पर गौरतलब है गत वर्ष इसी प्रकार की अवैधब्रांच पर मिलने वाली शराब से सिलीसेढ के निकट पेतपुर, किसनपुर और बखतपुरा गांव में भी जहरीली शराब पीने से कई लोग अपनी जान से हाथ धो बैठे लेकिन आबकारी विभाग और पुलिस ने अपनी जांच में उस घटना को जहरीली शराब से हुई मौत नही माना लेकिन उसके बाद छापेमारी में फर्जी शराब को पुलिस ने कई बार पकडा जो देसी दारू को अंग्रेजी बना रहे थे। जिला प्रशासन ने इतनी बडी दुखिन्ता बाद भी आबकारी विभाग और प्रशासनिक अधिकारी हरकत में नही आए आज भी अवैध ब्रांच चल रही है । लोग इन ब्रांच से शराब पीकर गांवों में हुड़दंग मचा रहे है जिला प्रशासन और आबकारी विभाग फिर से कोई बडी घटना का इंतजार कर रहा है अगर कोई घटना फिर घटित भी हो जाती है तो पूर्व की भांति जांच में उसे भी गलत साबित कर दिया जाएगा ताकि ठेकेदारों से मिलने वाली मंथली मे कमी नही आए उनके लिए जनता के जीवन की कोई कीमत नही है। टिटपुरी, बडोदा कान, और बिजला खखावली के ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए बताया कि इन ब्रांचों का संचालन अवैध रूप से हो रहा है और इन ठेकेदारों को संबंधित कठूमर थाना पुलिस और आबकारी अधिकारियों का आशीर्वाद प्राप्त है ये ब्राचे चौबीसो घंटे खुली रहती है । ठेकेदार इन अवैध ब्रांचों को सड़क किनारे कंटेनर में चला रहे है।

गांव के विकास का आधार है ग्राम विकास अधिकारी : मुख्यमंत्री

अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचाएं योजनाओं का लाभ : भजनलाल शर्मा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ग्राम विकास अधिकारी गांव के विकास का आधार है। वे जरूरतमंदों तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाते हैं तथा ग्रामीणों के सपनों को पूरा करने में योगदान भी देते हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं को धरातल पर उतारने में ग्राम विकास अधिकारी अहम भूमिका निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ के अभिनन्दन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के किसानों की आय बढ़ाने और खेती को आधुनिक बनाने के लिए आगामी 23 से 25 मई तक ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट का आयोजन करने जा रही है।

ग्राम विकास अधिकारी इस आयोजन से जुड़ी महत्वपूर्ण गतिविधियों में भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान प्रारंभ किया है, जिसमें विस्तृत रिपोर्ट बनाकर हर गांव और वार्ड के सर्वांगीण विकास का खाका तैयार किया जाएगा। उन्होंने

राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ के पदाधिकारियों ने रविवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का गर्मजोशी से स्वागत किया।

आव्हान किया कि राजस्थान को नम्बर वन स्टेट बनाने के लिए सभी मिलकर कार्य करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने ग्राम विकास अधिकारी कैडर के हित में पदोन्नितयों में व्यवधान को दूर करने के साथ ही कैडर के सुदृढ़ीकरण की दिशा में वरिष्ठ ग्राम विकास अधिकारी पद का सृजन भी किया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को समयबद्ध रूप से नियमित पदोन्नति देने एवं इसके पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाने के लिए अनुभव में 2 वर्ष की छूट प्रदान की गई है। राज्य सरकार ने ग्रेच्यूटी की सीमा भी 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दी है। उन्होंने कहा कि बजट 2026-27 में पदोन्नित और वेतनमान से जुड़े विषयों के अध्ययन के लिए उच्च स्तरीय समिति के गठन का निर्णय लिया है, जो भविष्य में आठवें वेतन

■ विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने का आव्हान

आयोग की सिफारिशों पर भी विचार करेगी।

राज्य सेवा के अधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे अधिकारी कर्मयोगी की भावना से रूल बेस्ड से रोल बेस्ड कार्यशैली की ओर अग्रसर होंगे।मुख्यमंत्री ने संवाद के दौरान कहा कि सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) एक-दूसरे से जुड़ी महत्वपूण कड़ी है। मैं भी सरपंच रहा हूं, इसलिए जानता हूं कि वीडीओ गांव के विकास की रीढ़ हैं। मैं आज भी जब गांव जाता हूं, तो बुजुर्ग, माताएं और किसान अपने कार्यों के लिए मुझसे संपर्क करते हैं तथा मेरे सरपंच कार्यकाल के कार्यों को याद करते हैं। इस अवसर पर राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ के महावीर शर्मा, प्रहलाद जाट सहित विभिन्न पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में वीडीओ उपस्थित रहे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन आज राजस्थान दौरे पर

राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद यह उनका पहला प्रदेश प्रवास होगा, जिसे लेकर कार्यकर्ताओं और आमजन में खासा उत्साह है।

जयपुर (कासं)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 27 अप्रैल को राजस्थान दौरे पर रहेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद यह उनका पहला प्रदेश प्रवास होगा, जिसे लेकर कार्यकर्ताओं और आमजन में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी ने रविवार को बताया कि जयपुर में उनके स्वागत के लिए पारंपरिक राजस्थानी रीति-रिवाजों के साथ भव्य आयोजन किए जाएंगे। पुष्कर और गंगानगर के लोक कलाकार ढोल-नगाड़ों एवं बैगपाइपर के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नितिन नवीन सुबह 10:30 बजे जयपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे और वहां से प्रस्थान कर 11:15 बजे टोंक पहुंचेंगे। यहां 11:30 बजे वे भाजपा जिला कार्यालय का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही बूंदी, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, चूरू, पाली एवं बाड़मेर जिला कार्यालयों का वर्चुअल उद्घाटन तथा जालोर जिला कार्यालय का वर्चुअल शिलान्यास भी किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ सहित प्रदेश पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया जाएगा। टोंक कार्यक्रम के बाद दोपहर 2:30 बजे नितिन नवीन पुनः जयपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे, जहां मंत्रीमंडल द्वारा उनका स्वागत किया जाएगा। इसके बाद एयरपोर्ट के बाहर बगरू, सांगानेर और चाकसू विधानसभा क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया जाएगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के काफिले की अगुवाई युवा मोर्चा कार्यकर्ता बाइक रैली के माध्यम से करेंगे। सांगानेर, बगरू, चाकसू, बस्सी, फुलेरा, दूदू, आमेर, जमवारामगढ़, आदर्श नगर, मालवीय नगर, विद्याधर नगर, झोटवाड़ा और सिविल लाइंस सहित विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में जगह-जगह स्वागत मंच बनाए जाएंगे।

शहर के प्रमुख स्थानों शिक्षा संकुल, कनोडिया कॉलेज, जेडीए सर्किल, रामबाग सर्किल, अंबेडकर सर्किल, बाइस गोदाम सर्किल और राजमहल पैलेस पर कार्यकर्ताओं द्वारा मंच बनाकर स्वागत किया जाएगा। राजमहल पैलेस पर भाजपा महिला मोर्चा पारंपरिक कलश के साथ स्वागत करेगी और पदाधिकारी कलश लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष की अगुवाई करते हुए भाजपा प्रदेश कार्यालय तक पहुंचेंगी। भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचने पर नितिन नवीन का भव्य स्वागत किया जाएगा। इसके पश्चात वे प्रदेश पदाधिकारियों एवं कोर कमेटी की बैठक लेंगे। बैठक के बाद वे रात्रि में दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे। नितिन नवीन का यह दौरा संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जो प्रदेश भाजपा में नई ऊर्जा और सक्रियता का संचार करेगा।

41 डिग्री तापमान के साथ तेज झुलसाती गर्मी से इंसान ही नहीं, पशु-पक्षियों का भी हाल बेहाल है। आमेर स्थित हाथी गाँव में गर्मी को से राहत पाने के लिए हाथियों ने रविवार को पानी में अपनी दोपहर बिताई। फोटो-राष्ट्रदूत

70 प्रतिभाओं को ब्राह्मण रत्न सम्मान मिला

जयपुर । भगवान परशुराम जन्मोत्सव समारोह के समापन के अवसर पर सर्व ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में राजस्थान इंटरनेशनल सेटर (आरआईसी) झालाना डूंगरी में प्रात 10 बजे प्रदेश स्तरीय ब्राह्मण सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा, हवा विधानसभा क्षेत्र के विधायक बाल मुकुंदाचार्य सहित शहर के कई गणमान्य लोग उपस्थित हुए। समारोह में 70 प्रतिभाओं को ब्राह्मण रत्न सम्मान से नवाजा गया।

सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि ब्राह्मणों को अपने संस्कारों को प्रबल करते हुए समाज को दिशा एवं मार्गदर्शन देना चाहिए। ब्राह्मण समाज ने सदैव परहित में कार्य किया है। ब्राह्मण बच्चों को संस्कारित कर भगवान परशुराम जी की तरह जितेन्द्रिय बनना चाहिए।

समारोह की अध्यक्षता कर रहे सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा ने बताया कि ब्राह्मण सर्वहित की बात करता है और सर्वजन सुखाय की भावना से समाज को एक

सहकार मसाला मेले में रिकॉर्ड 5.50 करोड़ रु. के मसालों और अन्य उत्पादों की बिक्री हुई

श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली संस्थाओं को किया गया पुरस्कृत

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । सहकारिता विभाग एवं कॉनफेड द्वारा जवाहर कला केन्द्र में आयोजित किया जा रहा 10 दिवसीय राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला-2026 रविवार को सम्पन्न हो गया। मेले में रिकॉर्ड 5.50 करोड़ रुपये से अधिक के मसालों एवं अन्य उत्पादों की बिक्री हुई। यह अब तक की सर्वाधिक बिक्री है और विगत वर्ष से करीब 1.25 करोड़ रुपये अधिक है।

सहकारिता विभाग के शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां डॉ. समित शर्मा ने बताया कि इस बार का मसाला मेला कई मायनों में खास रहा। मेले में पहली बार लगभग 160 स्टॉल्स पर उत्पादों की बिक्री एवं प्रदर्शनी की गई। यह अब तक की सर्वाधिक स्टॉल संख्या है और पिछले वर्ष से लगभग 40 अधिक है।

मेले में पहली बार उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए ट्रॉली की व्यवस्था भी की गई। उन्होंने बताया किआमजन में जागरूकता बढ़ाने एवं जेनेरिक दवाओं के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए पहली बार मेले में जेनेरिक मेडिसिन जागरूकता स्टॉल भी लगाई गई। साथ ही, आर्गेनिक उत्पादों, श्री अन्न उत्पादों, एक जिला एक उत्पाद एवं जीआई टैग उत्पादों को एक ही छत के नीचे उपलब्ध करवाया गया।

उन्होंने बताया कि प्रथम बार ग्राम सेवा सहकारी समितियों और कृषक उत्पादक संगठनों द्वारा मेले में प्रभावी भागीदारी की गई। शासन सचिव ने मेले के सफल आयोजन के लिए पूरी टीम को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भोमाराम, रणजीत सिंह चूंडावत, मदनलाल गुर्जर, सोनल माथुर एवं राजेन्द्र सिंह ने रविवार को आयोजित समापन समारोह में श्रेष्ठ स्टॉल्स को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान कर पुरस्कृत किया। कृभको के क्षेत्रीय

सहकार मसाला मेले के समापन पर रविवार को अव्वल रहीं स्टॉल्स को पुरस्कृत किया गया।

निदेशक रणजीत सिंह भी इस दौरान मंचासीन रहे। इस अवसर पर अन्य राज्यों की सहकारी संस्थाओं, राष्ट्रीय स्तर की सहकारी संस्थाओं और राज्य स्तर की शीर्ष सहकारी संस्थाओं को सम्मानित किया गया। वहीं, प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए सभी खण्डों के अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। समापन समारोह में सहकारिता विभाग एवं सहकारी संस्थाओं के अधिकारी, कर्मचारी एवं सहकारजन उपस्थित रहे।

बिक्री में ये संस्थाएं रहीं अव्वल

शीर्ष संस्थाओं में सर्वाधिक बिक्री की श्रेणी में कॉनफेड प्रथम स्थान पर, तिलम संघ द्वितीय स्थान पर और आरसीडीएफ (जयपुर डेयरी) तृतीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार, जिला उपभोक्ता भंडारों में प्रथम स्थान पर कोटा, द्वितीय स्थान पर उदयपुर एवं तृतीय स्थान पर बारां रहे। वहीं, क्रय विक्रय सहकारी समितियों में प्रथम स्थान पर मथानिया, द्वितीय स्थान पर बिलाड़ा और तृतीय स्थान पर नागौर रहे। जबकि, ग्राम सेवा सहकारी समितियों में पलसाना ग्राम सेवा सहकारी समिति (सीकर) प्रथम स्थान पर एवं निमोद ग्राम सेवा सहकारी समिति द्वितीय स्थान पर रही। नवाचार श्रेणी में उत्कृष्ट कार्य हेतु बाड़मेर जिले की सुंदरा ग्राम सेवा सहकारी समिति को पुरस्कृत किया गया।

ले आउट में इन्हें मिला पुरस्कार

ले आउट की श्रेणी में शीर्ष संस्थाओं में कॉनफेड प्रथम, अपेक्स बैंक द्वितीय एवं आरसीडीएफ तृतीय स्थान पर रहे। जबकि, जिला उपभोक्ता भंडारों में उदयपुर को प्रथम, भीलवाड़ा को द्वितीय एवं बाड़मेर को तृतीय स्थान हासिल हुआ। इसी प्रकार, क्रय विक्रय सहकारी समितियों में नागौर प्रथम, अजमेर द्वितीय एवं सोजत रोड़ तृतीय स्थान पर रही।

बाडमेर 46.4 डिग्री तापमान के साथ सबसे गर्म रहा

राजस्थान में गर्मी का प्रकोप तेज हुआ

जयपुर । राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर जारी है और प्रदेश के अधिकांश शहरों में तापमान लगातार उछाल पर है। रविवार को 9 शहरों का अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया, जबकि 4 शहरों में न्यूनतम तापमान 30 डिग्री के पार रहा। मौसम विभाग के अनुसार 46.4 डिग्री सेल्सियस के साथ बाड़मेर प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जबकि 32.8 डिग्री के साथ फलौदी और संगरिया की रात सबसे गर्म दर्ज की गई। आगामी दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी की संभावना जताई गई है। बाड़मेर के अलावा जैसलमेर, पिलानी, कोटा, चित्तौड़गढ़, जोधपुर, बीकानेर और चूरू में भी दिन का तापमान 44 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया।

इस बीच जयपुर, अजमेर, सीकर, डबोक, प्रतापगढ़ और अन्य स्थानों पर

■ प्रदेश के 9 शहरों में रविवार को तापमान 44 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया

हल्की से मध्यम बारिश भी दर्ज की गई, हालांकि इससे गर्मी के प्रभाव में खास कमी नहीं आई। पश्चिमी राजस्थान में हीटवेव के कारण आमजन के साथ पशु-पक्षी भी बेहाल नजर आए।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि राज्य के कई हिस्सों में उष्ण लहर और उष्ण रात्रि की स्थिति बनी हुई है। कुछ स्थानों पर मेघगर्जन और तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी दर्ज की गई है। वर्तमान में अधिकांश क्षेत्रों में अधिकतम तापमान 44 से 46 डिग्री के बीच बना हुआ है, जो सामान्य से अधिक है। उन्होंने बताया कि न्यूनतम तापमान जवाई बांध में 22.8 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि शनिवार को सर्वाधिक वर्षा गंगापुर सिटी में 6 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। राजधानी जयपुर में भी गर्मी का असर तेज रहा। यहां अधिकतम तापमान 42.7 डिग्री और न्यूनतम 30.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दोपहर के समय तेज गर्मी के कारण बाजार और सड़कें अपेक्षाकृत सूनी नजर आईं। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में तापमान में और वृद्धि की संभावना जताई है।

मौमस विभाग के मुताबिक रविवार को बाड़मेर में 46.4, जैसलमेर में 46, कोटा में 45.2, चित्तौड़गढ़ में 45.2, फलौदी में 44.8, जोधपुर में 44.7, बीकानेर में 44.6, पिलानी में 44.4 तथा चूरू में 42.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

मनोज सेवानी को मानद उपाधि

जयपुर । सामाजिक कार्यकर्ता मनोज सेवानी को उनके द्वारा किए जा रहे निरंतर समाज सेवा के कार्यों के लिए यूनाइटेड अमेरिका यूनिवर्सिटी द्वारा डॉक्टर की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें मथुरा से तीन बार के पूर्व सांसद एवं भारत सरकार में मंत्री रहे मानवेंद्र सिंह के कर कमलों द्वारा प्रदान किया गया। मनोज सेवानी पिछले 19 वर्षों से समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। वे गरीब परिवारों को कपड़े वितरण, जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना, सर्दियों में कंबल बांटना तथा बच्चों को कॉपी, पेंसिल और स्कूल बैग जैसी आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने जैसे सेवा कार्य लगातार करते आ रहे हैं। इन्हीं सराहनीय कार्यों को देखते हुए यूनाइटेड अमेरिका यूनिवर्सिटी ने उन्हें डॉक्टरेट की मानद उपाधि से नवाजा है।

60 यूनिट रक्तदान

जयपुर। टैगोर इन्टरनेशनल स्कूल प्रांगण में विद्यालय के संस्थापक दीपक राठौड की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर लगाया गया। इस दौरान करीब 60 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। टैगोर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के डायरेक्टर .पी.डी. सिंह एवं प्राचार्या कमल राठौड ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया।

गोविंद देवजी मंदिर में सुरभि गायत्री महायज्ञ

जयपुर । गोविंद देवजी मंदिर में रविवार को महंत अंजन कुमार गोस्वामी महाराज के सानिध्य में गौ सम्मान आ ान अभियान के तहत सुरभि गायत्री महायज्ञ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर के सेवा अधिकारी मानस गोस्वामी ने ठाकुर श्री राधा गोविंद देव जी, वेद माता मां गायत्री व गुरु सत्ता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। युग तीर्थ शांतिकुंज के तत्वावधान में आयोजित यज्ञ में 250 से अधिक श्रद्धालुओं ने अलग-अलग पारियों में आहुतियां अर्पित कीं।

किसानों के लिए 'ग्राम रथ अभियान' आज से शुरू होगा, 15 दिन चलेगा

कलेक्टर संदेश नायक ने बैठक लेकर तैयारियों पर चर्चा की

जयपुर कलेक्टर संदेश नायक ने रविवार को बैठक लेकर ग्राम रथ अभियान की तैयारियों पर चर्चा की।

जयपुर । राजस्थान सरकार किसानों को उन्नत और समृद्ध बनाने के उद्देश्य से ग्राम (ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट) 2026 का आयोजन 23 से 25 मई तक करेगी। राज्य स्तरीय इस आयोजन में प्रदेशभर के हजारों किसान और पशुपालक भाग लेंगे। यह मंच कृषि निवेश, नवाचार, तकनीक और किसान समृद्धि से जुड़े अवसरों को बढ़ावा देगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सशक्त किसान, समृद्ध भारत' विजन को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इसी क्रम में राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं की जानकारी पहुंचाने के लिए 27 अप्रैल से 15 दिनों तक ग्राम रथ अभियान चलाया जाएगा। एलईडी मोबाइल वैन के माध्यम से संचालित इस अभियान का उद्देश्य किसानों और पशुपालकों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराना है।

जयपुर कलेक्टर संदेश नायक ने रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विभागीय अधिकारियों को संबोधित करते हुए बताया कि जिले की 10 ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रों बगरू, आमेर, बस्सी, चाकसू, दूदू, फुलेरा, चौमू, जमवारामगढ़, शाहपुरा और झोटवाड़ा के 22 ब्लॉकों और 597 ग्राम पंचायतों में लगातार 15 दिनों तक यह अभियान संचालित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में भी ग्राम रथ अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में ग्राम रथ चयनित ग्राम पंचायतों में 5 से 6 स्थानों पर पहुंचकर लगभग एक-एक घंटे के वीडियो व ऑडियो संदेशों के माध्यम से योजनाओं का प्रचार-प्रसार करेगा। इसके लिए सभी उपखंड अधिकारियों से रूट चार्ट प्राप्त कर लिया गया है। अभियान के दौरान कृषि, उद्यानिकी, कृषि विपणन, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य, सहकारिता, सिंचाई, उद्योग, ऊर्जा, राजस्व, पंचायतीराज और ग्रामीण विकास सहित 13 विभागों की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाएगी।

गैंगस्टर गोदारा गैंग से जुड़े दो बदमाश एजीटीएफ के हत्थे चढ़े

सुजानगढ़ में जेडीजे ज्वैलर्स शोरूम में फायरिंग के बाद से फरार थे

आरोपी कृष्ण सिंह और लक्ष्मण सिंह

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) जयपुर ने संगठित अपराध के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करधनी इलाके से दो फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकडे गए आरोपियों में सुजानगढ़ फायरिंग मामले में वांछित कृष्ण सिंह (31) निवासी रतनगढ़ (चूरू) और कई गंभीर मामलों में फरार लक्ष्मण सिंह (34) निवासी नावां सिटी (डीडवाना-कुचामन) शामिल हैं।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एटीएस, एजीटीएफ एवं एएनटीएफ दिनेश एमएन ने बताया कि कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन और पुलिस उप अधीक्षक रविन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में की गई।

पुलिस जांच में सामने आया कि कृष्ण सिंह वर्ष 2023 में चूरू के सुजानगढ़ स्थित जेडीजे ज्वैलर्स शोरूम में हुई फायरिंग की घटना में शामिल था और पिछले तीन वर्षों से फरार चल रहा था। आरोपी

■ आरोपी कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा और वीरेन्द्र चारण के संपर्क में रहकर कारोबारियों को धमकाने व रंगदारी वसूली में शामिल थे

कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा और वीरेन्द्र चारण के संपर्क में रहकर कारोबारियों को धमकाने व रंगदारी वसूली में शामिल था। वह परबतसर में हत्या के एक मामले में पहले जेल जा चुका है। वहीं दूसरा आरोपी लक्ष्मण सिंह भी आपराधिक प्रवृत्ति का है, जिसके खिलाफ हत्या के प्रयास, चेन स्नेचिंग सहित 27 मामले दर्ज हैं। वह वैशाली नगर, मकराना और नावां सिटी थाना क्षेत्रों के मामलों में न्यायालय से फरार चल रहा था।एजीटीएफ टीम दोनों आरोपियों से गिरोह के नेटवर्क और अन्य साथियों के बारे में पूछताछ कर रही है, जिससे बड़े खुलासे होने की संभावना है।

इस सफल ऑपरेशन का नेतृत्व प्लाटून कमांडर सोहन सिंह ने किया। टीम में हेड कांस्टेबल महेश सोमरा, होशियार सिंह, प्रवीण कुमार, जुगन सिंह, महावीर सिंह तथा कांस्टेबल मोहित महला, जगदीप, जितेन्द्र और सुरेन्द्र शामिल रहे। पुलिस ने इसे संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी सफलता बताया है।

सार-समाचार

जोधपुर में दो विवाहिता समेत चार युवतियां लापता

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में विवाहिता सहित युवतियों के लापता होने की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही है।कमिश्नरेट में दो विवाहिता सहित चार युवतियों के लापता होने के मामले सामने आए हैं। इस संबंध में युवतियों के परिजनों ने अलग-अलग थानों में रिपोर्ट दर्ज कराई है। नागौरी गेट थाने में थाना इलाके के रहने वाले एक व्यक्ति ने रिपोर्ट देकर बताया कि उसकी पत्नी घर से शनिवार रात 8 बजे बिना बताए कहीं चली गई, इसके बाद वापस नहीं लौटी। इसके बारे में आस पड़ोस और रिश्तेदारी में भी पता किया लेकिन कोई पता नहीं चल पाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर हेड कॉन्स्टेबल कानाराम को जांच सौंपी है। दूसरा मामला मामले महामंदिर थाने में सामने आया है। थाना इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति ने रिपोर्ट देकर बताया कि उसकी 24 साल की भतीजी शुक्रवार को घर से बैंक जाने की बात कह कर निकली थी, जो कि वापस नहीं लौटी। तलाश करने पर पता नहीं लग पाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच हेड कांस्टेबल गोपीराम को सौंपी है। तीसरा मामला चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाने का है। इस क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति ने रिपोर्ट देकर बताया कि उसकी 21 साल की भतीजी शनिवार को करीब 3 बजे घर से कहीं चली गई, जो वापस नहीं लौटी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच सहायक उप निरीक्षक भीम सिंह को सौंपी है। चौथा मामला देव थाने का है। थाना इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि उसकी 28 साल की पत्नी बिना बताए कहीं चली गई, जो घर वापस नहीं लौटी। आसपास में तलाश करने पर भी पता नहीं लगा। मामला दर्ज कर जांच सहायक उप निरीक्षक पेमाराम को सौंपी है।

व्यापारी से जोधपुर में बीच सड़क पर मारपीट

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के बासनी ओवरब्रिज के पास सोलर व्यापारी की गाड़ी रोककर मारपीट करने का मामला सामने आया है। सोलर व्यापारी की ओर से थाने में रिपोर्ट दी गई है। फिलहाल पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। घटना 17अप्रेल की है। मामले में बासनी थाने में पीड़ित जितेन्द्र वैष्णव की ओर से रिपोर्ट दी गई है। जो पाली के सुमेरपुर रोड के रहने वाले हैं। रिपोर्ट में बताया- 17 अप्रैल की शाम को 6.30 बजे सोलर के काम से जोधपुर आए थे। यहां 12वीं रोड के एक होटल पर खाना खाने के बाद वापस पाली लौट रहे थे। रात को बासनी ओवर ब्रिज के पास पहुंचे तब पीछे से हरियाणा नंबर की एक हुंडई कार आई। इसमें सवार होकर आए बदमाशों ने जान से मारने व लूटपाट के इरादे से गाड़ी के रुकवा लिया। इसके बाद कार से रास्ता ब्लॉक कर कार पर जोर-जोर से मारते हुए बाहर निकलने को कहा। खिड़की का कांच नीचे किया तो मेरे साथ मारपीट शुरू कर दी। लोहे के क्लिप से मुंह ओर गले पर जोर जोर से वार किया। पीड़ित का आरोप है कि बदमाशों ने गाड़ी से बाहर निकाल कर सड़क पर पिटाई की। इस दौरान गले में पहनी 2 तोले की सोने की चैन टूटकर गिर गई। भीड़ मौके पर इकट्ठा हो गई। लोगों की भीड़ ने मुझे छुड़ाया। इसके बाद बदमाश फरार हो गए। इस घटना से व्यापारी दहशत में आ गया तथा अपने घर चला गया। जब कुछ लोगों ने हिम्मत बढ़ाई तो वह पुनः जोधपुर लौटा तथा मामला पुलिस में दर्ज कराया। पीड़ित का कहना है कि घटना के बाद डर के चलते मामला दर्ज नहीं करवाया। बदमाशों ने उसे धमकी दी थी की यदि मामला दर्ज करवाया तो परिवार को जान से मार देंगे।

2 साल से फरार आरोपी को पकड़ा

जसरासर। पुलिस ने दो साल से फरार चल रहे 5000 रुपए के इनामी मादक तस्कर देवी सिंह को गिरफ्तार किया है। 32 वर्षीय देवी सिंह चूरू जिले के तेहनदेसर का निवासी है। आरोपी लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बाहर था और लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। उस पर पांच हजार रुपये का इनाम घोषित था। वह पिछले करीब दो साल से पुलिस से बच रहा था। पुलिस को देवी सिंह के छिपे होने की गुप्त सूचना मिली। सूचना के आधार पर जसरासर पुलिस ने तुरंत एक टीम गठित की और उसके संभावित ठिकाने पर घेराबंदी की। घेराबंदी के बाद उसे दबोच लिया गया। पुलिस ने बताया कि देवी सिंह मादक पदार्थ तस्करी के एक मामले में वांछित अपराधी था। इस कार्रवाई में जसरासर पुलिस थाने के एसएचओ आलोक सिंह, एएसआई भंवरलाल, कांस्टेबल बलवान और कांस्टेबल लेखराम की विशेष भूमिका रही।

हादसे में युवक की मौत

नोखा। क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। युवक अपने गांव हिम्मटसर से धुपालिया की ओर जा रहा था, तभी रास्ते में यह हादसा हो गया। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान हिम्मटसर निवासी 27 वर्षीय बलराम बिश्नोई के रूप में हुई है। बलराम अपनी बाइक से जा रहे थे, तभी सामने से आ रही एक बोलेरो ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही हिम्मटसर के सरपंच प्रतिनिधि ओमप्रकाश मांझू मौके पर पहुंचे और घायल को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, उपचार के दौरान डॉक्टरों ने बलराम को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर नोखा पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्च्युरी में रखवाया है। मृतक का पोस्टमार्टम रविवार सुबह किया जाएगा। बताया जा रहा है कि बलराम बिश्नोई पेशे से हलवाई थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

आरजीएसएस से जुड़े दवा व्यवसाई शांति प्रदर्शन में कोटा से भी जाएंगे

कोटा, (निसं)। लंबे समय से अटके भुगतानों को लेकर आक्रोशित दवा व्यवसायियों का प्रादेशिक दवा विक्रेता समिति के तत्वावधान में आयोजित आंदोलन में शामिल होने के लिए कोटा से बड़ी संख्या में आरजीएचएस से जुड़े दवा व्यवसायी सोमवार सुबह 9 बजे जयपुर के लिए रवाना होंगे। समिति के अनुसार जयपुर स्थित अशोक स्वास्थ्य भवन के सामने दवा विक्रेता शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर अपनी मांगों को मजबूती से उठाएंगे। यह आंदोलन पूर्णतः लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से किया जाएगा, जिसमें आरजीएचएस के लिए अधिकृत केमिस्ट बड़ी संख्या में भाग लेंगे। प्रदेश अध्यक्ष विवेक विजयवर्गीय ने बताया कि कि वे लंबे समय से अपने बकाया भुगतानों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन अब तक सरकार की ओर से कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई है। भुगतान लंबित रहने से व्यवसायियों में नाराजगी और असंतोष बढ़ता जा रहा है। समिति ने बताया कि जयपुर में पूरे प्रदेश से लगभग एक हजार से अधिक दवा विक्रेता एकजुट होकर राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी के सीईओ के समक्ष अपनी मांगों को रखेंगे और जोरदार तरीके से आवाज बुलंद करेंगे। मुख्य मांगें ये हैं:- दवा विक्रेताओं ने मांग की है कि महीनों से अटके बकाया भुगतान तुरंत किए जाएं, भविष्य में भुगतान के लिए तय समय सीमा निर्धारित कर पारदर्शी और समयबद्ध प्रक्रिया लागू की जाए। साथ ही रिजेक्ट और पेंडिंग बिलों की स्पष्ट जानकारी भी दवा विक्रेताओं को दी जाए, ताकि अनिश्चितता खत्म हो सकें।

अंबेडकर जयंती समारोह के तहत भाजपा ने किया साधु-संतों का सम्मान

बून्दी। भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह के अंतर्गत बुधवार को धार्मिक आस्था के प्रमुख केंद्रों पर जाकर साधु-संतो का सम्मान कर देश की प्रगति व खुशहाली की कामना की। जिला सह संयोजक राजेश शेरगढ़िया ने बताया कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के आ ान पर जिले से लेकर मण्डल स्तर पर आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमो की श्रृंखला में जंगम की बगीची , श्रवण दास जी गोपीनाथ जी का अस्थल जाकर संत सरिवंदास जी, देवेंद्र गिरी जी का पुष्पमाला, उपरना पहनाकर व श्रीफल भेंटकर आशीर्वाद लिया। स्वागत से अभिभूत संतो ने कहा केंद्र की मोदी सरकार के नेतृत्व में देश की संस्कृति, परंपराओं और धार्मिक मूल्यों को सम्मान देने के प्रयास अनुकरणीय हैं। सरकार द्वारा धार्मिक आयोजनों को प्रोत्साहन देना, यह दर्शाता है भारतीय संस्कृति की जड़ों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष कुंज बिहारी बील्या, जिला महामंत्री संजय लाठी, जयंती के जिला संयोजक राकेश बोयत, शहर अध्यक्ष राज कुमार श्रृंगी, जिला कार्यालय मंत्री मोहन कराड़, शहर महामंत्री संजय भूटानी व गौरव वर्मा, वरिष्ठ नेता अशोक जैन, छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष नीरज पुरोहित आदि उपस्थित रहे।

गर्मी में मिलावट पर खाद्य विभाग हुआ सख्त: खाद्य सुरक्षा विभाग का सघन अभियान जारी

भीलवाड़ा। जिला कलेक्टर के निर्देशन में आमजन को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा सघन जांच अभियान लगातार जारी है। विशेष रूप से गर्मी के मौसम में बढ़ती मांग को देखते हुए मावा कुल्फी, आइसक्रीम, कुल्फी पाउडर एवं स्ट्रॉबेरी जैसे उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विभाग ने विभिन्न प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई करते हुए नमूने एकत्र किए हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव शर्मा ने बताया कि गुरुवार को मेसर्स आइसक्रीम एण्ड कुल्फी से मावा कुल्फी व कुल्फी के दो

खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने सघन अभियान में खाद्य की जांच की ।

नमूने लिए गए। इसके अलावा श्रीनाथ आइसक्रीम, गंगापुर से आइसक्रीम तथा मेसर्स महालक्ष्मी सांचा एजेंसी, गंगापुर से कुल्फी पाउडर का नमूना संठाहित किया गया। कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए शुक्रवार को श्रीराम आइसक्रीम, भीलवाड़ा से आइसक्रीम व कुल्फी के नमूने लिए गए। निरीक्षण के दौरान गोदाम में साफ-सफाई की स्थिति असंतोषजनक पाई गई, जिस पर खाद्य विक्रेता को सुधार हेतु नोटिस जारी किया गया। साथ ही मौके पर 500 एमएल की 28 बोतलों में एक्सपायरी फ्लेवर मिलने पर उसे तत्काल नष्ट करवाया गया।

भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर ड्रोन से गिराई ड्रग

श्रीगंगानगर। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक बार फिर करोड़ों की हेरोइन पकड़ी गई है। बॉर्डर से सटे गांव केसरीसिंहपुर में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और बीएसएफ की 48वीं बटालियन की इंटेलिजेंस शाखा (जी ब्रांच) ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए करीब 1 किलो हेरोइन के साथ एक तस्कर को पकड़ा है।

हेरोइन की खेप पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के जरिए भारतीय सीमा में गिराई गई थी। जिसे लेने के लिए तस्कर तीरथ सिंह (20) पुत्र सूबा सिंह निवासी मलकाना खुर्द, श्रीगंगानगर मौके पर पहुंचा था। इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठी सुरक्षा एजेंसियों ने उसे दबोच लिया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। एजेंसियां नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी हैं।यह कार्रवाई जयपुर स्थित एएनटीएफ के महानिरीक्षक विकास कुमार के निर्देशन में की गई।

ऑपरेशन प्रभारी एएसआई गणेश सिंह के सुपरविजन में अंजाम दिया गया, जिसमें एएनटीएफ चौकी श्रीगंगानगर और बीएसएफ की टीम ने मिलकर सटीक सूचना पर कार्रवाई की। पकड़ी गई हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 5 करोड़ रुपए है।

भाजपा ने महिला आरक्षण बिल पर कांग्रेस को घेरा

जिलाध्यक्ष ने विधायक पर साधा निशाना, सड़कों पर उए सवाल

गंगापुर सिटी। भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने महिला आरक्षण बिल समेत कई मुद्दों को लेकर कांग्रेस को घेराबंधी करते हुए गंगापुर सिटी के विकास में कोताई बरतने का आरोप लगाया। उन्होंने पांचना बांध से पानी नहीं मिलने, चंबल परियोजना और शहर की सड़कों की खराब स्थिति को लेकर स्थानीय कांग्रेस विधायक रामकेश मीणा पर जमकर निशाना साधा। गुर्जर ने आरोप लगाया कि इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। इस दौरान निवर्तमान सभापति शिवरतन अग्रवाल, प्रधान मंजू गुर्जर, मंडल अध्यक्ष मिथलेश व्यास, जिला मोर्चा प्रभारी जमनालाल वैष्णव और भाजपा महिला मोर्चा की राधा दीक्षित सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। जिलाध्यक्ष गुर्जर ने कहा कि कांग्रेस ने घ्महिला आरक्षण बिल के मुद्दे पर हमेशा दोहरी राजनीति की है। उन्होंने बताया कि यह बिल पहली बार 1996 में एच.डी. देवगौड़ा सरकार के दौरान संसद में पेश किया गया था, लेकिन तब इसे पारित नहीं होने दिया गया। गुर्जर ने कहा कि 1999 से 2000 के दौरान अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने भी बिल पास कराने का प्रयास किया, लेकिन विपक्षी दलों ने इसमें बाधा डाली। यूपीए सरकार के कार्यकाल में राज्यसभा से पारित होने के बावजूद कांग्रेस ने इसे लोकसभा में आगे नहीं बढ़ ाया। बीजेपी जिलाध्यक्ष ने बताया कि 19 सितंबर 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह बिल पारित हुआ, लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने 2026 में परिसीमन के साथ लागू होने वाले प्रावधानों का विरोध किया। गुर्जर ने कहा कि देश की आधी आबादी के साथ यह अन्याय है, जिसका जवाब महिलाएं मतदान के जरिए देंगी पांचना बांध के मुद्दे पर मानसिंह गुर्जर ने विधायक रामकेश मीणा के बयानों को तथ्यों से परे बताया। उन्होंने जानकारी दी कि 2020 में ग्रामोत्थान के महेंद्र मीणा द्वारा एक जनहित याचिका (च्प्स्) दायर की गई थी, जिसके बाद 2021 में बांध से पानी छोडा गया, लेकिन बाद में इसे बंद कर दिया गया। गुर्जर ने यह भी कहा कि 2022 में विधायक रामकेश मीणा ने भी एक याचिका दायर की थी, जिसमें 90 प्रतिशत मुआवजे की मांग रखी गई थी। वर्ष 2023 में जब वे तत्कालीन सरकार में मुख्यमंत्री के सलाहकार थे, तब भी पांचना बांध से पानी नहीं खुलवा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक जल बंटवारा समिति में भी शामिल थे, लेकिन उस समय और आज उनके बयान अलग-अलग हैं। उन्होंने कहा कि जब मामला न्यायालय में विचाराधीन हो, तब इस प्रकार की बयानबाजी से बचना चाहिए। चंबल परियोजना को लेकर जिलाध्यक्ष ने कहा कि वर्ष 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के कार्यकाल में गंगापुर सिटी को चंबल का पानी मिला था। उस समय निरीक्षण और योजना को गति दी गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार आने के बाद इस परियोजना पर काम ठ्ठप हो गया और विधायक रामकेश मीणा न तो बजट जारी करवा सके और न ही परियोजना को आगे बढ़ा सके। उन्होंने कहा कि अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने चंबल परियोजना के लिए 15 करोड रुपए स्वीकृत किए हैं। इससे पंपसेट लगाने और शहर को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। मानसिंह गुर्जर ने कहा कि गंगापुर सिटी में सड़कों की हालत बेहद खराब है और विधायक केवल बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 113 टुकड़ों में सड़कों का काम उनके कार्यकाल में हुआ।

भीषण गर्मी के कारण बीकानेर में स्कूलों का समय बदला

सुबह की पारी 4 घंटे ही होगी संचालित, कलेक्टर ने जारी किए आदेश

बीकानेर। यहां लगातार बढ़ रहे तापमान के बीच सरकारी और प्राइवेट स्कूल का समय सोमवार से बदल जाएगा। इसके लिए जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक कार्यालय से प्रस्ताव मांगे गए थे, जिसके बाद आदेश जारी किए गए हैं।

जिला कलेक्टर निशांत जैन ने बताया कि तापमान अधिक है, ऐसे में समय में बदलाव किया गया है। अब स्कूल सुबह साढ़े सात बजे से साढ़े ग्यारह बजे तक संचालित करने के आदेश दिए गए हैं। नन्हें बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए ये आदेश दिए हैं।

बीकानेर में अधिकतम तापमान इस समय 43 डिग्री सेल्सियस तक जा रहा है, ऐसे में दोपहर एक बजे बाद स्कूल छुट्टी होने पर बच्चों को तेज धूप में जाना पड़ता है। अस्पतालों में भी बीमार बच्चों की संख्या बढ़ रही है। ऐसे में जिला कलेक्टर निशांत जैन ने शिक्षा विभाग से प्रस्ताव मांगे, इसी आधार पर स्कूल का समय सुबह साढ़े सात बजे से साढ़े ग्यारह बजे तक किया गया है। ऐसे में स्कूल चार घंटे ही संचालित होंगे।

दो पारी स्कूलों के लिए बड़ी समस्या हो सकती है, जिनके शुरू होने का समय ही साढ़े बारह बजे हैं। ऐसे में इन स्कूलों को भी सुबह बुलाया जाएगा और एक साथ सभी कक्षाओं का संचालन करना स्कूल प्रबंधन के लिए परेशानी का सबब रहेगा। बीकानेर में वर्तमान में तापमान बढ़कर 43 डिग्री सेल्सियस तक आया है लेकिन मौसम विभाग ने इसके 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की आशंका जताई गई है। इस बार आम दिनों की तुलना।

गाडिया लोहार समाज ने मृत्यु भोज बंद किया

सरुपसर। यहां कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पंचायत बुगिया के वार्ड नं. 6 क्षेत्र में गाडिया लोहार समाज ने समाज सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। समाज ने मृत्यु भोज और ऊड़वानी प्रथा को हमेशा के लिए बंद करने का संकल्प लिया है। यह निणन्य श्री प्रेम कुमार बालबुक की माता जी के देहांत के 12वें पर आयोजित कार्यक्रम में लिया गया। इस मौके पर युवा सामाजिक कार्यकर्ता साजन सांखला, ओमप्रकाश, गणेश, कारण, भीम, शंकर और सोनू ने समाज से अपील की। उन्होंने दुख की घड़ी में होने वाली फिजूलखर्ची को रोकने और उस धन को शिक्षा तथा जरूरतमंदों की मदद में लगाने का आग्रह किया।

युवाओं की इस पहल का पंच-पटेलों ने सर्वसम्मति से समर्थन किया। प्रमुख रूप से ओम सांखला, जानकीदास, हरनाम दांतोर, महेंद्र सांखला अनूपगढ़, धर्माराम कमानी, कालूराम डाबी, मिट्ठू राम डाबी, दीपाराम बालानी और प्रीतम दुदानी सहित सभी पंचों ने हाथ उठाकर इस संकल्प को दोहराया।

115 रोगियों के लेन्स प्रत्यारोपित

बीकानेर। गंगाशहर राजकीय सैटेलाइट चिकित्सालय में अप्रेल माह में आयोजित निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में रोगियों के नेत्रों की जांच व ईलाज किया गया। गंगाशहर नागरिक परिषद् के सम्पतलाल दूगड़ ने बताया इस शिविर में बीकानेर जिले के आस-पास के ग्रामीण इलाकों व गंगाशहर, भीनासर से आये ऑपरेशन योग्य चयनित 115 रोगियों के लेन्स प्रत्यारोपित किये गये। ऑपरेशन नेत्र शल्य चिकित्सक डॉ. संजीव सहगल ने किये। अस्पताल अधीक्षक डॉ. मुकेश वाल्मिकी ने बताया कि शिविर में बीकानेर क्षेत्र के दूरदराज गांवों से आए रोगीयों की नेत्र शल्य चिकित्सा की गई। गंगाशहर नागरिक परिषद् के महेन्द्र चैपड़ा ने बताया कि इस शिविर में नेत्र चिकित्सक सहायक अनिल यादव, पंकज, विमल तेजी, मोहम्मद युसुफ, प्रशान्त आदि कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। परिषद् के महेन्द्र चोपड़ा, सम्पतलाल दूगड़, बच्छराज रांका, विनीत बोथरा आदि ने व्यवस्थाओं में सहयोग दिया। गंगाशहर नागरिक परिषद्, गंगाशहर ईकाई के चैयरमैन जतनलाल दूगड़ ने बताया कि हर माह लगाये जाने वाले दो नेत्र चिकित्सा शिविरों (10 व 24) के क्रम में अगला निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर।

सार-समाचार

प्रदेश प्रभारी ने नई कार्यकारिणी गठन कर मजबूती पर जोर दिया

सूरतगढ़। यहां बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सूरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र की संगठन समीक्षा बैठक रविवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश प्रभारी मा. एड. प्रेम बारूपाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि लोकसभा जोन प्रभारी सीताराम सीला विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। बैठक में क्षेत्र के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश प्रभारी प्रेम बारूपाल ने कहा कि बसपा आगामी चुनाव मजबूत संगठन के आधार पर लड़ेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी का मुख्य उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों और जातियों में बिखराव को समाप्त कर उन्हें एकजुट करना है, ताकि समतामूलक समाज की स्थापना की जा सके। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और आमजन से जुड़ने का आव्हान किया। प्रदेश प्रभारी ने कार्यकर्ताओं से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और आमजन से जुड़ने का आव्हान किया। इस अवसर पर सूरतगढ़ विधानसभा की नई कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। जिसमे भानीराम नायक और धन्नाराम मेघवाल को विधानसभा प्रभारी नियुक्त किया गया, जबकि वेदप्रकाश पट्टीर को विधानसभा अध्यक्ष बनाया गया। इसके अलावा हनुमान पाटवाल को उपाध्यक्ष, हरफूल वाल्मीकि को महासचिव, पतराम कड़ेला को सचिव और मनीराम तंवर को खजांची की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में महेंद्रसिंह भादू, कृष्ण लाल लूना, रवि कड़ेला, सुखदेवसिंह चालिया, राजवीर सिंह, जसप्रीत कौर, हरिसिंह, हरबंश सिंह और रेडाराम सन्नी फुलका सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। अंत में नवगठित पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत करने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, 7 मोटरसाइकिलें बरामद

बीकानेर, शहर में बढ़ती वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए कोटगेट पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की सात मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। आरोपी से पूछताछ के आधार पर अन्य वारदातों के संबंध में भी जांच जारी है। कोटगेट थाना प्रभारी धीरेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि विशेष निगरानी और मुखबिर की सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जय सांखला उर्फ जयकिशन (26) निवासी नत्थूसर बास, बीकानेर के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी ने शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों से अलग-अलग तिथियों में मोटरसाइकिल चोरी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के कब्जे से अब तक चोरी की कुल सात मोटरसाइकिलें बरामद की जा चुकी हैं। बरामद वाहनों के संबंध में अनुसंधान और सत्यापन की कार्रवाई जारी है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है शहर में वाहन चोरी और संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस का अभियान लगातार जारी है। पुलिस का कहना है कि ऐसे अपराधियों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पेट्रोल से भड़की आग, युवक झुलसा

अनूपगढ। यहां रावला मंडी के डंडी रोड स्थित वाटर वर्क्स के पास एक पंक्चर की दुकान में अचानक भीषण आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और पानी के टैंकर मौके पर पहुंचे और करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक दुकान में रखा पूरा सामान जलकर राख हो चुका था।दुकान में पेट्रोल बिखरा हुआ था। इसी दौरान दुकान मालिक चेतराम पूजा कर रहे थे और जलती हुई माचिस की तीली गलती से पेट्रोल पर गिर गई, जिससे आग तेजी से फैल गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और दुकान में रखे नए-पुराने टायरों सहित अन्य सामान को अपनी चपेट में ले लिया।इस हादसे में 18 वर्षीय राजेश कुमार झुलस गया। घटना के समय वह पेट्रोल के पास काम कर रहा था और अचानक आग की चपेट में आने से उसके पैर झुलस गए। दुकान में मौजूद ग्राहक ओमप्रकाश नायक और दुकान मालिक ने आग बढ़ती देख बाहर भागकर अपनी जान बचाई। घायल राजेश को तुरंत रावला के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। आग के दौरान दुकान में रखा एक छोटा गैस सिलेंडर भी इसकी चपेट में आ गया था। मौके पर मौजूद पानी के टैंकर चालक शाह बरियाम खान और अन्य लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए जलते हुए सिलेंडर को बाहर निकाला और गीली बोरी की मदद से आग बुझाई। समय रहते की गई इस कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया। घटना की सूचना मिलते ही एसआई गिरधारी सिंह, प्रशासक दिनेश सोनी और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। बिजली विभाग के जेईएन रोहित छींपा ने तुरंत इलाके की बिजली आपूर्ति बंद करवाई, जिससे राहत कार्य में मदद मिली। करीब दो घंटे की मेहनत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। प्रारंभिक आकलन के अनुसार इस आगजनी में लगभग 3 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

शिविर से महिलाओं का आत्म विश्वास मजबूत : शर्मा

मेड़ता सिटी। प्रेस क्लब मेड़ता सिटी के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय मेहंदी एवं ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन महिलाओं एवं युवतियों ने बढ़-चढ़कर शिविर में हिस्सा लिया। शिविर में आए हुए युवतियों को धागा चलाना, मेंहदी बनाना के साथ बालों की हेयर स्टाइल बन कर प्रैक्टिकल के रूप में जानकारी दी । प्रशिक्षण प्रशिक्षिका नुपुर वर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को मेंहदी व ब्यूटी पार्लर की बारीकियों के बारे में थ्योरी व प्रैक्टिकल रूप से प्रशिक्षण के साथ बालिकाओं में छुपे उनके कलाओं को उजागर करने के काम कर रही हे । वही शिविर के दूसरे दिन की मुख्य अतिथि मीरां महिला मंडल अध्यक्ष समाज सेविका उमा शर्मा रजत ने कहा कि पहली बार ऐसा अवसर है कि पत्रकार पत्रकारिता के साथ ही सामाजिक सरोकार के कार्यों में अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहे है वही उपस्थित महिलाओं व युवतियों को कहा कि आप इस अवसर का लाभ लेते हुए इस कला को सीखकर अपना करियर बना सकते है। शर्मा ने कहा शिविर माध्यम से अपने रोजगार के साथ साथ अपना आत्म।

'शेरवानी' में सजते हैं हनुमानजी

श्रीगंगानगर। आपने संकट मोचन हनुमानजी को सिंदूरी चोले या लंगोट में तो कई बार देखा होगा, लेकिन श्रीगंगानगर में बजरंगबली का एक ऐसा रॉयल रूप है जिसे देख हर कोई नतमस्तक हो जाता है। चहल चौक स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर के 39वें वार्षिक महोत्सव पर हनुमान जी किसी दिव्य राजा की तरह 'शेरवानी' और जोधपुरी साफे में दर्शन दे रहे हैं।

संभवत यह जिले का एकमात्र ऐसा मंदिर है, जहां हनुमान जी की 6.15 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा को जोधपुरी अंदाज में तैयार किया जाता है। हनुमानजी की इस प्रतिमा का यह राजसी श्रृंगार चर्चा में है। इस एक शेरवानी को बनाने में करीब 8-10 हजार रुपए का खर्च आता है। यहां हनुमानजी को शेरवानी पहनाने का चलन 5 साल पहले हुआ था। जो कि आज भी निरंतर जारी है।

बता दें कि मंदिर की स्थापना दिवंगत रामचंद्र बंसल ने 1987 में करवाई थी। श्री रामचन्द्र बंसल चैरिटेबल ट्रस्ट के सेवादार पवन बंसल बताते हैं कि इस मंदिर में हनुमानजी की प्रतिमा को जयपुर के कारीगरों ने संगमरमर पत्थर से तैयार की थी। यहां बालाजी महाराज भक्तों को खड़े मुद्रा में दर्शन देते हैं। आमतौर पर हनुमानजी को बाल रूप या विराट रूप में पूजा जाता है। लेकिन श्रीगंगानगर हनुमानजी का यह रूप कलयुग के राजा के रूप में स्थापित है। बंसल ने बताया कि मंदिर में हर रविवार को भंडारे का प्रसाद बांटा जाता है। इसके लिए आगामी 2030 तक की एडवांस बुकिंग भी हो चुकी है। ?इस अनूठी परंपरा की शुरुआत 5 साल पहले हुई थी, जो आज एक बड़े जन-आकर्षण का केंद्र बन चुकी है।

हनुमान जी के इस खास पहनावे की कुछ रोचक बातें है। अबोहर के सिंटू माथुर विशेष रूप से हनुमान जी की शेरवानी सिलते हैं और उन्हें पहनाने के लिए खुद श्रीगंगानगर पहुंचते हैं। यहीं शेरवानी बनाने का काम शुरू होता है। खास बात यह है कि भक्तों की मन्नतें पूरी होने व अन्य खास मौकों पर चढ़ाई गई शेरवानियों की संख्या अब 70 के पार पहुंच चुकी है मंदिर में भगवान को लंगोट और धोती-कुर्ता भी पहनाया जाता है, लेकिन शेरवानी वाला श्रृंगार सबसे अनूठा है। मंदिर में हनुमानजी के लिए वार्डरोब है। इन कीमती शेरवानियों की चमक बरकरार रखने के लिए विशेष ड्राई क्लीनिंग और रखरखाव किया जाता है। मौसम के हिसाब से भी रंगों और कपड़ों का चयन होता है।

खाद-बीज विक्रेताओं की आज देशव्यापी हड़ताल, भीलवाड़ा में भी प्रतिष्ठान रहेंगे पूर्णतः बंद

भीलवाड़ा। राजस्थान एग्रीकल्चरल इनपुट डीलर्स एसोसिएशन के आव्हान पर, महाराष्ट्र संगठन द्वारा शुरू की गई बेमियादी हड़ताल के समर्थन में भीलवाड़ा

- जिला संगठन के अध्यक्ष शांतिलाल पालीवाल ने बताया कि यह हड़ताल खाद-बीज विक्रेताओं और किसानों से जुड़ी प्रमुख विभागीय समस्याओं के विरोध में की जा रही है।

जिले के खाद-बीज विक्रेताओं ने 27 अप्रैल (सोमवार) को एक दिवसीय सांकेतिक बंद का निर्णय लिया है। इस दिन जिले भर के सभी खाद-बीज विक्रेता अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर इस देशव्यापी आंदोलन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे।

जिला संगठन के अध्यक्ष

किसानों से जुड़ी प्रमुख विभागीय समस्याओं के विरोध व्यापारियों ने मिटिंग की ।

शांतिलाल पालीवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह हड़ताल खाद-बीज विक्रेताओं और किसानों से जुड़ी प्रमुख विभागीय समस्याओं के विरोध में की जा रही है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान कानूनी प्रक्रियाओं की जटिलताओं के कारण व्यापारियों और किसानों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संगठन इन नियमों के सरलीकरण और व्यावहारिक बदलाव की मांग कर रहा है। इस हड़ताल के तहत भीलवाड़ा जिले की समस्त तहसील इकाइयों के खाद-बीज प्रतिष्ठान पूरी तरह बंद रहेंगे।

इस निर्णय को सफल बनाने हेतु संगठन के उपाध्यक्ष नरेंद्र काबरा व राजेंद्र भाटी ने सभी जिला डीलरों से 27 अप्रैल को अपनी दुकानें स्वेच्छा से बंद रखने की अपील की है। इस अवसर पर संगठन के कोषाध्यक्ष कौशल श्रीमाल, सचिव सुभाष चंद्र कटारिया, शांतिलाल शर्मा, गोवर्धन पाराशर, मुरलीधर सैनी व मीडिया प्रभारी योगेश गहलोत, मुजफ्फर सहित जिले के अन्य विक्रेता उपस्थित रहे।

हिण्डोली बाईपास तिराहे पर 3 बैंचें लगाई

बून्दी। जनजागरण सेवा समिति, बून्दी की प्रेरणा से बाईपास रोड तिराहे पर एवं सीबीईओ ऑफिस में बैंचें लगाई गई।

समिति सचिव विनोद जोशी (बैंच वाले बाबा) ने बताया कि समिति की प्रेरणा से हिण्डोली बाईपास रोड नया बस स्टेंण्ड के पास देवली कट पर जयपुर-कोटा रोड़ पर यात्रियों को कड़ी धूप में खड़े होकर बसों का इंतजार करना पड़ रहा था। इसके मध्येनजर टिनशेड के नीचे स्वर्गीय श्री पंकज भूतड़ा की स्मृति में उनके पिता परमेश्वर भूतड़ा, भाई दीपक भूतडा (सीए) ने 2 बैंचें लगवाकर यात्रियों को राहत देने एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय हिण्डोली में आगंतुकों के विश्राम की दृष्टि से एक बैंच लगवाई। सचिव विनोद जोशी ने आगामी दिवसों में उस स्थान पर यात्रियों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए बैंचें, वृक्षारोपण एवं पानी की व्यवस्था में सहयोग के लिए भी हिण्डोली समाजसेवियों से अपील की है। इस मौके पर परमेश्वर भूतड़ा, दीपक भूतड़ा (सीए), मुकेश भूतड़ा, उत्कल, निकुंज भूतड़ा, अशोक खींची आदि मौजूद थे।

हम बार-बार वही गलतियां कर रहे हैं, अगर आप ऐसी विकेट पर गेंदबाजों का साथ नहीं देते, तो मुझे लगता है कि आप हारने के ही हकदार हैं, गणारे गेंदबाजों को भी अपने प्रदर्शन पर गौर करने की जरुरत है। - अक्षर पटेल

भारतीय क्रिकेटर, अपनी टीम को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — **वैभव सूर्यवंशी**

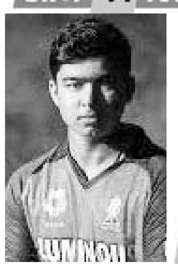

वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 36 गेंद में शतक लगाकर इतिहास रच दिया है। यह इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास का तीसरा सबसे तेज शतक है। साथ ही वैभव के इतिहास में ऐसे पहले बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने दो मौकों पर 40 से कम गेंदों में शतक पूरा किया हो। वैभव ने इस पारी के दौरान रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी है। आईपीएल में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय होने का रिकॉर्ड पहले से वैभव सूर्यवंशी के नाम था। उन्होंने आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदों में शतक पूरा किया था।

क्या आप जानते हैं ?... आईपीएल 2026 में बीते कल तक, राजस्थान रॉयल्स के युवा ओपनर वैभव सूर्यवंशी 8 मैचों में 32 छक्कों के साथ सबसे आगे हैं।

कोलकाता ने जीता 2026 का पहला सुपर ओवर

नरेन ने लखनऊ को एक रन ही बनाने दिये, रिंकू ने 83 रन बनाने के साथ 5 कैच लपके

लखनऊ, 26 अप्रैल। कोलकाता नाइट राइडर्स ने 2026 के पहले सुपर ओवर मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को हराकर जीत दर्ज की। इकाना स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 155 रन बनाए। जवाब में लखनऊ ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 155 रन बनाकर मैच टाई किया। आखिरी गेंद पर मोहम्मद शमी ने छक्का लगाकर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया।

सुपर ओवर में कोलकाता की ओर से सुनील नरेन ने गेंदबाजी करते हुए लखनऊ को 1 रन पर रोका और दो विकेट झटके। इसके जवाब में कोलकाता से रिंकू सिंह ने चौका लगाकर जीत दिलाई। इस मुकाबले के हीरो रहे रिंकू सिंह। उन्होंने 51 गेंदों पर

नाबाद 83 रन बनाए। रिंकू ने फील्डिंग में 5 कैच भी लपके। उन्होंने ऐडन मार्करम, मुकुल चौधरी, हिम्मत सिंह, जॉर्ज लिंडे और सुपर ओवर में रोवमन पॉवेल का बाउंड्री पर उछाला हुआ मार्करम का कैच लिया।

रविवार को लखनऊ ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। कोलकाता की शुरुआत खराब रही। टीम ने 93 रन बनाने में 7 विकेट गंवा दिए। यहां से रिंकू सिंह ने पारी संभाली और 51 बॉल पर नाबाद 83 रन की पारी खेली। उन्होंने आखिरी ओवर में दिग्वेश राठी की बॉल में लगातार 4 सिक्स लगाए। पारी में कुल 7 चौके और 5 सिक्स लगाए। आखिरी ओवर में 26 रन बने और कोलकाता ने लखनऊ को 156 रन का टारगेट दिया।

भारतीय महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराया, दीप्ति ने 36 रन बनाए और पांच विकेट भी लिये

जोहान्सबर्ग, 26 अप्रैल। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने चौथे टी-20 मैच में साउथ अफ्रीका को 14 रन से हरा दिया। हालांकि साउथ अफ्रीका पहले ही सीरीज अपने नाम कर चुकी है। पांच मैचों की इस टी20 सीरीज में वह 3-1 से आगे है। जोहान्सबर्ग में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 185 रन बनाए। जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम निर्धारित ओवरों में लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा जीत की स्टार रहीं। उन्होंने बल्ले से 36 रन बनाने के बाद गेंदबाजी में करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 5 विकेट झटके। मैच से पहले सबकी नजरें दीप्ति शर्मा की फॉर्म पर थीं। उन्होंने आलोचकों को करारा जवाब देते हुए 26 गेंदों में 36 रनों की पारी खेली। जब टीम 120 रन पर 5 विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही थी, तब दीप्ति और ऋचा घोष ने मोर्चा संभाला। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए नाबाद 65 रनों की साझेदारी हुई, जिसकी बदौलत भारत 185 के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंच पाया। ऋचा घोष ने भी अंत में तेज तर्रार पारी खेली। मंधाना को आराम, अनुष्का शर्मा ने ओपनिंग की: नियमित उप-कप्तान स्मृति मंधाना को इस मैच में आराम दिया गया था। उनकी जगह अनुष्का शर्मा को ओपनिंग का मौका मिला। अनुष्का ने शानदार शुरुआत की और 18 गेंदों में 27 रन बनाए। हालांकि, पावरप्ले की आखिरी गेंद पर तजमीन ब्रिट्स ने मिडविकेट पर उनका एक कैच पकड़कर उनकी पारी का अंत कर दिया। शेफाली वर्मा भी ज्यादा देर नहीं टिक सकीं और 3 ओवर के भीतर ही पवेलियन लौट गईं। अंपायरिंग के फैसलों पर उठे सवाल, हरमनप्रीत खुद ही चलकर बाहर गईं: भारतीय पारी के दौरान 12वें ओवर के बाद अचानक विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हुआ। भारती फुलमाली को एलबीडब्ल्यू दिया गया, जबकि रिप्ले में लग रहा था कि गेंद लेग स्टंप से बाहर जा रही थी। इसके तुरंत बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर के विकेट पर विवाद हुआ। साउथ अफ्रीकी विकेटकीपर सिनालो जाफ्ता ने कैच की अपील की, अंपायर शांत थे लेकिन हरमनप्रीत बिना अंपायर के फैसले का इंतजार किए खुद ही क्रीज छोड़कर चली गईं। भारत ने 14 गेंदों के अंदर 18 रन पर 3 विकेट खो दिए थे। साउथ अफ्रीका की शुरुआत खराब, कप्तान वोल्वार्ट सस्ते में आउट: 186 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम को शुरुआत में ही बड़ा झटका लगा। शानदार फॉर्म में चल रही कप्तान लौरा वोल्वार्ट को क्रांति गौड़ ने बोल्ड कर दिया।

उबेर कप में भारत ने यूक्रेन को 4-1 से हराया

डेनमार्क से हार के बाद वापसी की, सिंधु-तनीषा की जोड़ी ने जीता डबल्स मुकाबला

डेनमार्क, 26 अप्रैल। डेनमार्क के होर्सेंस में खेले जा रहे उबेर कप 2026 में भारतीय महिला टीम ने अपनी क्वार्टर फाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखा है। ग्रुप- के अपने दूसरे मुकाबले में भारत ने यूक्रेन को 4-1 से करारी शिकस्त दी। पहले मैच में मेजबान डेनमार्क से 2-3 से हारने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने जबरदस्त वापसी की। इस जीत के साथ ही भारत अब सोमवार को डिफेंडिंग चैंपियन चीन से भिड़ेगा, जो क्वार्टर फाइनल की राह तय करने के लिए बेहद अहम होगा। उन्नित हुड्डा और तन्वी शर्मा ने अपने- अपने मैच जीते: भारत की ओर से पहले सिंगल्स मैच में उन्नित हुड्डा ने शानदार शुरुआत की। उन्होंने यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा को सीधे सेटों में 21-19, 22-20 से हराकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा ने अपनी लय बरकरार रखी। तन्वी ने येवहेनिया कांटेमिर को तीन सेटों तक चले कड़े मुकाबले में 21-12, 17-21, 21-10 से हराकर स्कोर 2-0 कर दिया। इस मुकाबले में टीम मैनेजमेंट ने पूर्व वर्ल्ड चैंपियन पीवी सिंधु को सिंगल्स मैच में आराम दिया था। उनकी जगह थाइलैंड मास्टर्स चैंपियन देविका सिहाग को तीसरा सिंगल्स खेलने का मौका मिला। देविका ने इस भरोसे को सही साबित किया और मारिया स्टोलियारेन्को को 23-21, 21-13 से हराकर भारत की जीत पक्की कर दी। उनके जीतते ही भारत ने मुकाबले में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली थी। डबल्स में मिला-जुला रहा प्रदर्शन, सिंधु-तनीषा की जोड़ी जीती: भारत को इकलौती हार पहले महिला डबल्स मुकाबले में मिली। कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी की जोड़ी यूक्रेन की बुहरोवा और कांटेमिर के सामने नहीं टिक सकी और 11-21, 17-21 से मैच हार गई। हालांकि, आखिरी मैच में पीवी सिंधु और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी ने भारत का दबदबा कायम रखा। उन्होंने सोफिया लावरोवा और स्टोलियारेन्को को 21-18, 21-15 से हराकर स्कोरलाइन 4-1 कर दी।

आईपीएल में संभल एक्सप्रेस मोहसिन खान ने मारा पंजा

लखनऊ, 26 अप्रैल। लखनऊ में गर्मी का मौसम आग उगल रहा है। लेकिन उससे भी ज़्यादा गर्मी लखनऊ के इकाना स्टेडियम में महसूस की जा रही है जहां घरेलू पिच पर लखनऊ के बांये हाथ पेसर मोहसिन ख़ान ने आग उगलते हुए कोलकाता के ख़िलाफ़ 4 ओवरों में 1 मेडन रखते हुए सिर्फ़ 23 रन देकर 5 विकेट झटके। मोहसिन के लिए ये आईपीएल का बेस्ट सीज़न साबित हो रहा है। चोट से वापसी करते हुए मोहसिन घातक बन गये हैं और सभी टीमों के बैटर्स को उनके ख़िलाफ़ अच्छी मशक्कत करनी पड़ रही है। इस सीज़न अबतक के चार मैचों में उन्होंने दिल्ली के ख़िलाफ़ 1/19, पंजाब के ख़िलाफ़ 1/43, राजस्थान के ख़िलाफ़ 2/43 और कोलकाता के ख़िलाफ़ 5/23 विकेट अपने नाम किये हैं। आईपीएल में लखनऊ के लिए 4 ओवरों में 5 विकेट लेने का कारनामा करनेवाले वो तीसरे खिलाड़ी (मोहसिन 5/23, मार्क वुड 5/14 और यश ठाकुर 5/30) बन गए है। क्यों मोहसिन हो गए हैं घातक लखनऊ बनाम कोलकाता मैच में पर कॉमेन्ट्री के दौरान पूर्व भारतीय तेज़ गेंदबाज़ उमेश यादव मोहसिन ख़ान की गेंदबाज़ी को डिकोड करते हुए कहते हैं, मोहसिन ख़ान की गेंदबाज़ी के साथ अच्छी बात ये है कि वो अपनी हाइट (अपने कद 6 फ़ीट 3 इंच) का भी फ़ायदा उठा रहे हैं। वो गेंद डालने के बाद बॉल को फ़ॉलो करते हैं जिसकी वजह से उन्हें एक्स्ट्रा पेस और बाउंस मिलता है। उनका बैलेंस बना रहता है। दूसरे गेंदबाज़ भी ऐसी कोशिश करते हैं। लेकिन गेंद डालने के बाद मोहसिन का हेड पोज़ीशन और बैलेंस उनकी गेंदबाज़ी को बेहतर करता है।

चेन्नई सुपर किंग्स को मिली पांचवीं हार

चेपॉक, 26 अप्रैल। चेपॉक की पिच पर टॉप ऑर्डर के लड़खड़ाने के बाद कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने नाबाद अर्धशतक लगाया और चेन्नई सुपर किंग्स को 158 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन गुजरात टाइटंस के मजबूत टॉप ऑर्डर के खिलाफ यह काफी नहीं थी और सीएसके को सीजन की पांचवीं हार का सामना करना पड़ा। चेन्नई सुपर किंग्स के अब 8 मैचों में 3 जीत हैं और 5 हार हैं, चेन्नई के 6 अंक हैं और अब उस पर प्लेऑफ की रेस से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। चेन्नई सुपर किंग्स के पास अब 6 मैच बाकी हैं और उसे हार हाल में बाकी सभी मैचों में जीत दर्ज करनी होगी। चेन्नई सुपर किंग्स को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अब अपने बचे हर मुकाबले को बड़े मार्जिन से जीतना होगा।

एनगिडी को अस्पताल से छुट्टी, सभी स्कैन नॉर्मल, पंजाब के खिलाफ मैच में सिर के बल गिरे थे

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी को अस्पताल से शनिवार देर रात ही छुट्टी दे दी गई। एनगिडी शनिवार को दिल्ली में पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। वह एक कैच लेने की कोशिश में हवा में उछले और अनियंत्रित होकर सिर के बल जमीन पर गिर पड़े थे। जांच में उनकी रीढ़ की हड्डी या दिमाग में कोई गंभीर चोट नहीं पाई गई है। हालांकि, डॉक्टरों ने उन्हें फिलहाल आराम करने की सलाह दी है। एनगिडी के अस्पताल में न्यूरोसर्जन की देखरेख में टेस्ट और सीटी स्कैन किए गए। डॉक्टरों ने पुष्टि की है कि उनके स्पाइन और सिर में कोई इंटरनल इंजरी नहीं है।

कुछ घंटों के ऑब्जर्वेशन के बाद हालत स्थिर पाई गई और उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया। वे टीम होटल लौट आए हैं। कैच के प्रयास में बिगड़ा संतुलन: यह घटना पारी के दूसरे ओवर की तीसरी गेंद पर हुई। अक्षर पटेल की गेंद पर पंजाब के ओपनर प्रियांश आर्य ने शॉट हवा में खेला।

बाउंड्री पर लुंगी एनगिडी ने कैच के लिए दौड़ लगाई और गोता लगाया। वे गेंद की रफ्तार और दिशा सही से नहीं भांप पाए। गेंद उनके हाथ के पास से निकल गई और वे पीठ व सिर के बल गिरे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वे देर तक दर्द से कराहते रहे और सिर पकड़ लिया। मैदान पर पहुंची एम्बुलेंस, पोंटिंग और बदानी भी पहुंचे: एनगिडी के गिरते ही मेडिकल स्टाफ स्ट्रेचर लेकर उनकी ओर दौड़ा। उन्हें चोटिल देख दिल्ली के हेड कोच हेमंग बदानी और पंजाब किंग्स के कोच रिकी पोंटिंग मैदान में पहुंचे। टीम के साथी ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर भी उनके पास आए। एनगिडी उस वक्त होश में थे और मेडिकल स्टाफ से बात कर रहे थे। एहतियात के तौर पर उन्हें स्ट्रेचर से एम्बुलेंस में शिफ्ट कर सीधे अस्पताल ले जाया गया।

संजू के 5 हजार रन पूरे, तीसरे सबसे तेज बैटर, चेन्नई की दूसरी सबसे धीमी फिफ्टी

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। गुजरात टाइटंस ने 2026 के 37वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से हरा दिया। संजू सैमसन ने में 5 हजार रन पूरे किए। वे ऐसा करने वाले तीसरे सबसे तेज प्लेयर बने। रविवार को चेन्नई ने में अपनी दूसरी सबसे धीमी फिफ्टी बनाई। गुजरात के कगिसो रबाडा इस सीजन पावरप्ले के बेस्ट बॉलर बन गए। मैच में दौरान अकील हुसैन और ऋतुराज गायकवाड को चोट लगी।

संजू ने 3555 बॉल पर 5 हजार रन पूरे किए: संजू सैमसन ने में अपने 5 हजार रन पूरे कर लिए। के खिलाफ उन्होंने 3,555 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की और 5 हजार बनाने वाले तीसरे सबसे तेज बल्लेबाज बने। इस लिस्ट में एबी डिविलियर्स नंबर 1 पर हैं। रबाडा ने इस सीजन पावरप्ले में 9 विकेट लिए: कगिसो रबाडा ने चेन्नई के खिलाफ 4 ओवर में 25 रन देकर 3 विकेट लिए। इसमें दो विकेट पावरप्ले में आए। रबाडा इस सीजन पावरप्ले में 9 विकेट ले चुके हैं, जो सबसे ज्यादा है। उनेक बाद जोफ्रा आर्चर हैं, जिनके नाम 8 विकेट हैं।

चेन्नई ने 12वें ओवर में 50 रन पूरे किए: गुजरात के खिलाफ चेन्नई ने 50 रन बनाने में 12 ओवर लगा दिए। यह इतिहास में टीम की दूसरी सबसे धीमी फिफ्टी है। सबसे धीमी टीम फिफ्टी के खिलाफ 2011 में आई थी। टीम ने तब 12.1 ओवर में 50 रन पूरे किए थे। ऋतुराज ने 49 गेंद पर फिफ्टी लगाई: ऋतुराज गायकवाड ने 49 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह के लिए संयुक्त रुप से चौथी सबसे धीमी फिफ्टी है। टीम के लिए सबसे धीमी फिफ्टी पार्थिव पटेल ने 2010 में पंजाब किंग्स के खिलाफ बनाई थी। उन्होंने इसके लिए 53 बॉल खेली थी।

एक दिन में 986 रन, दो 220 से ऊफर स्कोर चेज आईपीएल में बॉलरों के लिए कयामत की रात

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग (2026) में बल्लेबाज आग उगल रहे हैं, हर दिन कोई न कोई रिकॉर्ड जमींदोज हो रहा है, नए मानक बन रह हैं। और इसका सबसे बड़ा सबूत शनिवार को देखने को मिला। खेले गए खेले राजस्थान और हैदराबाद के बीच मैच में भी और पंजाब और दिल्ली के मैच में भी। एक नहीं, शनिवार को दो बड़े धमाके हुए कि बॉलर एक एक बार को सिहर उठे हैं। शनिवार को रिकॉर्डबुक के कुछ खास पन्ने फिर से पलटे गए और ये बॉलरों के लिए चिंता का बड़ सबब हो चले हैं।

रनों का अंबार, 1000 बाल-बाल बच गए : खेल गए दोनों ही मुकाबलों में संयुक्त रूप से मिलकर 986 रन बने। मतलब हजार का आंकड़ा बस जरा सा दूर रह गया। मतलब औसत हर टीम का स्कोर 250 रन और एक ही रात के भीतर चार अलग खिलाड़ियों के बीच ऑरेन्ज कैप इधर से उधर होती रही।

सुपर-सेटर-डे में में बदला शनिवार: पहले केएल राहुल के नाबाद 152 रन और फिर सुपर किड 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने बल्ला कुछ घुमाया कि शनिवार का दिन सुपर-सेटरडे में तब्दील हो गया। और इस दिन को एक ऐसे दिन के रूप में याद किया जाएगा, जब बल्ले ने आधिकारिक रूप से बॉल की भावना को तार-तार कर दिया।

केएल राहुल की धमाकेदार पारी: दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडिम में केएल राहुल ने कई सालों से चले स्ट्राइक-रेट को लेकर राहुल के सिर पर सवार आलोचकों को एकदम शांत कर दिया. केएल ने सिर्फ 67 गेंदों पर नाबाद 152 रन बनाए। केएल आईपीएल में डेढ़ से ऊपर का आंकड़ा छूने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने।

गुजरात की 2026 में चौथी जीत, चेन्नई को 8 विकेट से हराया

सुदर्शन ने 87 रन बनाए, गायकवाड़ की फिफ्टी काम नहीं आई

चेन्नई, 26 अप्रैल। गुजरात टाइटंस ने 2026 के 37वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से हराकर सीजन की चौथी जीत दर्ज की। गुजरात 8 मैच में 4 जीत और 4 हार के साथ पॉइंट्स टेबल में पांचवें स्थान पर पहुंच गई। वहीं चेन्नई 3 जीत और 5 हार के साथ छठे स्थान पर हैं। रविवार को एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई 20 ओवर में 7 विकेट पर 158 रन ही बना सकी। टीम की शुरुआत खराब रही और 37 रन तक 4 विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद कप्तान ऋतुराज गायकवाड ने 60 गेंदों पर नाबाद 74 रन बनाकर पारी संभाली। शिवम दुबे ने 22 रन बनाए। गुजरात के लिए कगिसो रबाडा ने 3 विकेट लिए।

राजस्थान सरकार

कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक-F.32 (B) (After Policy 2026-27)/EX/L/2026-06481-9018219/48 दिनांक-
यथाहस्ताक्षर

मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) के अनुज्ञापत्र हेतु ई-नीलामी आमंत्रण सूचनाः-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार की आज्ञा क्रमांक प.4 (1) वित्त/आब/2026 दिनांक 27 जनवरी, 2026 के द्वारा जारी आबकारी एवं मद्य-संयम नीति वर्ष 2025-29 में संशोधन के प्रावधानानुसार मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) की ऑनलाईन ई-नीलामी के लिये विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर निम्नानुसार ई-बोली आमंत्रित की जाती हैः-

क्र.सं.	नीलामी की दिनांक	नीलामी का समय
1	29.04.2026	प्रातः 11.00 बजे से सांय 4.00 बजे तक

1. ई-नीलामी में भाग लेने के इच्छुक बोलीदाता द्वारा विभागीय वेबसाइट https://iems.rajasthan.gov.in से अपने SSO ID के माध्यम से लॉगइन करते हुए विभागीय ई-ऑक्शन पोर्टल में निर्धारित प्रक्रियानुसार एक बारीय पंजीकरण करने उपरान्त ऑनलाइन नीलामी में भाग लिया जा सकेगा। इच्छुक बोलीदाता को ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व सर्वप्रथम राजस्थान सरकार के पोर्टल https://sso.rajasthan.gov.in पर "Citizen" केटेगरी के अन्तर्गत SSO ID बनाना होगा।
2. नीलामी एक कार्य दिवस में न्यूनतम पांच घण्टे की होगी एव उसके पश्चात् जब तक बोली लगती रहे तब तक 10 मिनट के अनन्त विस्तार (indefinite extension) तक जारी रहेगी।
3. बोलीदाता को कम से कम रू. 10,000/- अथवा रू. 10,000 के गुणांक मे बढाकर बोली लगानी होगी।
4. बोलीदाता एक बार में रिजर्व प्राइस/पिछली बोली से 10 प्रतिशत से अधिक राशि बढाकर बोली नही लगा सकेगा।
5. कलस्टर का जिलेवार एवं उनके आवेदन शुल्क, न्यूनतम रिजर्व प्राईस एवं अमानत राशि का विवरण विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगा।
6. ऑनलाईन नीलामी में SSO ID के माध्यम से भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदक द्वारा कलस्टर का चयन कर आवेदन शुल्क एवं अमानत राशि यथासंभव नीलामी की तिथि से एक दिवस पहले रात 11.59 तक https://iems.rajasthan.gov.in वेबसाईट पर बोलीदाता के ऑनलाईन भुगतान द्वारा इस वेबसाईट पर जमा हो जानी चाहिये। ऐसा करने से बोलीदाता विभिन्न प्रकार की तकनीकी समस्याओं से बच सकेगे। ऑनलाईन भुगतान नही होने या अन्यथा तकनीकी कारणों से निर्धारित राशियां जमा नही होने के कारण बोली में भाग नही ले पाने के लिये आवेदक स्वंय जिम्मेदार होगा।
7. प्रत्येक कलस्टर के लिये ऑनलाईन निलामी में भाग लेने हेतु निर्धारित न्यूनतम रिर्जव प्राईस की 2 प्रतिशत राशि अमानत राशि के रूप में आवेदन के साथ जमा करायी जानी है। बिड राशि के अनुसार अतिरिक्त अमानत राशि (Dynamic Earnest Money) भी जमा करानी होगी।
8. सफल बोलीदाता को धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेन्स फीस ई-नीलामी के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश एवं शर्तों, जो विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है, के अनुसार जमा करानी होगी।
9. निर्धारित समय में वांछित राशियाँ यथा-धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेंस फीस जमा न कराने पर स्वीकृति निरस्त कर समस्त जमा राशि जप्तराज की जायेगी।
10. वर्ष 2026-27 के पात्र अनुज्ञधारियों को वर्ष कमशः 2027-28 व 2028-29 के लिये निर्धारित शर्तों पर अनुज्ञापत्र नवीनीकरण का अवसर दिया जायेगा।
11. बोलीदाता को ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 एवं नीति में संशोधन दिनांक 27.01.2026 तथा समस्त दिशा-निर्देश, प्रक्रिया एवं शर्तों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कर लिया जाना चाहिये।
12. मदिरा कलस्टर के बन्दोबस्त हेतु वे ही व्यक्ति ई-नीलामी में भाग ले सकेंगें, जो राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत बनाए गए नियमों, आबकारी एवं मध्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 व संशोधन दिनांक 27.01.2026 तथा भारतीय संविदा अधिनियम के तहत अनुबन्ध करने की योग्यता रखते हो। इस सम्बन्ध में विस्तृत दिशा निर्देश https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु संबंधित अतिरिक्त आयुक्त जोन, जिला आबकारी अधिकारी एवं जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।
13. ई-नीलामी के संबंध में अन्य सभी प्रावधान आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 व नीति में संशोधन दिनांक 27.01.2026 तथा राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत बने नियम के अनुसार रहेगे।

DIPR/C/______/2026 **आबकारी आयुक्त, राजस्थान, उदयपुर**

तीन दिवसीय चिंतन शिविर के समापन पर 'श्रीनगर खेल संकल्प' दस्तावेज जारी

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को तीन-दिवसीय चिंतन शिविर के समापन पर 'श्रीनगर खेल संकल्प' दस्तावेज जारी किया। इस दस्तावेज में 'सहकारी संघवाद' के जरिए खेल संस्कृति को मजबूत करने का एक साझा राष्ट्रीय दृष्टिकोण बताया गया है जिसमें खिलाड़ियों पर केंद्रित विकास और बुनियादी ढांचे के विस्तार पर खास जोर दिया गया है। इस दस्तावेज में खेल को आर्थिक विकास और राष्ट्र निर्माण का एक अहम जरिया माना गया है जो पर्यटन को बढ़ावा देता है, अंतरराष्ट्रीय आयोजनों को आकर्षित करता है, स्थानीय उद्योगों को गति देता है और बड़े वैश्विक खेल आयोजनों की मेजबानी करने की भारत की महत्वाकांक्षा को और मजबूत करता है। इसमें कहा गया है कि खेल संघों, राज्यों और केंद्र को मिलकर काम करना चाहिए जिससे कि भारत एक खेल प्रधान राष्ट्र बन सके और यह सुनिश्चित हो सके कि देश की विकास गाथा में खेल सिर्फ एक छोटा सा हिस्सा बनकर नहीं रह जाएं। मांडविया ने देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के युवा मामले और खेल मंत्रियों के चिंतन शिविर की अध्यक्षता की। 15 से अधिक राज्यों के खेल मंत्रियों के साथ-साथ आदिल सुमारीवाला, अभिनव बिंद्रा, पुलेला गोपीचंद और गगन नारंग जैसी जानी-मानी खेल हस्तियों ने भी इस चिंतन शिविर में हिस्सा लिया और संबंधित पक्षों के साथ अपने विचार साझा किए। इस दस्तावेज में सहकारी संघवाद के जरिए खेल संस्कृति को मजबूत करने का एक साझा राष्ट्रीय दृष्टिकोण बताया गया है। इसमें खिलाड़ियों पर केंद्रित विकास, खेल के बुनियादी ढांचे का विस्तार, प्रतिभा की पहचान, क्षेत्रीय खेल समूहों का विकास और एकता, युवा सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, पर्यटन और आर्थिक विकास के लिए खेल का उपयोग करने पर खास जोर दिया गया है। यह बड़े वैश्विक खेल आयोजनों की मेजबानी करने की भारत की आकांक्षा को भी दोहराता है। दस्तावेज में कहा गया है, "इस (खेल संबंधी) महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए हम यह संकल्प लेते हैं कि खेल महासंघ और संघ, राज्य और केंद्र सरकार एक साथ मिलकर काम करेंगे, वे साझा लक्ष्यों पर एकमत होंगे, एक ही आवाज में बात करेंगे और खिलाड़ियों पर केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए मिलकर आगे बढ़ेंगे।"

जयपुर स्पोर्ट्स ने मिनर्वा क्लब को हराया

शोभित मिश्रा का तूफानी शतक, अमरनाथ के शतक पर पानी फिरा

जयपुर, 26 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग में आज खेले गए मैच में जयपुर स्पोर्ट्स ने मिनर्वा क्लब को 8 विकेट से हराया। जयपुर जिला क्रिकेट संघ के कन्वीनर राजेश कुमार ताम्बी ने बताया की आज प्रातः के एल सैनी स्टेडियम पर मिनर्वा क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अमरनाथ सिंघा के शतक 106 रन (134 गेंद, 14 चौके), पारस शर्मा के 16 रन रियान सेबेस्टियन के 14 रन, रोनित सैनी के 19 रन व साइओम प्रिंजा के 19 रनो से 49.1 ओवर में 237 रन बनाकर आउट हो गई। जयपुर स्पोर्ट्स के लिए विनय आमेरिया ने 37 पर 3, अर्जुन ऋषि ने 34 पर 2, समर खान ने 16 पर 2, व शोभित मिश्रा ने 33 पर एक विकेट लिया। जवाबी पारी में जयपुर स्पोर्ट्स ने शोभित मिश्रा के ताबड़तोड़ शतक 106 रन (47 गेंद, 14 चौके व 6 छक्के), शिवांजल अग्रवाल के नाबाद 55 रन, आशीष शर्मा के नाबाद 46 रन व आशीष शर्मा के 16 रनो से मात्र 22.1 ओवर में 2 विकेट पर 239 रन बनाकर मैच जीत लिया।

ग्लोबल राजस्थान एग्रोटेक मीट से तकनीक आधारित कृषि के नये युग की शुरुआत होगी- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने बेंगलुरु में ग्राम -2026 इन्वेस्टर्स मीट में एग्रीटेक स्टार्टअप, उद्यमियों, निवेशकों व कृषि विशेषज्ञों को संबोधित किया

जयपुर, 26 अप्रैल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ''ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026'' टेक्नोलॉजी और कृषि का एक ऐसा सशक्त मंच होगा, जो समृद्ध किसान, समृद्ध राजस्थान और समृद्ध भारत के निर्माण की नींव रखेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में हर क्षेत्र में विकास के नये आयाम स्थापित हो रहे हैं। प्रदेश पानी एवं बिजली के क्षेत्र में तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है, जिससे कृषि क्षेत्र में निवेश और नवाचार

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में फूड प्रोसेसिंग, कोल्ड चेन, जैविक कृषि, स्पाइस पार्क और कृषि तकनीक में निवेश के अनेक अवसर उपलब्ध हैं।

की अपार संभावनाएं बन रही हैं।

मुख्यमंत्री रविवार को बेंगलुरू में ग्राम-2026 इन्वेस्टर्स मीट में एग्री-टेक स्टार्टअप्स, उद्यमियों, निवेशकों एवं कृषि विशेषज्ञों को संबोधित कर रहे थे। शर्मा ने कहा कि किसानों को तकनीकी रूप से संपन्न बनाने की दिशा में राज्य सरकार जयपुर में 23 से 25 मई तक ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 का आयोजन कर रही है जो कि तकनीक आधारित कृषि के एक नए युग की शुरुआत होगी। इसमें प्रदेश के किसान और पशुपालकों के साथ-साथ, देश-विदेश के कृषि विशेषज्ञ, वैज्ञानिक और तकनीकी जानकार जुटेंगे। इस दौरान एग्रीटेक, ड्रोन टेक्नोलॉजी, एआई, आधुनिक खेती और फूड प्रोसेसिंग आदि से किसान रूबरू होगा। उन्होंने टेक उद्यमियों एवं निवेशकों को इस महत्वाकांक्षी आयोजन में शामिल होने का आमंत्रण दिया।

उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान कृषि क्षेत्र में व्यापक स्तर पर एमओयू हुए, जिनका निरन्तर क्रियान्वयन हो रहा है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में फूड प्रोसेसिंग, कोल्ड चेन, जैविक कृषि, स्पाइस पार्क और कृषि तकनीक में निवेश के अनेक अवसर उपलब्ध हैं।

कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि राज्य सरकार नीतिगत समर्थन, बुनियादी ढ ांचे और नवाचार को बढ़ ावा देकर एग्रीटेक सेक्टर को मजबूत कर रही है। कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की प्रमुख शासन सचिव मंजू राजपाल ने कहा कि राजस्थान में कृषि क्षेत्र में व्यापक सुधार किए जा रहे हैं। इसके अन्तर्गत तकनीक का समावेशन करते हुए किसानों की आय बढ़ ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

इस दौरान राजस्थान फाउण्डेशन आयुक्त मनीषा अरोड़ा, ए-वन स्टील के चेयरमैन जूलियन जालान, जैन ग्रुप के फाउंडर डॉ चेनराज रायचंद, प्राइड ग्रुप के एमडी एमएल सरावगी, राजस्थान फाउंडेशन के बेंगलुरु चैप्टर के प्रेसिडेंट सचिन पांडिया, फिक्की की एग्रीकल्चर सबकमिटी के चेयरमैन तथा किसान क्राफ्ट के सीएमडी रवीन्द्र अग्रवाल, सती एक्सपोर्ट के एमडी संदीप अग्रवाल आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को बेंगलुरू में ग्राम-2026 इन्वेस्टर्स मीट का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने टेक उद्यमियों एवं निवेशकों को इस आयोजन में शामिल होने का आमंत्रण दिया।

प्रसिद्ध फोटोग्राफर रघु राय का निधन

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। भारत के जाने-माने फोटोग्राफरों में शुमार रघु राय का रविवार तड़के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वे 83 वर्ष के थे। रघु राय ने अपनी कैमरे की नजर से भारत के विविध रंगों और जीवन के अनेक पहलुओं को दुनिया के सामने पेश किया। उनके बेटे और फोटोग्राफर नितिन राय ने बताया, पिता को दो साल पहले प्रोस्टेट कैंसर हुआ था, जिसका इलाज हो गया था। इसके बाद कैंसर पेट तक फैला, वह भी ठीक हो गया। हाल ही में कैंसर उनके मस्तिष्क तक पहुंच गया था और उम्र से जुड़ी अन्य समस्याएं भी थीं। रघु राय अपने पीछे पत्नी गुरमीत, बेटे नितिन और बेटियां लगन, अवनि और पूर्वी को छोड़ गए हैं।

■ उन्होंने अपने कैमरे से भारत के विविध रंगों को दुनिया के सामने पेश किया था।

जोधपुर के खेत में एमडी ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री पकड़ी गई

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने रविवार सुबह 3:30 बजे छापा मारा, 100 किलो एमडी ड्रग बरामद

जोधपुर, 26 अप्रैल (कासं)। जोधपुर जिले के बालेसर इलाके में पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने एमडी ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री पकड़ी है। यह फैक्ट्री बालेसर के बावरली क्षेत्र के लूणावपुरा गांव में एक खेत में थी। यहां से करीब 100 किलोग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की है तथा 6 से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

सूत्रों के अनुसार, एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के आईजी विकास कुमार के निर्देशन में कार्रवाई की गई। कार्रवाई को गोपनीय रखने के लिए एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और पुलिस की टीम ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार होकर शनिवार देर रात मौके पर पहुंचीं तथा रात को करीब 3:30 बजे दबिश दी।

■ छापे के दौरान आरोपियों और पुलिस के बीच फायरिंग हुई, एक आरोपी के पैर में गोली लगी तथा भागने का प्रयास कर रहे एक आरोपी का पैर टूट गया।

बताया जा रहा है कि इस दौरान आरोपियों और पुलिस के बीच फायरिंग भी हुई। आरोपियों ने पुलिस टीम पर गोली चलाई। जवाब में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और पुलिस ने भी फायरिंग की। एक आरोपी के पैर में गोली लगी, वहीं, भागने के प्रयास में एक आरोपी का पैर टूट गया।

फायरिंग की सूचना मिलते ही बालेसर, आगोलाई और बंबोर सहित आसपास के थानों की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। कुछ अन्य संदिग्धों की तलाश में सर्च ऑपरेशन जारी है। पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में ले लिया गया। घटनास्थल के आसपास आम लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई। रविवार को एफएसएल की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है। इसमें ड्रग्स के बड़े नेटवर्क का खुलासा होने की संभावना है।

माली देश के रक्षा मंत्री की आतंकी हमले में मौत

हमलावरों ने रक्षा मंत्री के घर पर कार बम से हमला किया, उनकी पत्नी व दो पोते-पोती भी मारे गए

बामाको, 26 अप्रैल। पश्चिम अफ्रीकी देश माली में शनिवार को हुए समन्वित आतंकी हमलों ने देश की सुरक्षा व्यवस्था को झकझोर दिया। इन हमलों में माली के रक्षा मंत्री सादियो कैमारा की मौत हो गई। यह हमला राजधानी बामाको के पास स्थित काटी सैन्य ठिकाना में उनके आधिकारिक आवास पर किया गया।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, हमलावरों ने कार बम के जरिए मंत्री के घर को निशाना बनाया। इस विस्फोट में उनकी पत्नी और दो पोते-पोतियों की भी मौत होने की सूचना है। इस हमले की जिम्मेदारी अल-कायदा से जुड़े आतंकी संगठन जेएनआईएम (जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमिन) और तुआरेग विद्रोहियों ने ली है।

■ सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, आतंकियों ने कई स्थानों पर एक साथ हमले किये, जिसमें रक्षा मंत्री के घर के अलावा बामाको का अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, सेवारे, किदाल और गाओ शामिल हैं। माली की सेना ने जवाबी कार्रवाही में सैंकड़ों हमलावरों को मार गिराने का दावा किया।

सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, यह हमला केवल काटी तक सीमित नहीं था। आतंकियों ने एक साथ कई स्थानों को निशाना बनाया, जिनमें बामाको का अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, सेवारे, किदाल और गाओ शामिल हैं। इस तरह के समन्वित हमले से स्पष्ट है कि हमलावरों ने व्यापक स्तर पर अस्थिरता फैलाने की योजना बनाई थी।

इस घटना पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने हमलों की कड़ी निंदा करते हुए माली के नागरिकों के प्रति एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने नागरिक बुनियादी ढ ांचे की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील भी की।

माली की सेना ने दावा किया है कि जवाबी कार्रवाई में सैकड़ों हमलावरों को मार गिराया गया है और हालात को नियंत्रण में लाया जा रहा है। हालांकि, राजधानी बामाको में एहतियात के तौर पर तीन दिनों का कर्फ्यू लागू कर दिया गया है। सादियो कैमारा की मौत माली की सैन्य सरकार के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि वे शासन के प्रमुख स्तंभों में से एक माने जाते थे। इस हमले के बाद देश में राजनीतिक और सुरक्षा स्थिति और अधिक जटिल होने की आशंका जताई जा रही है।

पहले चरण के मतदान में तृणमूल का अहंकार टूट चुका है- मोदी

प्रधानमंत्री ने उत्तर 24 परगना में चुनाव सभा में मतुआ समुदाय, महिला, किसान, युवाओं के मुद्दे उठाये

कोलकाता, 26 अप्रैल। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को उत्तर 24 परगना जिलांतर्गत, ठाकुरनगर में जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की। अपने भाषण में उन्होंने मतुआ समुदाय, महिलाओं, किसानों और युवाओं से जुड़े कई मुद्दों को उठाया और राज्य में परिवर्तन की जरूरत पर जोर दिया।

राज्य की राजनीति पर हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस मां, माटी, मानुष के नारे के साथ सत्ता में आई थी, लेकिन अब वह अपने वादों से भटक चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में सिंडिकेट राज, भ्रष्टाचार और जंगलराज का माहौल है। उन्होंने कहा कि पहले चरण के मतदान में तृणमूल का अहंकार टूट चुका है और दूसरे चरण में भाजपा की जीत सुनिश्चित है।

■ प्रधानमंत्री मोदी ने मतुआ और नमशूद्र समुदाय से कहा कि उन्हें स्थायी पहचान और अधिकार दिये जाएंगे, जो देश के अन्य नागरिकों को प्राप्त हैं।

प्रधानमंत्री ने उद्योग और रोजगार के मुद्दे पर भी राज्य सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि हुगली नदी के आसपास कभी उद्योग फलते-फूलते थे, लेकिन अब कारखानों पर ताले लग रहे हैं। जूट मिलों के बंद होने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि तृणमूल शासन में उद्योगों को बढ़ ावा नहीं मिल रहा, जबकि केन्द्र सरकार ने जूट के न्यूनतम समर्थन मूल्य को बढ़ ाया है और उसके उपयोग को अनिवार्य किया है।

प्रधानमंत्री ने नागरिकता संशोधन अधिनियम का उल्लेख करते हुए कहा कि यह कानून शरणार्थियों को नागरिकता और अधिकार देने के लिए लाया गया है। उन्होंने मतुआ और नमशूद्र समुदाय से कहा कि उन्हें स्थायी पहचान और अधिकार दिए जाएंगे, जो देश के अन्य नागरिकों को प्राप्त हैं। उन्होंने तृणमूल पर इस मुद्दे पर भ्रामक प्रचार करने का आरोप लगाया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और लोगों से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार बनने पर बंगाल का विकास तेजी से होगा और राज्य देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो सकता है।

एसआई भर्ती 2021 पर सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर

जयपुर , 26 अप्रैल (कासं)। सब इंस्पेक्टर (एस.आई.) भर्ती-2021 को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एस.एल.पी. दायर हुई है। इसमें 9 याचिकाकर्ताओं ने राजस्थान हाईकोर्ट के खंडपीठ के फैसले को चुनौती है। याचिकाकर्ताओं में पायल शर्मा, महेन्द्र कुमार शर्मा, शशि दत्त, अशोक कुमार मीणा, गणेश नारायण मीणा व अन्य शामिल है। बताया जा रहा है कि, यह मामला सोमवार को सूचीबद्ध होगा। ज्ञात रहे कि राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने 4 अप्रैल 2026 को आदेश दिया था कि एस.आई. व प्लाटून कमांडर भर्ती रद्द की जाती है। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में अपीलकर्ताओं द्वारा कहा गया है कि 28 जून 2025 को गृह विभाग ने एक रिपोर्ट दी थी, जिसमें बताया गया था कि 838 अभ्यर्थियों में से केवल 6.5 प्रतिशत के खिलाफ पेपरलीक में भागीदार होने के साक्ष्य मिले हैं, जबकि 785 अभ्यर्थियों के खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं मिले है।

अपीलार्थियों का आरोप है कि राजस्थान हाईकोर्ट में जिन लोगों ने याचिकाएं दायर की थीं, उनमें कुछ तथ्य छिपाए गए थे।

देश में पेट्रोलियम पदार्थों व घरेलू गैस की 100 प्रतिशत आपूर्ति

पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, 25 अप्रैल को देश भर में 51.8 लाख घरेलू एलपीजी सिलेन्डर की आपूर्ति की गई

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। पश्चिम एशिया में जारी हालात के बीच केन्द्र सरकार ने देश में पेट्रोलियम उत्पादों और रसोई गैस की आपूर्ति को लेकर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और घबराने की कोई जरूरत नहीं है। सरकार ने बताया कि 25 अप्रैल को देशभर में 51.8 लाख से अधिक घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति की गई, जबकि कहीं भी गैस एजेंसियों पर कमी (ड्राई-आउट) की स्थिति नहीं है।

केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, देश में एलपीजी, पीएनजी और सीएनजी की 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि वे पेट्रोल, डीजल और गैस की अनावश्यक खरीद से बचें और अफवाहों पर ध्यान न दें। मंत्रालय ने बताया कि मार्च 2026 से अब तक लगभग 5.45 लाख पीएनजी कनेक्शन सक्रिय किए गए हैं, जबकि 2.62 लाख अतिरिक्त कनेक्शनों के लिए आधारभूत ढ ांचा तैयार किया गया है। साथ ही, 42,500 से अधिक उपभोक्ताओं ने पीएनजी अपनाते हुए एलपीजी कनेक्शन सरेंडर किए हैं।

■ पैट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं तथा देश में पेट्रोल-डीज़ल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है।

सरकार ने आपूर्ति प्रबंधन को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। एलपीजी की मांग को संतुलित करने के लिए वैकल्पिक ईंधनों, जैसे केरोसिन और कोयले की उपलब्धता भी बढ़ ाई गई है।

वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति को प्राथमिकता के आधार पर अस्पतालों, शैक्षिणक संस्थानों और उद्योगों को दिया जा रहा है। साथ ही प्रवासी श्रमिकों के लिए 5 किलोग्राम सिलेंडरों की आपूर्ति बढ़ ाई गई है।

मंत्रालय ने बताया कि जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए देशभर में सख्त कार्रवाई जारी है। बीते दिन 2100 से अधिक छापेमारी की गईं, जबकि 310 गैस एजेंसियों पर जुर्माना लगाया गया और 70 एजेंसियों को निलंबित किया गया है।

'अदालत आरोपियों को सरेंडर करने का निर्देश नहीं दे सकती'

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। देश की सर्वोच्च अदालत ने अग्रिम जमानत और अदालती क्षेत्राधिकार को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी भी आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज करना अदालत का अधिकार है। हालांकि, याचिका खारिज करते समय अदालत के पास यह शक्ति नहीं है कि वह आरोपी को संबंधित ट्रायल कोर्ट के सामने आत्मसमर्पण करने का निर्देश दे।

■ सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी भी आरोपी की अग्रिम जमानत खारिज करने का अधिकार अदालत के पास है, पर आत्मसपर्मण करने के निर्देश देने की शक्ति नहीं है।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की खंडपीठ ने एक मामले की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की।

क्या 20 साल बाद पांचना बांध से पानी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ग्रामीणों में सामंजस्य लाने के लिए राज्य सरकार ने एक अतिरिक्त लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट के निर्माण के लिए प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है, जिसके लिए 50 करोड़ रूपए भी आवंटित कर दिए गए हैं। इस अतिरिक्त लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट से 4 अतिरिक्त ग्रामों तक पानी पहुंचाया जा सकेगा।

■ पांचना बांध से जुड़े लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट में पानी छोड़े जाने व नहरों के नेटवर्क का विस्तार करने से क्या भाजपा सरकार एक तीर से दो निशाने भेदना चाहती है ? क्या उन मुद्दों से राजनैतिक लाभ उठाना चाहती है, जहां पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने सचिन पायलट के बढ़ते वर्चस्व को देखते हुए जानबूझकर जनहित के कार्यों में सेंध लगाई थी?

इस मामले में दायर जनहित याचिका ग्रामोत्थान संस्था की ओर से दायर की गई है और याचिकाकर्ता की और से अधिवक्ता दीपक शर्मा और उनके सहायक अधिवक्ता अरविंद कुमार सिंह पैरवी के लिए पेश हुए थे।

याचिका में स्पष्ट शब्दों में बताया गया है कि पांचना बांध 1.25 लाख लोगों को सीधे-सीधे प्रभावित करता है। इस बांध के ज़रिए 46 गांव में सिंचाई की नहरों के माध्यम से पानी पहुंचाने की योजना बनाई गई थी और करीबन 40,000 बीघा जमीन की सिंचाई की जानी थी, किन्तु पानी उपलब्ध नहीं होने के कारण सिंचाई नहीं हो पा रही थी।

उल्लेखनीय है कि इस मामले में गत 5 मार्च को भी सुनवाई हुई थी, तब भी जलदाय विभाग के सुप्रीटेंडेंट इंजीनियर मौजूद थे और उन्होंने अदालत को बताया था कि इस पांचना बांध से जुड़े हुए एक लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट का निर्माण हो चुका है, जिससे करीब 13 गांवों को सिंचाई की सुविधा मुहैय्या कराई जा सके। परंतु सुपरिटेंडेंट इंजीनियर ने अदालत को यह भी बताया कि इस लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट को शुरू करने के खिलाफ कई अन्य ग्रामों के निवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया है, क्योंकि इस लिफ्ट प्रोजेक्ट से उनके ग्रामों को कोई फायदा नहीं होगा। सुपरिटेंडेंट इंजीनियर की तरफ से अदालत को यह भी बताया गया कि विभाग ने ग्रामीणों को शांत करने के लिए एक अन्य लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट शुरू करने का प्रस्ताव भी दिया था, परंतु यह प्रस्ताव स्वयं अशोक गहलोत सरकार ने 29 मार्च 2023 को खारिज कर दिया था, क्योंकि राज्य सरकार द्वारा ही विभाग के एक अन्य लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट को रद्द कर दिया गया था इसलिए अदालत ने पहले से ही निर्मित लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट को शुरू करने के आदेश दिए थे। यह भी आदेश दिए गये थे कि जो भी समुदाय या गुट इसका विरोध करे, प्रशासन उसपर कार्यवाही करे।

अदालत ने अपने आदेश में अतिरिक्त महाअधिवक्ता बी एस छाबा के बयानों को भी रिकॉर्ड पर लिया, जिनमें उन्होंने कहा है कि राज्य सरकार ग्रामीणों, जो प्राथमिक रूप से गुर्जर व मीणा समाज से है, के बीच में सामंजस्य नहीं बिठा पा रही है और ग्रामीणों के बीच चल रहे विवाद की आड़ में राज्य सरकार पांचना बांध से पानी छोड़ने की कार्यवाही को अंजाम नहीं दे रही है।

अतिरिक्त महाअधिवक्ता ने माना कि वर्ष 2022 में ही अदालत ने बांध से सिंचाई के लिए पानी छोड़ने के आदेश दे दिए थे, परंतु चार साल बाद भी राज्य सरकार इस बांध से पानी छोड़े जाने के आदेश को क्रियान्वित नहीं कर पा रही है। अदालत ने अतिरिक्त महाअधिवक्ता के बयानों को रिकॉर्ड पर लेते हुए कहा था कि वह राजनैतिक लाभ और हानि को मद्देनजर रखते हुए राज्य सरकार के अधिकारियों की बहानेबाजी को स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी गुट या समूह के प्रदर्शन करने से इतनी बड़ी स्कीम को नहीं रोका जा सकता, जिससे लाखों लोगों को फायदा होगा। अदालत ने यह भी टिप्पणी की थी कि पांचना बांध से जुड़े लिफ्ट इरिगेशन स्कीम व नहरों का निर्माणकार्य 2005 में ही समाप्त हो गया था, जिसमें हजारों - करोड़ो रुपए खर्च किए गए थे। इसलिए राज्य सरकार के अधिकारियों का यह दायित्व है कि यह स्कीम जल्द से जल्द क्रियाशील हो। अदालत ने आदेश दिए थे कि जलदाय विभाग के सुप्रीटेंडेंट इंजीनियर इस मामले में स्थिति रिपोर्ट पेश करें और बताएं कि गहलोत सरकार ने जब वर्ष 2023 में यह फैसला ले लिया था कि बचे हुए ग्रामों के लिए अतिरिक्त लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट नहीं बनाया जाएगा, उसके बाद भी पहले से निर्मित इरिगेशन प्रोजेक्ट को क्रियाशील क्यों नहीं किया गया।

इस मामले की गत सुनवाई जो 24 अप्रैल को हुई थी, उसके दौरान सुपरिटेंडेंट इंजीनियर द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी गई है, जिसमें यह तथ्य भी उजागर हुआ है कि राजस्थान सरकार ने गहलोत सरकार के पूर्व फैसले को उलटते हुए यह फैसला किया है कि एक दूसरी लिफ्ट इरिगेशन कनाल प्रोजेक्ट को शुरू किया जाएगा, जिसे पिपलापूरा, टिकैतपूरा, उच्चेकपुरा और टोका (खारेटा) गांव में पानी पहुंचाने की व्यवस्था कराई जाएगी। सुपरिटेंडेंट की रिपोर्ट में यह स्पष्ट था कि इस नए लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट के लिए राज्य सरकार ने 50 करोड़ रुपए का आवंटन कर दिया है। इसके अलावा सुपरिटेंडेंट की रिपोर्ट में यह भी बताया गया था कि पूरे प्रोजेक्ट को ही अपग्रेड किया जाएगा। जलदाय विभाग की ओर से दी गई यह रिपोर्ट यह स्पष्ट करती है कि जिन प्रोजेक्ट्स को गत भाजपा सरकार और गहलोत सरकार, अपने अपने राजनैतिक लाभों को मद्देनजर रखते हुए जानबूझकर क्रियान्वित नहीं कर रही थीं, उन मुद्दों पर वर्तमान भाजपा सरकार अब फायदा उठा रही है।

उल्लेखनीय है कि पांचना बांध करौली राजस्थान के उस क्षेत्र में है, जहां सचिन पायलट का वर्चस्व माना जाता है। यह भी जगजाहिर है कि उन्हीं के द्वारा युवा वोटरों को जोड़ा गया था, जिन्होंने पारंपरिक राजनैतिक जातिगत रेखाओं से बाहर निकलकर कांग्रेस के पक्ष में वोट डाले थे, जिससे पिछली कांग्रेस सरकार को सत्ता का स्वाद मिला था। ऐसे में क्या यह भी स्पष्ट नहीं है कि पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने इन्हीं कारणों की वजह से इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को क्रियान्वित नहीं होने दिया?

क्या यही एक कारण है कि 29 मार्च 2023 को गहलोत सरकार ने सभी ग्रामीणों एवं जातियों को जोड़े रखने के लिए किए गए प्रस्ताव की पांचना बांध से जुड़े हुए एक अतिरिक्त लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट को स्वीकृति दी जाए, को अस्वीकार किया था? क्या यह सवाल कांग्रेस पार्टी व उसके कार्यकर्ता अशोक गहलोत और उनके समर्थकों से पूछ सकते है?

पचपदरा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आधार पर आग लगने का संभावित कारण वैक्यूम रेजिड्यू एक्सचेंजर की इनलेट लाइन पर प्रेशर गेज टैपिंग प्वाइंट से रिसाव माना जा रहा है। एचआरआरएल प्रबंधन के अनुसार, पुनर्स्थापन कार्य तेजी से जारी है और इसके अगले 3 से 4 सप्ताह में पूर्ण होने की संभावना है। क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट को मई 2026 के द्वितीय पखवाडे में पुनः प्रारंभ किए जाने की उम्मीद जताई गई है। वहीं, अन्य सहायक इकाइयां पहले से ही कमीशनिंग के उन्नत चरण में हैं। कंपनी ने बताया कि मुख्य उत्पादों एलपीजी, एमएस, एचएसडी और नैफ्था का परीक्षणात्मक उत्पादन मई 2026 में शुरू किया जाएगा, जिसके बाद इकाइयों को स्थिर कर नियमित कमीशनिंग की जाएगी। एचआरआरएल ने अपने बयान में कहा कि कंपनी परिचालन सुरक्षा, सुदृढ आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणालियों तथा उद्योग के सर्वोच्च मानकों के पालन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

हमलावर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसका असली मकसद क्या था और क्या वह अकेला था या किसी नेटवर्क से जुड़ा हुआ था। जहां तक ईरान कनेक्शन की बात है, अटॉर्नी जनरल ने साफ कहा कि अभी तक ऐसा कोई ठोस सबूत नहीं मिला है, जांच जारी है।

देश के बैंकिंग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उम्मीद है, जो ज्यादातर इंफ्रास्ट्रक्चर खर्च और सरकारी कैपिटल व्यय से प्रेरित है। लंबे समय से प्रतीक्षित निजी पूंजीगत व्यय चक्र (केपैक्स सायकल) जीवन के संकेत दिखा रहा है, लेकिन अभी पूरी गति पकड़ने के लिए तैयार नहीं है।

मौद्रिक नीति पर आम सहमति भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। अधिकांश बैंक उम्मीद कर रहे हैं कि निकट भविष्य में ब्याज दरें अपरिवर्तित रहेंगी, जो इस बात का संकेत है कि वर्तमान में वृद्धि और मुद्रास्फीति के बीच संतुलन उचित है। यह स्थिरता एक महत्वपूर्ण आधार प्रदान करती है, विशेष रूप से तब, जब वैश्विक अनिश्चितताएं-भू-राजनीतिक तनाव से लेकर बदलती तरलता स्थितियों तक, लगातार लंबे समय तक असर डाल रही हैं।

लेकिन, यदि शॉर्ट टर्म आउटलुक स्थिरता के बारे में है, तो लॉंग टर्म कहानी परिवर्तन के बारे में है। बैंक तेजी से यह मान रहे हैं कि खेल के नियम बदल रहे हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब केवल एक सहायक उपकरण नहीं हैं, यह तेजी से क्रेडिट असैसमैंट, रिस्क मैनेजमैंट और कस्टमर केयर का सैंटर बन रहा है। लगभग आधे जवाब देने वाले, ए.आई. को बैंकिंग के भविष्य को आकार देने वाली सबसे बड़ी रूकावट डालने वाली ताकत के रूप में देख रहे हैं।

साथ ही, फिनटेक और बिगटेक प्लेटफॉर्म प्रतिस्पर्धी सीमाओं को फिर से परिभाषित कर रहे हैं, जिससे बैंक प्रतिस्पर्धा और सहयोग के बीच एक नाजुक संतुलन बनाए रखने के लिए मजबूर हैं। इसमें भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार भी जोड़ दें, तो एक बहुत ही अलग फायनैंशियल इकोसिस्टम की रूपरेखा उभरने लगती है।

सबसे महत्वपूर्ण बदलाव शायद रणनीतिक प्राथमिकताओं में है। क्लाइमेट रिस्क मेनेजमैंट और फायनैंशियल इन्क्लूज़न अब बैंकों के एजेंडे में शीर्ष पर हैं, जो ग्रोथ और प्रोफिटबिलिटी के पारंपरिक मेट्रिक्स से आगे बढ़ने का संकेत देते हैं। विशेष रूप से रिन्यूएबल एनर्जी फायनैंसिंग, को सबसे आशाजनक क्षेत्र माना जा रहा है, जो बैंकिंग रणनीति को राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के साथ जोड़ता है।

सर्वेक्षण से संदेश स्पष्ट है। भारत के बैंक अब केवल पूंजी के मध्यस्थ नहीं हैं; वे वृद्धि, तकनीक और जिम्मेदारी के जटिल संगम में नेविगेट करने वाले संस्थान बन रहे हैं।

चुनौती केवल क्रेडिट विस्तार बनाए रखने की नहीं है, बल्कि तेजी से बदलते हुए माहौल के हिसाब से खुद को ढालते हुए ऐसा करना है। अभी के लिए ऐसा लगता है कि इस सैक्टर में स्टेबिलिटी और इस बदलाव को मैनेज करने का इरादा, दोनों ही हैं। क्या यह इस बैलेंस को बनाए रख पाएगा या नहीं, यह भारत के फायनैंशियल विकास के अगले फेज़ को तय करेगा।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908